शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वक्फ विधेयक से संपत्तियों के दुरुपयोग और अतिक्रमण पर लगेगी लगाम... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 07 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-95

400 एकड़ के घने जंगल और वन्य जीवों पर 'रेड्डी-खतरा'

हैदराबाद का जंगल 'खा' रही कांग्रेस सरकार

तेलंगाना सरकार ने बुलडोजर लगा कर हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर के पास कांचा गाचीबोवली के करीब 400 एकड़ वन क्षेत्र के घने जंगल और वन्य जीवों का विध्वंस कर दिया। तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अराजक आदेश के कारण घने जंगल और वन्य जीवों के मारे जाने के खिलाफ हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। लेकिन सरकार ने जिस तरह वृक्षों और वन्य जीवों को रौंदा, वैसे ही प्रदर्शन को भी रौंद डाला। आ-खिरकार सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार के इस आपराधिक कृत्य का स्वतः संज्ञान लिया। यह मुद्दा राज्यसभा में भी उठा। सुप्रीम कोर्ट ने वन विध्वंस पर तत्काल रोक लगाने का आदेश जारी किया, लेकिन आदेश के बावजूद जंगल के विनाश का कृत्य गुपचुप तरीके से जारी है।

जंगल काटे जाने और वन्य

विरोध में छात्र अकेले पड़े, नागरिक समाज चुप

जीवों के मारे जाने की तस्वीरें और वीडियो क्लिपिंग्स सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रही हैं। जिसे देखते हुए आम संवेद-नशील नागरिक भावुक हुए बगैर नहीं रह सकता। आप सोचिए, हैदराबाद के लोगों को कितना दुख और संताप हो रहा होगा! उन तस्वीरों में उन विवश छात्रों और समाजसेवियों की भी तस्वीरें दिखेंगी जो उन मूक प्राणियों और वृक्षों के लिए आवाज उठा रहे हैं, जिसका विनाश करने पर तेलंगाना की सरकार अड़ी हुई है। हैदराबाद विश्वविद्यालय की करीब चार सौ एकड़ जमीन पर घने जंगल काट कर तेलंगाना सरकार विकास का ठूंठ उगाने का अमानवीय कृत्य कर रही है। जंगल में विचरण करने वाले प्राकृतिक जीवों की हत्या हो रही है। जंगल काटे जा रहे हैं। छात्र सवाल उठा रहे हैं कि यह कैसा विकास है? अदालतें तक कह चुकी हैं कि जंगल मत काटो, लेकिन कांग्रेस की सरकार कानून और अदालतों की बातें कहां सुनती है? उसे तो केवल संविधान को अपनी जेब में रख कर सियासत

▶10पर

प्रधानमंत्री ने देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज पंबन का उद्घाटन किया

रामनवमी पर रामसेतु के पास समर्पित पंबन सेतु

रामेश्वरम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चैत्र रामनवमी के अवसर पर रविवार 6 अप्रैल 2025 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में पंबन सेतु राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री ब्रिज पंबन का उद्घाटन किया। उन्होंने रामेश्वरम से तांब्रम (चेन्नई) के बीच एक नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। उन्होंने राज्य में कई अन्य विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी की। समुद्र

भारतीय इंजीनियरिंग का शानदार नमूना बना पंबन सेतु

पंबन सेतु भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज बना

के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है। पंबन ब्रिज अपने किस्म का भारत का पहला पुल है, जिसे इंजीनियरिंग का शानदार नमूना माना जा रहा है। पंबन ब्रिज रामेश्वर के पंबन द्वीप को भारत की मुख्य भूमि तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज है, जिसकी ऊंचाई 3 मीटर है। समुद्र तल से इसकी नेविगेशनल एयर क्लीयरेंस 22 मीटर है। ब्रिज की लंबाई 2.08 किलोमीटर (यानी 2,070 मीटर या 6790 फीट) है। ▶10पर

स्टालिन के आरोपों का पीएम मोदी ने दिया करारा जवाब

तमिलनाडु को यूपीए से तीन गुना अधिक धन दिया

रामेश्वरम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर जबरदस्त हमला बोला। उन्होंने एमके स्टालिन के राज्य को पर्याप्त धन आवंटित न करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में तमिलनाडु को अधिक धनराशि दी है, लेकिन कुछ लोग इसे लेकर रोते ही रहते हैं। उन्होंने डीएमके नेताओं पर तमिल की जगह अंग्रेजी में अपने पत्रों पर हस्ताक्षर करने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने नई शिक्षा नीति को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर भी निशाना साधा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सरकार लगातार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि तमिल भाषा और तमिल विरासत दुनिया के हर कोने तक पहुंचे। कभी-कभी, मुझे आश्चर्य होता है जब मुझे तमिलनाडु के कुछ नेताओं से पत्र मिलते हैं, उनमें से किसी पर भी तमिल भाषा में हस्ताक्षर नहीं होते हैं। अगर हमें तमिल पर गर्व है, तो मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि कम से कम अपने नाम पर तमिल में हस्ताक्षर करें। तमिलनाडु के रामेश्वरम में पंबन ब्रिज का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने स्टालिन का नाम लिए बिना कहा, केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में राज्य के विकास के लिए पिछली सरकार की तुलना में तीन गुना अधिक धन आवंटित किया है। 2014 से अब तक हमने तमिलनाडु के विकास के लिए जितना धन मुहैया कराया है, वह सत्ता में रहने के दौरान इंडी गठबंधन की तुलना में तीन गुना अधिक है। उस समय डीएमके इंडी गठबंधन का हिस्सा थी। तमिलनाडु का रेल बजट भी सात गुना बढ़ गया है। कुछ लोगों को बिना वजह रोने की आदत होती है, वे इस पर रोते रहते हैं।

▶10पर

भाजपा के स्थापना दिवस पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

ऐतिहासिक जनादेश के बूते लोग देख रहे भाजपा का सुशासन

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश की बदौलत देश के लोग पार्टी का सुशासन देख रहे हैं। पीएम मोदी ने पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा, हम उन सभी व्यक्तित्वों को याद करते हैं जिन्होंने पिछले कई दशकों में हमारी पार्टी को मजबूत करने के लिए खुद को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दिन हमें भारत की प्रगति के लिए काम करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। भारत के लोग हमारी पार्टी के सुशासन एजेंडे को देख रहे हैं, जो पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश में भी परिलक्षित होता है, ▶10पर

कर्नाटक हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण वक्तव्य

देश में समान नागरिक संहिता जरूरी

बेंगलुरु, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने संसद एवं राज्य विधानसभाओं से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 तहत समान नागरिक संहिता पर कानून बनाने से भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित उद्देश्य और आकांक्षाएं सही मायने में साकार होंगी।

जस्टिस हंचते संजीवकुमार की एकल पीठ ने कहा कि समान नागरिक संहिता को लागू करने से महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित होगा, सभी जातियों और धर्मों में समानता को बढ़ावा मिलेगा तथा भाईचारे के माध्यम से व्यक्तिगत गरिमा कायम

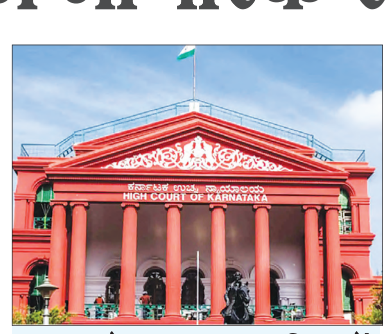

मजहब के आधार पर महिलाओं से होता है भेदभाव

रहेगी। न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुसार भारत में सभी महिलाएं एक नागरिक के तौर पर समान हैं, लेकिन पर्सनल लॉ उनके साथ भेदभाव करते हैं। पीठ ने कहा, संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर ने अपने सबसे शानदार भाषण में समान नागरिक संहिता के पक्ष में तर्क दिया है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस संजीव कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, टी कृष्णमाचारी और मौलाना हसरत मोहानी जैसे प्रमुख नेताओं ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि धर्म के आधार पर बने पर्सनल लॉ के कारण महिलाओं के भेदभाव होता है। हिंदू कानून के तहत बेटी को बेटे के समान जन्मसिद्ध अधिकार और पत्नी को अपने पति के बराबर दर्जा प्राप्त है। हालांकि, मुस्लिम कानून के तहत ऐसी समानता नहीं दिखाई देती है। ▶10पर

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ न लगाने की अपील

जनजातीय मुखिया बोले, दो देशों में बंटा है मेरा घर

लोंगवा, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को नगालैंड के मोन जिले के जनजातीय मुखिया ने रद्द करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने फ्री मूवमेंट रीजीम क्षेत्र को कम करने के फैसले को तुरंत रद्द करने की अपील की है। अंग (राजा) के 10वीं पीढ़ी के मुखिया टोन्येई फावांग ने कहा कि मोन जिले के दोनों ओर रहने वाले लोग कोन्याक नगा जनजाति से हैं और वे आपस में बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। उनके परिवार और रिश्तेदार दोनों देशों में बसे हुए हैं, और उनका रोजमर्रा का जीवन एक-दूसरे पर निर्भर करता है। अंग टोन्येई फावांग ने कहा, हम भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ नहीं चाहते। हमारे बीच खून का रिश्ता है, न कि सीमाएं। उन्होंने बताया कि उनके अधीन कुल 35 गांव हैं, जिनमें से 30 गांव म्यांमार में और 5 भारत में स्थित हैं। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 75,364.69
-930.67 -1.22% ↓

एनएसई :22,904.45
-345.65 (-1.49%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 27°

भारत की नदियों में रहने वाली 6,000 डॉल्फिनें संकट में

डॉल्फिनों का हो रहा शिकार, पर मदमस्त सरकार..!

भारत की सबसे लंबी और सबसे पवित्र नदी गंगा हजारों डॉल्फिनों का घर है। लेकिन उनका अस्तित्व खतरे में है। महाकुंभ के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डॉल्फिनों को लेकर अघा रहे थे और सरकारी दस्तावेज दिखा रहे थे। लेकिन वे इस तथ्य से कन्नी काट रहे थे कि गंगा की डॉल्फिनों को मारा जा रहा है। उनकी पोचिंग हो रही है और उनका तेल निकाला जा रहा है।

डॉल्फिन का शिकार उनके मांस और वसा के लिए किया जा रहा है, जिससे मछली पकड़ने के लिए चारा के रूप में तेल निकाला जाता है। कई बार, वे

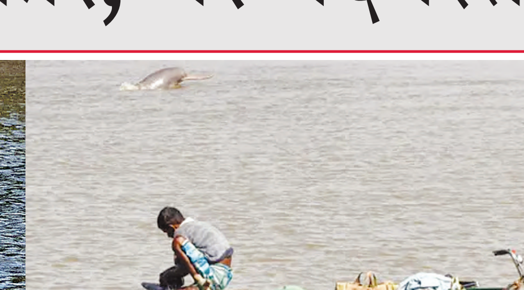

नावों से टकरा जाती हैं या मछली पकड़ने की रेखाओं में फंस जाती हैं और मर जाती हैं। वन्यजीव संरक्षण ट्रस्ट के नचिकेत केलकर ने बताया कि कई मछुआरे अक्सर कानूनी परेशानी के डर से डॉल्फिन की आकस्मिक मौतों की

शुभ-लाभ सरोकार

रिपोर्ट नहीं करते हैं। भारतीय वन्यजीव कानूनों के तहत, आकस्मिक या लक्षित डॉल्फिन की हत्या को शिकार माना जाता है और इसके लिए सख्त दंड का प्रावधान है। नतीजतन, कई गरीब मछुआरे जुर्माने से बचने के लिए चुपचाप शवों का निपटारा कर देते हैं।

भारत में नदी डॉल्फिन कभी-कभी मछली पकड़ने के जाल में फंस जाती हैं। पिछले दशक में भारत में नदी क्रूज पर्यटन में तेज़ी से वृद्धि हुई है, जिससे उनके आवास को और भी ज़्यादा ख़तरा पैदा हो गया है। गंगा और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियों पर दर्जनों क्रूज यात्राएं संचालित होती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि क्रूज से होने वाली गड़बड़ी डॉल्फिन पर गंभीर रूप से असर डाल रही है। डॉल्फिनें शोर के प्रति अत्यधिक संवेद-नशील होती हैं। जहाजों के बढ़ते आवागमन से गंगा की डॉल्फिन विलुप्त हो सकती हैं, ठीक वैसे ही जैसे चीन की यांग्त्जी नदी में बैजी डॉल्फिनों के साथ हुआ था। 1980 से अब तक कम से कम 500 डॉल्फिनें मर चुकी हैं।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

266वां भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस एवं भिक्षु दर्शन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सयंमलताजी के सान्निध्य में 266वां भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस एवं भिक्षु दर्शन कार्यशाला का भव्य आयोजन तेरापंथ सभा एवं तेरापंथ युवक परिषद द्वारा अशोका कन्वेंशन हॉल राजाजीनगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुआ।

भिक्षुश्रद्धा स्वर टीम राज-ाजीनगर, गांधीनगर एवं विजयनगर परिषद के सदस्यों द्वारा 266वें भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस के उपलक्ष्य में गीतिका की प्रस्तुति दी गई। भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा विजय गीत का संगान किया गया। दक्षिणांचल महासभा प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। तेरापंथ सभा राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का

स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए एवं भिक्षु स्वामी के प्रति अपनी अभ्यर्थना व्यक्त की। भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला के राष्ट्रीय सहप्रभारी राकेश पोखरना ने अपने विचार व्यक्त किये। साध्वी सयंमलताजी ने कहा सत्य की खोज हेतु आचार्य भिक्षु ने अभिनिष्क्रमण किया। संघर्षों के घेरे में भिक्षु ने गालियां एवं मुक्को को सहन कर सत्य के प्रति समर्पित रहे। आचार्य भिक्षु एक प्रकाश स्तंभ थे। नैसर्गिक प्रतिभा के धनी थे।

आचार्य भिक्षु अभिवृधी देने नहीं सत्य की उपलब्धि के लिए चले थे। कष्टों के झंझटों में सत्य रूपी सुगंध को फैलाने हेतु भिक्षु खड़े रहे, डटे रहे और सफलता को प्राप्त करते रहे। आज के दिन हम भिक्षु को सही रूप में समझें और नैतिकता व ईमानदारी से जीवन का निर्वाह करते हुए सत्य को प्राप्त करें। मुख्य वक्ता बजरंग जैन ने अपने अनुभवमय विचारों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि भिक्षु को जपने वाला जीवन के हर क्षेत्र में आगे बड़ता है। श्रद्धा समर्पण एवं भक्ति से भगवान की पूजा कर अपने सम्यकत्व को पुष्ट करता है।

भिक्षु का नामजप भिक्षु के पुदगलों को आकर्षित कर वी-तराग की ओर आगे बढ़ सकते हैं। साध्वी मार्दवश्रीजी ने इस कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए कहा की भिक्षु सत्य के पुजारी थे। सत्य के खातिर सर्वस्व त्याग कर अकेले संघर्षों के मार्ग पर चल पड़े और कारवा चलता गया और तेरापंथ का नाम अमर हो गया।

इस अवसर पर महासभा से प्रकाशचंद लोढा, सभा शाखा प्रभारी संजय बाठीया, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, यशवंतपुर सभा अध्यक्ष सुरेश बरडिया, हनुमंतनगर सभा अध्यक्ष गौतम दक, आभातेयुप कार्यकारिणी सदस्य रोहित कोठारी एवं श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

गुरु अमर संयम अमृत वर्ष के अंतर्गत अन्नदानम कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गुरु अमर संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में उप प्रवर्तक पंकजमुनि महाराज की प्रेरणा से राजाजीनगर श्री संघ के तत्व-ावधान में प्रति माह आयोजित अन्नदानम कार्यक्रम के छठे लाभार्थी परिवार के रूप में सुशीलाबाई पारसमल बोहरा परिवार ने लाभ लिया। राज-ाजीनगर संघ द्वारा प्रतिमाह आयोजित अन्नदानम कार्यक्रम में राजाजीनगर युवा, जिनेश्वर युवा मंडल व अन्य का सहयोग रहा। यह अन्नदानम का आयोजन गत वर्ष नवंबर माह से गतिमान है।

संघ की ओर से लाभार्थी परिवार की अनुमोदना की गई। इस मौके पर अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सह मंत्री राकेश दलाल, मिश्रीमल कटारिया, शांतिलाल चाणोदिया, पारसमल भलगट, महिला अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, राकेश लोढ़ा, नरेश लुंकड़, योगेश चौधरी, चेतन गन्ना, दिलीप बोहरा, मनीष बोहरा, डिम्पल बोहरा, आयुष भलगट, विशाल गांधी व अन्य की उपस्थिति रही।

चुन्नीलाल नाथोलिया अध्यक्ष व अनिल शर्मा सचिव बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक का चुनाव समाज कार्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें चुनाव अधिकारी पवन कुमार शर्मा ने सर्वसम्मति से एक बार पुनः नई कार्यकारिणी की घोषणा की। दूसरी बार वर्ष 2025 - 2027 के लिए चुन्नीलाल नाथोलिया को अध्यक्ष व अनिल शर्मा को सचिव नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष की टीम में बिमल सुरोलिया उपाध्यक्ष, दिनेश चंद उपाध्याय कोषाध्यक्ष,

महेश कुमार शर्मा उपसचिव, मुकेश शर्मा व संदीप नाथोलिया सह सचिव चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों में अशोक भुवानिया, मनोज कुमार शर्मा, विजय कुमार शर्मा, संदीप जोशी, मुकेश शर्मा, मधुसुदन शर्मा, रोहित शर्मा और अखिलेश मिश्रा शामिल हैं। उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। नए अध्यक्ष ने दूसरी बार जिम्मेदारी देने के लिए सभी समाज बंधुओं का आभार प्रकट किया।

बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर टोल फिर बढ़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर यातायात शुल्क फिर से बढ़ गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण ने टोल में 5 प्रतिशत की वृद्धि करके वाहन चालकों को चौंका दिया है। यह कार्रवाई भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एक्सप्रेसवे यातायात के लिए टोल दरों में प्रति वर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि करने के निर्णय के मद्देनजर की गई है। राजमार्ग संख्या 275 के बेंगलूरु-निडाघट्टा खंड पर सभी प्रकार के वाहनों पर टोल दर में पिछली दर की तुलना में 5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राजमार्ग विकास प्राधिकरण ने एक्सप्रेसवे यातायात के लिए 1 अप्रैल, 2023 से टोल दरें तय

की हैं। फिर, दो महीने की अवधि के भीतर, 1 जून, 2023 से इसे अचानक 22 प्रतिशत बढ़ा दिया गया, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया। बाद में प्राधिकरण के नियमों के अनुसार, प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से टोल दर में 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। अब टोल दरों में पुनः संशोधन किया गया है।

किसानों को चीनी मिलों द्वारा लगभग 700-800 करोड़ का भुगतान किया जाना बाकी: शिवानंद पाटिल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
चीनी और कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कर्नाटक में चीनी मिलों द्वारा किसानों को कुल गन्ना बकाया लगभग 700-800 करोड़ है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मिलों ने गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को लगभग 18,000 करोड़ का भुगतान किया है, जो कुल बिल का लगभग 95 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शेष बकाया राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। उन्होंने कहा गन्ना भारत में एक महत्वपूर्ण कृषि उत्पाद है, जिससे चीनी और इथेनॉल का उत्पादन किया जाता है। हालांकि, हमें नई तकनीक अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेती में आधुनिक विज्ञान को शामिल करने की जरूरत है और इसलिए प्रशिक्षित स्नातकों और स्नातकोत्तरों की जरूरत है। इसीलिए हमने एस. निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट में गन्ना और अल्कोहल प्रौद्योगिकी में एमएससी पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। बाद में उन्होंने बेलगावी में एस. निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट में एक सेमिनार का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इथेनॉल के अधिक उत्पादन और उपयोग पर ध्यान केंद्रित करके हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। यह एक पर्यावरण अनुकूल ईंधन है जो

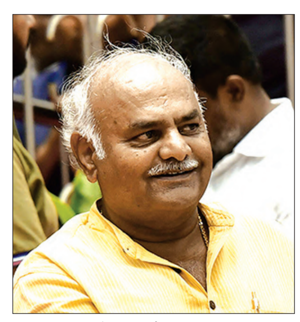

वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण को कम करता है। उन्होंने कहा यहां तक कि केंद्र सरकार भी हरित ऊर्जा के मिश्रण को बढ़ाने का लक्ष्य बना रही है। कर्नाटक में इथेनॉल का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य फसलों और वस्तुओं के मूल्य में निरंतर उतार-चढ़ाव की तरह गन्ने का मूल्य भी स्थिर नहीं है। यहां तक कि सोने का मूल्य भी स्थिर नहीं है। किसानों को बकाया भुगतान में देरी हो सकती है। सभी हितधारकों, किसानों, कारखाना श्रमिकों और प्रबंधन को कृषि पर मौसम की स्थिति के प्रभाव सहित ऐसी सभी समस्याओं का सामना करके अपनी आजीविका को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और ग्रामीण समृद्धि के लिए चीनी उद्योग और सहकारी संस्थाओं को मिलकर काम करना चाहिए। इस तरह के विकास से राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रौद्योगिकी को अपनाने से चीनी उद्योग में पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में वृद्धि संभव होगी। इससे देश के आर्थिक विकास में भी मदद मिलेगी। संगोष्ठी का आयोजन दक्षिण भारतीय गन्ना एवं चीनी प्रौद्योगिकीविद् संघ के सहयोग से किया गया। गन्ना विकास आयुक्त और चीनी संस्थान के निदेशक आर. रविकुमार, ट्रूअल्ट बायोए-नर्जी और एमआरएन समूह के निदेशक वाई.बी. रामकृष्ण, दक्षिण भारतीय गन्ना एवं चीनी प्रौद्योगिकीविद् संघ के अध्यक्ष चिन्नाप्पन, बीलागी शुगर फैक्ट्री के अध्यक्ष एस.आर. पाटिल, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक सीमा परोहा, दक्षिण भारतीय गन्ना एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जीतो बेंगलूरु ने किया जॉब फेयर का आयोजन

कंपनियों और उम्मीदवारों का उमड़ा सैलाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ और साउथ चैप्टर्स द्वारा संयुक्त रूप से बसवनगुड़ी स्थित इआईएमआर कैंपस में भव्य जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इस आयोजन के स्थल प्रायोजक इआईएमआर स्वयं रहे। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटने के साथ हुई, जिसका नेतृत्व जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया एवं साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने किया। उनके साथ नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, साउथ के नितिन लूनिया, एपेक्स सचिव भारती, मुख्य अतिथि अमन सेठिया (हेड ऑफ ट्रेजरी ग्रो) एवं गेस्ट ऑफ ऑनर सोनिया

जैन (सीनियर एचआर आईटीसी साउथ रीजन) सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। यह शुभारंभ प्रेरणा और उद्देश्य से भरपूर रहा। उद्घाटन समारोह में दोनों चेयरमैन ने सभी उपस्थित अतिथियों, नियोक्ताओं और प्रतिभागियों का हृदय से स्वागत किया तथा जीतो जॉब्स की इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रतिभा और अवसर के बीच सेतु बताया। मुख्य अतिथि अमन सेठिया और गेस्ट ऑफ ऑनर सोनिया जैन ने संगठित रोजगार मंचों की आवश्यकता और समुदाय एवं कॉर्पोरेट जगत के बीच मजबूत सहयोग की बात कही।

महामंत्री विजय सिंघवी और नितिन लूनिया ने इसे युवाओं को सशक्त बनाने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया। एपेक्स सेक्रेटरी भारती ने जीतो जॉब्स के भविष्य और योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इसके उपरांत साउथ चैप्टर के कन्वीनर राजेश भंसाली एवं नॉर्थ चैप्टर के कन्वीनर राकेश पोखरणा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और इस आयोजन की अवधारणा, उद्देश्य तथा व्यापकता को साझा किया।

इआईएमआर की ओर से एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने भी संस्था की ओर से प्रसन्नता व्यक्त की और सामुदायिक पहलों में निरंतर यो-गदान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का समापन को-कन्वीनर शुभम भंडारी और प्रवीण गन्ना के धन्यवाद भाषण के साथ हुआ, जिसके पश्चात जॉब फेयर विधिवत रूप से आरंभ हुआ। दिनभर चले इस जॉब फेयर में 250 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया और 28 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा 1000 से अधिक इंटरव्यू आयोजित किए गए। अनेक उम्मीदवारों का तत्काल चयन हुआ, जबकि कई भर्ती प्रक्रिया अगले चरणों में अग्रसर है। इस सफल आयोजन के मुख्य स्तंभ नॉर्थ चैप्टर से राकेश पोखरणा एवं प्रवीण गन्ना और साउथ चैप्टर से राजेश भंसाली एवं शुभम भंडारी रहे। इनके अलावा ऋषभ सिंघवी, ध्वज छाजेड़, अदिति सिंघवी, तरुण, विकास, अभय कतरेला, भरत, मीना बरलोटा, स्वीटी नाहर, तरुणा मेहता एवं अर्पिता लाडानी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कर्नाटक भोवी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का पूर्व जीएम गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को कहा कि उसने कर्नाटक भोवी विकास निगम (केबीडीसी) के पूर्व महाप्रबंधक को विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन मामले में तलाशी के बाद गिरफ्तार किया है। बी के नागराजप्पा को 5 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि बेंगलूरु में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने उन्हें 14 दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। धन शोधन का मामला कर्नाटक पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर से उपजा है, जिसमें केबीडीसी से 97 करोड़ रुपये के फंड के दुरुपयोग और डायवर्जन के आरोप लगाए गए हैं, जो भोवी समुदाय के कल्याण के लिए है, जो कर्नाटक की अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल है। ईडी ने 4 अप्रैल को मामले में विभिन्न आरोपियों के खिलाफ और बेंगलूरु में वी वी टॉवर स्थित केबीडीसी के कार्यालय में तलाशी ली। इसने आरोप लगाया कि नागराजप्पा भोवी समुदाय के एजेंटों द्वारा प्रदान किए गए फर्जी लाभार्थियों के बैंक खातों का उपयोग करके केबीडीसी से धन के डायवर्जन में महत्वपूर्ण थे। एजेंसी ने दावा किया अन्य संदिग्धों/आरोपियों की मिलीभगत से उसके सहयोगियों के नाम पर गठित संस्थाओं के माध्यम से धन को और अधिक स्तरीकृत किया गया तथा उसे वैध बनाया गया। ईडी के अनुसार आरोपी केबीडीसी खातों से धन को फर्जी संस्थाओं और लाभार्थियों के खातों में डायवर्ट करने में कामयाब रहे तथा उन्हें आरोपी के मित्रों और परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित कर दिया गया। ईडी ने दावा किया कि कई बैंक खाते खोले गए तथा नागराजप्पा और अन्य सह-आरोपियों द्वारा बहुत ही सुनियोजित और अचूक कार्यप्रणाली अपनाकर कई लाभार्थियों या इच्छित लाभार्थियों को धोखा दिया गया। एजेंसी की जांच में पाया गया कि पूर्व जीएम ने अपराध की आय अर्जित की तथा फर्जी खातों का उपयोग करके उसे स्तरीकृत किया तथा इस उद्देश्य के लिए बनाई गई फर्जी संस्थाओं के माध्यम से अपने मित्रों और परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में धन को एकीकृत किया। ईडी ने छापेमारी के दौरान दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और संपत्तियों का विवरण जब्त किया।

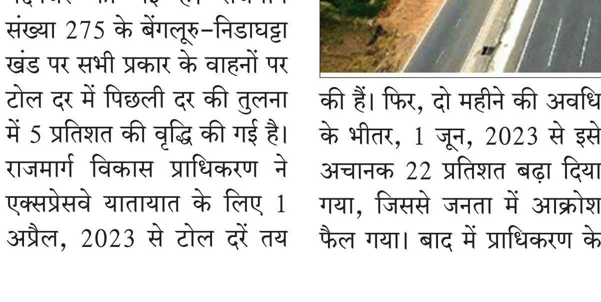

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा रामनवमी के उपलक्ष में हंपी नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके छाछ पानका वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा भगवान श्री राम हमारे हृदय में बसते हैं, हमारे संस्कारों में बसते हैं। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

कांग्रेस नेतृत्व ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को पद पर बने रहने को कहा?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सत्ता संघर्ष और कलह फिलहाल थम गई है, क्योंकि पार्टी हाईकमान ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में बने रहने को कहा है। कांग्रेस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। शिवकुमार मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ पिछले गुरुवार और शुक्रवार को नई दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर थे, जहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

यह मुलाकात इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिवकुमार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के लिए अभियान शुरू हो गया है। सिद्धरामैया खेमे के माने जाने वाले कई विधायक और मंत्री चाहते हैं कि शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख के पद से हट जाएं। वे 'एक व्यक्ति, एक पद' की पार्टी नीति का सख्ती से पालन करने की मांग कर रहे हैं। चूंकि शिवकुमार राज्य के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष हैं, इसलिए पार्टी में उनके प्रतिद्वंद्वी उन्हें हटाने की मांग कर

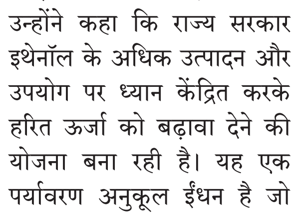

रहे हैं। तर्क यह भी है कि मंत्री पद पर बैठा व्यक्ति प्रदेश अध्यक्ष के पद के साथ न्याय नहीं कर सकता, क्योंकि वह पार्टी कार्यकर्ताओं को मिलने का समय नहीं दे सकता। सूत्रों ने बताया कि पार्टी आलाकमान शिवकुमार के पार्टी में विशेष योगदान, खासकर विधानसभा चुनाव जीतने, लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने और तीनों विधानसभा उप-चुनाव जीतने को देखते हुए उन्हें बदलने के लिए उत्सुक नहीं है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा पार्टी आलाकमान कम से कम इस साल नवंबर और दिसंबर तक शिवकुमार को बदलने के लिए इच्छुक नहीं है। ऐसी खबरें हैं कि एक गुप्त समझौते के तहत सिद्धरामैया कर्नाटक में कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल के पहले आधे हिस्से की कमान संभालेंगे, जिनकी जगह शिवकुमार लेंगे। न तो सिद्धरामैया और न ही शिवकुमार ने इसकी पुष्टि की है, लेकिन पार्टी में उनके समर्थक मंत्रियों और विधायकों ने अपने नेताओं के लिए पैरवी शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल में फेरबदल, एमएलसी चुनाव और मंत्रियों और विधायकों पर हनी ट्रैप के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उनके अनुसार, मंत्रिमंडल में फेरबदल की अभी कोई संभावना नहीं है। पार्टी के एक अन्य पदाधिकारी ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान ने एमएलसी चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन का काम सिद्धरामैया और शिवकुमार पर छोड़ दिया है। हनी ट्रैप मुद्दे के बारे में कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी इस मुद्दे को उठाए जाने के तरीके से नाराज हैं। गांधी का मानना था कि विधानसभा के अंदर इस मुद्दे पर चर्चा नहीं होनी चाहिए थी, खासकर सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना द्वारा। राजन्ना ने कर्नाटक विधानसभा के अंदर इस मुद्दे को उठाया था।

वक्फ विधेयक से संपत्तियों के दुरुपयोग और अतिक्रमण पर लगेगी लगाम: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने शनिवार को आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों का व्यापक पक्षपात और दुरुपयोग हो रहा है, और कई संपत्तियों पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया है, जिसका उद्देश्य वक्फ प्रणाली में आवश्यक बदलाव लाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधेयक मुस्लिम विरोधी नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने छह महीने की गहन चर्चा और संयुक्त संसदीय समिति के गठन के बाद यह सुनिश्चित किया था कि विधेयक संवैधानिक रूप से पेश किया जाए। जोशी ने संवाददाताओं से कहा केंद्र सरकार ने गहन विचार-विमर्श और वक्फ प्रणाली में आवश्यक बदलाव लाने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया है। यह मुस्लिम विरोधी नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने विधेयक को असंवैधानिक रूप से पेश नहीं किया है। यह संशोधन छह महीने के विस्तृत विचार-विमर्श और चर्चा के बाद ही पेश किया गया है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति का गठन भी शामिल है। जोशी ने विधेयक का विरोध करने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए दावा किया कि उनकी आपत्ति राजनीतिक परिणामों के डर से प्रेरित थी। सोनिया गांधी लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती हैं। उनके 'राजकुमार' राहुल गांधी ने पहले भी एक विधेयक को फाड़ दिया था। इस तरह का रवैया लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति उनकी अवमानना को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं को भी उजागर किया। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में हिंदुओं की संपत्तियों को गलत तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है और इसके विपरीत भी। जोशी ने कहा वक्फ बोर्ड पारदर्शिता या जवाबदेही के बिना काम कर रहा है। कई मुस्लिम घरों को गलत तरीके से वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। इसी तरह, हिंदुओं की संपत्तियों को भी गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने पुराने हुब्बल्ली, विजयपुरा, हावेरी, धारवाड़ और अन्य क्षेत्रों में इस तरह के गलत वर्गीकरण के उदाहरण दिए, जहां किसानों की जमीनों को भी कथित तौर पर वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। जोशी ने कहा, पुराने हुब्बल्ली में कई मुस्लिम घरों को वक्फ संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। विजयपुरा, हावेरी, धारवाड़ और अन्य जगहों पर किसानों की जमीन भी वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित की गई है। इन सबकी सावधानीपूर्वक समीक्षा करने के बाद गरीबों की रक्षा और सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए विधेयक लाया गया है। जोशी ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता के महत्व पर भी जोर दिया, खासकर कर्नाटक में, जहां वक्फ भूमि लगभग 54,000 एकड़ में फैली हुई है। उन्होंने बताया कि अगर इन जमीनों का प्रबंधन सही तरीके से किया जाए, जैसा कि सच्चर समिति की रिपोर्ट में सुझाया गया है, तो वे महत्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं। जोशी ने सवाल किया अगर सच्चर समिति की रिपोर्ट के अनुसार इसका सही तरीके से प्रबंधन किया जाए, तो इससे 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हो सकता है। वह राजस्व कहां है? उन्होंने वक्फ बोर्ड पर इन संपत्तियों के घोर दुरुपयोग का आरोप लगाया।

दुरुपयोग की सीमा को दर्शाता है

हाल ही में एक भाजपा कार्यकर्ता की आत्महत्या के जवाब में जोशी ने कांग्रेस द्वारा सत्ता के कथित दुरुपयोग की निंदा की और दावा किया कि सोशल मीडिया पोस्ट पर एफआईआर दर्ज करना इस दुरुपयोग की सीमा को दर्शाता है। अगर सिर्फ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एफआईआर दर्ज की जा रही है, तो यह कांग्रेस द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की हद को दर्शाता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले भी हमारे खिलाफ चीजें पोस्ट की हैं – क्या हमने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की?

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय कर्नाटक में शनिवार शाम को गर्मियों की बारिश देखने को मिली, जब दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया। मेंगलूरु शहर में दिन की शुरुआत बादलों से हुई, जिसके बाद शाम को बारिश हुई, जबकि पुत्तुर, बालनाडु, बेट्टामपडी, बदागन्नूर, कडाबा, अलंकारू, उप्पिनंगडी, हिरेबंडाडी, बेल्टंगडी, बंडारू, करिक्कल, सुल्लिया, पुनाचा, बयारू, बंटवाल और आसपास के इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सुबह बादल छाए रहने के बावजूद मेंगलूरु में पूरे दिन उमस भरी स्थिति बनी रही। शहर में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग ने 6 और 7 अप्रैल के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें तटीय इलाकों में और अधिक आंधी-तूफान और बारिश की भविष्यवाणी की गई है। सुल्लिया तालुक में पंजा, निंटिकल्लू, कलमडका, करिक्कल, कुक्के सुब्रह्मण्य, कुलकुंडा, कैकम्बा और बिलिनेले सहित कई इलाकों में शनिवार दोपहर को भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। सुल्लिया शहर में दिनभर बादल छाए रहे और बीच-बीच में बूंदाबांदी भी हुई। नेल्लिककट्टे के पास गेरुकाट्टे खंडा में बारिश से जुड़ी एक घटना में तेज हवाओं के कारण एक विशाल पेड़ ऑटो रिक्शा पर गिर गया। सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि वाहन को काफी नुकसान हुआ।

झूठे बलात्कार के आरोप की धमकी देकर वकील से जबरन वसूली

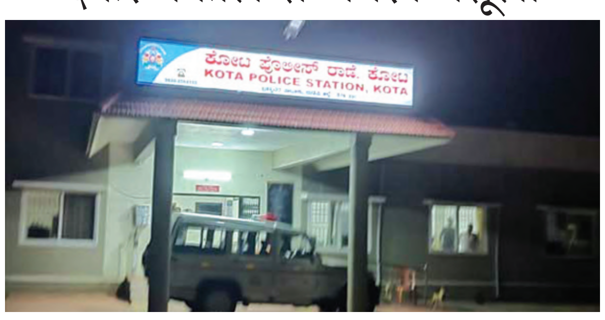

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक चौंकाने वाली घटना में, दो व्यक्तियों पर एक वकील के खिलाफ झूठा बलात्कार का मामला दर्ज करने की धमकी देकर उससे पैसे ऐंठने का आरोप लगाया गया है।

कुंडापुर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में प्रैक्टिस करने वाले और कोटा में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम सुंदर नैरी के सहायक के रूप में काम करने वाले वकील नील ब्रायन परेरा ने देवेंद्र सुवर्णा और मूकम्बू उर्फ मूकम्बिका नामक एक महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, घटना जनवरी 2023 की है, जब देवेंद्र सुवर्णा कानूनी मामले पर चर्चा करने के बहाने मूकम्बिका को नील के कार्यालय में लेकर आए थे। यात्रा के दौरान, मूकम्बिका ने कथित तौर पर मामले पर आगे की चर्चा के लिए नील का मोबाइल नंबर प्राप्त किया।

इसके बाद, देवेंद्र और मूकम्बिका दोनों कार्यालय लौट आए और कथित तौर पर नील से 50,000 रुपये की मांग की। उन्होंने कथित तौर पर ग्राफिक्स तकनीक का उपयोग करके बलात्कार का आरोप गढ़ने और न मानने पर उसकी प्रतिष्ठा को नष्ट करने की धमकी दी। शिकायत में आगे कहा गया है कि नील को बार-बार धमकियाँ दी गईं, जिसमें गुंडों के जरिए डराना-धमकाना भी शामिल था, और अंततः दबाव में आकर उसे 18,000 रुपए देने के लिए मजबूर किया गया। कोटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

महंगाई के खिलाफ भाजपा की जनआक्रोश यात्रा आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा है कि सोमवार से कांग्रेस के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश शुरू किया जाएगा, जिसमें राज्य सरकार की प्रशासनिक विफलता की निंदा की जाएगी, जिसमें मूल्य वृद्धि, कानून और व्यवस्था का बिगड़ना और हिंसा के बढ़ते मामले शामिल हैं। यह मुकाबला मैसूरु में भूमि देवी चामुंडेश्वरी की पूजा के बाद दोपहर में शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी इस संघर्ष की शुरुआत करेंगे। मल्लेश्वरम स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित भाजपा के 45वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हम सभी जिला केन्द्रों पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने गरजकर कहा कि जब तक सरकार का पर्दाफाश नहीं हो जाता, वे चैन से नहीं बैठेंगे। पार्टी कार्यकर्ता विनय सोमैया ने आत्महत्या नहीं की। यह एक सुनियोजित हत्या का मामला है। सरकार उपदेश देने का बहुत अच्छा काम कर रही है। दोषियों का नाम तुरंत एफआईआर में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मामले को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाए। मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं विधायक ए.एस. पोन्नन्ना ने दिखाया है कि जब सत्ता की लालसा और क्रोध बढ़ता है तो क्या हो सकता है। वे इसे छिपाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि अगर उनका नाम एफआईआर में शामिल हो गया तो उन्हें कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हम कानूनी तरीके से लड़ेंगे।

उन्होंने कसम खाई कि जब तक मामला सीबीआई को नहीं सौंप दिया जाता, वे शांत नहीं बैठेंगे। विनय सोमैया मामले में विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। कांग्रेस सत्ता के अहंकार में बयानबाजी कर रही है। हर कोई जानता है कि इसके पीछे कौन सी बुरी ताकतें हैं। उन्हें अवश्य दण्डित किया जाना चाहिए। हम कानून से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह कानूनी विशेषज्ञों के साथ अगली लड़ाई पर चर्चा करेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जब भी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कुर्सी हिलती है तो उन्हें आंतरिक मतभेद की याद आ जाती है। जब भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ती है तो कांग्रेसियों को कोविड जैसी रिपोर्ट याद आती है। उन्होंने जवाब दिया कि हम सरकार की ऐसी धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। येदियुरप्पा का बेटा होने से ज्यादा मैं एक वफादार भाजपा कार्यकर्ता हूं।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में जिम्मेदारी संभालने पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक सी.टी. रवि ने कहा कि हत्या करके राजनीति करना कांग्रेस की नीति है। क्या संतोष पाटिल और रोहित की मृत्यु के समय वे राजनीति में शामिल नहीं थे? आज भी वे आरएसएस पर आरोप लगा रहे हैं। क्या यह सच है कि विनय सोमैया ने डेथ नोट लिखा है? अगर भाजपा की सरकार हो और उसमें भाजपा के किसी विधायक का नाम लिखा हो और कांग्रेस कार्यकर्ता मर जाए तो क्या वे धरती-आसमान एक नहीं कर देंगे? उन्होंने झूठी शिकायत दर्ज कराई और मुझे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने गरजते हुए कहा कांग्रेस कब तक अहंकारी राजनीति करती रहेगी? कोविड अनियमितताओं की रिपोर्ट पर भड़के रवि ने कहा कि सरकार को सत्ता में आए दो साल हो गए हैं। आपने कितने लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है? आपने कितने लोगों को गिरफ्तार किया है? उन्होंने कहा था कि अगर वे सत्ता में आए तो भाजपा का 40 प्रतिशत पैसा इसमें डाल देंगे। आपने पैसा कहां जमा किया? मुझे बताइए, कांग्रेस का कौन सा विधायक दुकान खोलकर नहीं बैठा है? मैं एक किसान का बेटा हूँ। वहाँ एक कॉफी बागान है। क्या मैंने तुम्हें आलू से सोना उगाना सिखाया? जब वे सत्ता में नहीं होते हैं तो आलू की जगह सोना उगाते हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि वह राज्य के लोगों को बताएंगे कि स्थिति कैसी है।

पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर राजनीति

इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इस दुखद घटना का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया है। बेंगलूरु में विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी की, जिसमें आत्महत्या से संबंधित एफआईआर में दो कांग्रेस विधायकों के नाम शामिल करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा भाजपा अपने पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर राजनीति कर रही है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच कर रही है। मैं इस मामले के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बोलूंगा। जांच पूरी होने के बाद, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी और भाजपा की कार्रवाई को बड़ी राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने भाजपा के दृष्टिकोण की आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि वह न्याय पर केंद्रित नहीं है, बल्कि राजनीतिक तनाव को बढ़ावा दे रही है। स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने कहा बीजेपी ने पहले के दो या तीन मामलों में इसी तरह की प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने डिप्टी एसपी आत्महत्या मामले में मंत्री के जे जॉर्ज को भी बिना किसी कारण के निशाना बनाया था, और बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। यह उनका ट्रैक रिकॉर्ड है। पाटिल की टिप्पणियों ने पिछली घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जहां बीजेपी ने बिना सबूत के इसी तरह के आरोप लगाए थे।

भाजपा की स्थापना कई महान लोगों के कठिन परिश्रम, त्याग और बलिदान का परिणाम: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि भाजपा की स्थापना के पीछे कई महान लोगों की कड़ी मेहनत, त्याग और निस्वार्थता छिपी है।

उन्होंने कहा कि आज ऐसे महान लोगों को याद करने का काम हुआ। भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने रविवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय ''जगन्नाथ भवन'' में ध्वज-रोहण किया तथा एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा बाद में एक जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा हमारी पार्टी का नेतृत्व श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे सशक्त नेता कर रहे हैं, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी में दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे मजबूत नेतृत्व रहे।

पार्टी कई वरिष्ठ नेताओं की तपस्या और कड़ी मेहनत से आगे बढ़ी है। येदियुरप्पा, अनंत कुमार, शंकरमूर्ति और वी.एस. आचार्य सहित कर्नाटक के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा को सफलतापूर्वक संगठित किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी भाजपा गैर-कांग्रेसी पार्टी है जो आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। उन्होंने सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं भी दीं।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी.सी. मोहन, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के.पी. मोहन, कार्यक्रम समन्वयक एवं विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी, महानगर अध्यक्ष हरीश, सप्तगिरि गौड़ा एवं पार्टी नेता मौजूद थे।

पार्टी संगठन के लिए कुमारस्वामी पुराने मैसूरु क्षेत्र के 15 जिलों का करेंगे दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने घोषणा की है कि वह पार्टी संगठन के लिए पुराने मैसूरु क्षेत्र के 15 जिलों का दौरा करेंगे। मैं प्रत्येक जिले का एक दिन दौरा करूंगा। मैं वह दिन कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बिताऊंगा। मैं व्यक्तिगत रूप से उनकी मांगों और समस्याओं को सुनूंगा। मैं उनकी समस्याएं ठीक कर दूंगा। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही यात्रा की तारीख तय करेंगे। उन्होंने यह जानकारी बेंगलूरु महानगर में जेडीएस पार्टी को मजबूत करने, तालुका व जिला पंचायत चुनाव की तैयारी करने तथा जनविरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ सतत जनांदोलन बनाने के संबंध में अपने आवास पर आमंत्रित नेताओं के साथ बैठक में दी। उन्होंने निष्क्रिय जिला अध्यक्षों को बदलने, रिक्त जिला अध्यक्ष पदों को भरने तथा सदस्यता पंजीकरण की प्रगति के संबंध में भी नेताओं के साथ महत्व-पूर्ण चर्चा की। उन्होंने पार्टी नेताओं को राज्य कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के भी सख्त निर्देश दिए। पार्टी को बिजली, पानी, बस किराया, दूध, दही और डीजल की कीमतों में वृद्धि को लेकर जनता की ओर से संघर्ष करना चाहिए। हमारा प्राथमिक कर्तव्य लोगों की कठिनाइयों का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि किसी को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल में मुझे जो अवसर मिला है उसका उपयोग प्रधानमंत्री की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने के लिए करने का प्रयास कर रहा हूं। मैं अच्छा काम करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। मैं केंद्र में काम करने के बाद पार्टी संगठन के लिए समय निकालूंगा। उन्होंने हर कार्यकर्ता और नेता तक पहुंचने का वादा किया है। मैं पिछले चुनाव में 40-50 हजार वोट पाने वाले प्रत्याशियों में जोश भरने का काम करूंगा। मैं उन्हें अगले चुनाव के लिए तैयार करूंगा। उन्होंने कहा कि वह संगठन को जमीनी स्तर से मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। जिला पंचायत और तालुका पंचायत चुनावों के लिए तुरंत तैयार हो जाइए और उन निर्वाचन क्षेत्रों की सूची बनाइए जहां हम जीतेंगे। जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों के प्रति अधिक समर्पण के साथ कार्य करें। मैं दिन-रात काम करने के लिए तैयार हूं। संगठन में युवाओं को अधिक श्रेय दें, युवाओं के बिना आप पार्टी कैसे बना सकते हैं। उनका मार्गदर्शन करें।

बाइक दुर्घटना में यक्षगान कलाकार की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के अराटे पुल के पास शनिवार रात एक मशहूर यक्षगान कलाकार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान नारायण पुजारी (40) के रूप में हुई है, जो हत्तियांगडी मंडली के मुख्य मडले (पर्क्यूशन) कलाकार थे, जो पारंपरिक कला के प्रति अपने समर्पण और योगदान के लिए जाने जाते थे। हत्तियांगडी मंडली को शिरुर के थुडाल्या में प्रदर्शन करना था। हालांकि, भारी बारिश के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। कार्यक्रम रद्द होने के बाद नारायण पुजारी अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। अराटे पुल पर मरम्मत कार्यों के कारण अस्थायी रूप से एकतरफा यातायात लागू किया गया था। इस दौरान हुई अफरा-तफरी में नारायण पुजारी, यातायात के बदले हुए पैटर्न से अनजान थे और कथित तौर पर बैरिकेड के रूप में रखे गए मिट्टी के ढेर से टकरा गए। उन्होंने अपने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और दुखद रूप से घायल हो गए। इस पुल पर यह चौथी घातक दुर्घटना है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। कुंडापुर यातायात पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

शिवकुमार और डॉ. मंजूनाथ ने एक ही मंच पर आकर ध्यान किया आकर्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और बेंगलूरु ग्रामीण सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने लोकसभा चुनाव के बाद एक मंच पर आकर ध्यान आकर्षित किया है।

शिवकुमार ने कनकपुरा में ग्रामीण शिक्षा सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एस. करिअप्पा के 121वें जन्मदिन समारोह के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। डी.के. शिवकुमार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें अपने पास बैठाया। बाद में दोनों नेताओं को बातचीत करते, एक-दूसरे के आपसी हितों के बारे में पूछते और चुटकुले सुनाते देखा गया। मंच पर पहुंचते ही डी.के. शिवकुमार ने मंजूनाथ को अपने मोबाइल फोन पर कुछ जानकारी दिखाई और विस्तृत स्पष्टीकरण दिया। यह देखा गया कि मंजूनाथ ने इसमें बहुत रुचि दिखाई और सब कुछ ध्यान से सुना। बाद में, मंजूनाथ और डी.के. शिवकुमार वाणिज्यिक परिसर के उद्घाटन, एस. करिअप्पा की डॉक्यूमेंट्री के विमोचन और प्रदर्शनी के अवसर पर मंच पर एक साथ बैठे थे। मंच पर दोनों के बीच काफी देर तक चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मंजूनाथ ने डी.के. शिवकुमार के भाई डी.के. सुरेश को हराया था। डी.के. शिवकुमार ने हार पर कई बार असंतोष व्यक्त किया है। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सदस्य कुपेंद्र रेड्डी, शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख श्रीकांत, विधायक इकबाल हुसैन, विधान परिषद सदस्य एस. रवि, सुधम दास आदि शामिल हुए।

सरकार ऐतिहासिक आक्रमणकारियों जैसे मुहम्मद गौरी, मुहम्मद गजनी के हाथों में: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ऐतिहासिक आक्रमणकारियों जैसे मुहम्मद गौरी, मुहम्मद गजनी और मलिक काफूर के हाथों में है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार की अवैध गतिविधियों और भ्रष्टाचार के कारण राज्य विनाश के कगार पर है। हमारा राज्य विनाश के कगार पर है। इस सरकार की अवैधता, लूट और डकैती ने हमें इस मुकाम पर पहुंचा दिया है। मुहम्मद गजनी, मुहम्मद गौरी और मलिक काफूर राज्य पर शासन कर रहे हैं। वे विधान सौधा की तीसरी मंजिल पर बैठे हैं।

कुमारस्वामी ने कर्नाटक की राजनीति में सत्ता के बढ़ते दुरुपयोग की ओर भी इशारा किया। उन्होंने याद किया कि कैसे चार दशक पहले उन्होंने 46 एकड़ जमीन खरीदी और ईमानदारी से उस पर खेती की। उन्होंने मौजूदा हालात पर निराशा जताते हुए दावा किया पिछले चार दशकों में ऐसी घृणित राजनीति और अधिकारियों का दुरुपयोग कभी नहीं हुआ। यह बयान कर्नाटक सरकार द्वारा 18 मार्च को घोषित किए जाने के बाद आया है कि कुमारस्वामी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने में शामिल थे, जिसके कारण उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई। उन्होंने आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया और सरकार से उनके नाम को बदनाम करना बंद करने की मांग की। उन्होंने कहा अगर अतिक्रमण है, तो कार्रवाई करें। लेकिन मेरा नाम बदनाम न करें। मैं झुकूंगा नहीं।

कुमारस्वामी ने आगे आरोप लगाया कि सरकार केतगनहल्ली में किसानों से बिक्री के कागजात एकत्र करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है, जिसका कथित उद्देश्य उन्हें फंसाना है। उन्होंने अपने खिलाफ की गई कार्रवाई की ईमानदारी पर सवाल उठाते हुए पूछा क्या राज्य के इतिहास में कभी ऐसा हुआ है? केंद्रीय मंत्री ने पिछड़े समुदायों के कल्याण के बारे में राज्य सरकार के दावों पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा 2016-17 में शुरू की गई नीति का हवाला देते हुए कुमारस्वामी ने पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने आग्रह किया सिद्धरामैया, आप ओबीसी, एससी और एसटी का उत्थान करने का दावा करते हैं - आंकड़े जारी करें। दिखाएं कि वास्तव में कितने परिवारों को लाभ हुआ है। एक श्वेत पत्र प्रकाशित करें। कुमारस्वामी ने सरकारी निविदाओं में अल्पसंख्यकों के लिए 4 प्रतिशत कोटा लागू करने के सरकार के हालिया फैसले की भी आलोचना की और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। हाल ही में एक भाजपा कार्यकर्ता की आत्महत्या पर टिप्पणी करते हुए कुमारस्वामी ने सरकार की चुनिंदा कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने दावा किया अगर भाजपा या जेडी(एस) के कार्यकर्ता सरकार की आलोचना करते हुए कुछ भी पोस्ट करते हैं, तो उन्हें पुलिस स्टेशन बुलाया जाता है। यह वास्तविकता है। उन्होंने सरकार पर विपक्षी पार्टी के सदस्यों को निशाना बनाने और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा इसी तरह की कार्रवाई पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बेंगलूरु की कचरा निपटान प्रणाली का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने शुरू में कचरा निपटान के लिए 6,000 रुपये प्रति टन की दर से 30 साल का अनुबंध करने की योजना बनाई थी। उन्होंने दावा किया कि चिंता जताने के बाद दर घटाकर 3,000 रुपये प्रति टन कर दी गई और टेंडर वापस ले लिया गया। उन्होंने कहा वे क्या करने की कोशिश कर रहे थे? मैंने विवरण मांगा था, लेकिन आज तक नहीं मिला। कुमारस्वामी की टिप्पणी कर्नाटक में चल रहे जल विवाद, खासकर कावेरी नदी के मुद्दे पर थी। उन्होंने सरकार पर करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल बांध बनाने में करने और तमिलनाडु को पानी छोड़ने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा हम कन्नड़ लोग दूसरे राज्यों के लिए पानी ढोने का काम कर रहे हैं। कावेरी मुद्दे पर हमारे साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक लोग एकजुट नहीं होंगे, राज्य को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने दुख जताते हुए कहा पानी से जुड़े मामलों में भी कन्नड़ लोगों में एकता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने मेकेदातु परियोजना को लेकर राज्य के रवैये पर भी टिप्पणी की और इस मुद्दे पर सरकार के दोहरे रुख की आलोचना की। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बयानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा शिवकुमार कह रहे हैं कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके के साथ हमारा रिश्ता राजनीति तक सीमित है। हमने मेकेदातु के संबंध में उनके साथ कोई राजनीतिक समझौता नहीं किया है। उन्होंने राज्य के भविष्य के लिए एकता के महत्व पर भी बात की, खासकर बेंगलूरु की बढ़ती आबादी के साथ।

व्हीलचेयर पर उच्च सदन आते हैं

उन्होंने कहा, बेंगलूरु में बढ़ती आबादी के साथ, ऐसा समय आ सकता है जब भले ही हम केआरएस बांध से सारा पानी छोड़ दें, लेकिन यह राजधानी शहर की पेयजल जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इसलिए हमने दूरदर्शिता के साथ मेकेदातु परियोजना शुरू की। कुमारस्वामी ने इस अवसर पर अपने पिता, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के कर्नाटक की सिंचाई परियोजनाओं में योगदान को भी उजागर किया, जिसमें कावेरी और कृष्णा नदी घाटियों से संबंधित परियोजनाएं भी शामिल हैं। उन्होंने राज्य के कल्याण के लिए अपने पिता के समर्पण को रेखांकित करते हुए कहा 93 साल की उम्र में भी देवेगौड़ा हमारी सिंचाई परियोजनाओं के लिए लड़ने के लिए व्हीलचेयर पर उच्च सदन आते हैं। कोई भी इसे न भूलें।

एनएच 66 पर जंक्शनों पर जेब्रा क्रॉसिंग स्थापित की गई

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां महेश अस्पताल जंक्शन पर ब्रह्मवार ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल उपाय के रूप में, एनएचएआई प्राधिकरण ने जेब्रा क्रॉसिंग स्थापित की है।

शहर के दो प्रमुख ब्लैक स्पॉट महेश अस्पताल जंक्शन और एसएमएस चर्च के पास सफेद हाइलाइटेड पेंट के साथ जेब्रा क्रॉसिंग स्थापित की गई है।

शनिवार को तहसीलदार ने डीएसपी के साथ मौके का निरीक्षण किया था। अधिकारियों की टीम ने ब्रह्मवार के प्रमुख जंक्शनों और इन बिंदुओं पर दुर्घटनाओं के प्रभाव के बारे में जानकारी एकत्र की थी।

इन जेब्रा क्रॉसिंग का उद्देश्य प्रमुख जंक्शनों पर वाहनों की गति को कम करना है ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। गठित तकनीकी समिति 7 अप्रैल को व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और जिला आयुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग बैठक 8 अप्रैल को होगी।

सुपारी की खेती को बचाने के लिए किसान किराये के टैंकरों का ले रहे सहारा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। दावणगेरे के किसान चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे हैं, क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण बोरवेल में पानी का स्तर काफी कम हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके सुपारी के बागानों के लिए पानी की कमी हो गई है। अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए किसान अब पानी के टैंकर किराए पर ले रहे हैं। पानी की कमी गंभीर होने के कारण, सुपारी उत्पादक अपने खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए टैंकर किराए पर लेने के लिए अधिक कीमत चुकाने को मजबूर हैं। विशेष रूप से जिले के चन्नागिरी और मायाकोंडा क्षेत्रों में, कई खेतों को अपनी सुपारी की फसलों को बनाए रखने के लिए टैंकर का पानी मिल रहा है। चिक्कागंगुर, कोराटिकेरे, हिरेगंगुर, शेट्टीहल्ली लक्ष्मीसागर, यारागट्टीहल्ली, मदापुर, अकलाकट्टे, होडिगेरे, वी. रामायणहल्ली और कांचीगनल जैसे विभिन्न गांवों में भूजल स्तर तेजी से कम हो रहा है। किसानों के पास अन्य किसानों से पानी खरीदने और किराए के टैंकरों का उपयोग करके अपने कृषि गड्ढों को भरने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। कुछ लोग अपने पौधों को कुशलतापूर्वक पानी देने

के लिए ड्रिप सिंचाई का भी उपयोग कर रहे हैं। किसान एक टैंकर पानी के लिए 3,000 से 4,000 रुपये तक का भुगतान कर रहे हैं। रामनगर और मायाकोंडा क्षेत्रों में सिंचाई के लिए अपने टैंकरों का उपयोग करने के लिए 500 से 600 रुपये खर्च कर रहे हैं। संवाददाता से बात करते हुए किसान अंजिनप्पा पूजार ने दुख जताते हुए कहा, हमारे पास कुछ एकड़ जमीन है, और हमारे जैसे छोटे किसान गंभीर रूप से प्रभावित हैं। बड़े किसानों को यह कठिनाई नहीं हो रही है। बढ़ती गर्मी के कारण, हमें अपनी फसलों को बचाने के लिए टैंकर का पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हम पानी लाने के लिए 500 से 600 रुपये का भुगतान करके टैंकर किराए पर लेते हैं। हम अपने टैंकरों को भरने के लिए किसानों से पानी खरीदते हैं। कई लोगों के लिए यह खर्च काफी है, और यह उन लोगों के लिए बोझ बन जाता है जिन्होंने हाल ही में सुपारी के पेड़ लगाए हैं। हम इस स्थिति से निपटने के लिए कर्ज ले रहे हैं। बागवानी विभाग के सहायक निदेशक राघवेंद्र प्रसाद ने गर्मियों के दौरान सुपारी के पौधों को प्रभावी ढंग से पानी देने के तरीके के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा दावणगेरे सुपारी की खेती के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जब गर्मियों में गर्म हवाएँ चलती हैं, तो मिट्टी का सूखना आम बात है। सूक्ष्म पोषक तत्वों के छिड़काव का उपयोग मिट्टी के क्षरण को कम करने में मदद कर सकता है। अधिक पानी देने से बचना जरूरी है, क्योंकि इससे मिट्टी में गर्मी जमा हो सकती है, जिससे समस्या और बढ़ सकती है। इसके अलावा, लाल और सफेद चावल के कीट बागानों में बहुत ज्यादा हैं, जिन्हें उचित दवाओं से उपचारित करने की जरूरत है। जिले में सुपारी की खेती के लिए लगभग एक लाख हेक्टेयर का क्षेत्र समर्पित है। इसमें से लगभग 45,000 हेक्टेयर में उत्पादक खेती होती है। गर्मियों के दौरान पानी की मांग काफी बढ़ जाती है। किसान सिंचाई के लिए किराए के टैंकरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अपने खेतों में मल्चिंग लागू करना फायदेमंद हो सकता है, और ड्रिप सिंचाई विधियों का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि पौधों तक केवल आवश्यक मात्रा में पानी पहुँचे। हालाँकि, किसानों को माइक्रो-ट्यूबिंग का उपयोग करते समय पानी के वितरण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण लगता है।

विनय सोमैया की आत्महत्या मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की जरूरत नहीं: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को कहा कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी हथियार उठाकर सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे? पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी की केंद्र में अच्छी स्थिति है। वे एक बड़े खाते की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हम उनकी सलाह और निर्देश स्वीकार करेंगे। क्या प्रत्यक्ष युद्ध का अर्थ यह है कि हम बंदूक थामे हुए युद्ध कर सकते हैं? राजनीति में आलोचना को भी युद्ध माना जाता है। मेरे पास इसके लिए दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा दस्तावेज जारी होने दीजिए, फिर हम उचित जवाब देंगे। कुमारस्वामी को कई परियोजनाओं में सरकार की मदद की जरूरत है। यदि हम इसे छोड़कर युद्ध में उतर जाएं, तो जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बारे में हम क्या कह सकते हैं? राज्य पुलिस भाजपा कार्यकर्ता विनय सोमैया की आत्महत्या मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इसे सीबीआई को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है। यदि राज्य पुलिस द्वारा जांच के बाद कोई चूक पाई जाती है तो हम उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि विधायकों की संलिप्तता की भी जांच की जाएगी।

कोविड काल में हुए घोटालों की जांच के लिए जस्टिस माइकल कुन्हा के जांच आयोग ने सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है। स्वास्थ्य विभाग ने पिछली रिपोर्ट के आधार पर शिकायत दर्ज की है। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई हैं। कुछ और शिकायतों की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि वह इसकी समीक्षा करेंगे और आने वाले दिनों में उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने खाते में परिवर्तन के संबंध में कोई मांग नहीं की है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेंगलूरु आये हैं और यदि संभव हुआ तो वह उनसे मिलने का प्रयास करेंगे।

लड़कियों को अश्लील संदेश भेजने पर युवक पर हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोलनाडु गांव के कुडथामुगेरू में एक युवक पर स्थानीय लोगों ने हमला किया, जो अश्लील संदेश भेजकर युवतियों को मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। युवक की पहचान कन्याना के पंजाजे निवासी सावद (20) के रूप में हुई है। सावद, जो बेंगलूरु के कोरमंगला में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था, कथित तौर पर मोबाइल फोन के जरिए युवतियों को अश्लील संदेश भेज रहा था। वह देर रात वीडियो कॉल करने के लिए भी दबाव डालता था, कभी-कभी अश्लील मांग करता था। उसकी गतिविधियों के बारे में जानने के बाद, युवकों के एक समूह ने उसे सबक सिखाने की योजना बनाई। उन्होंने लड़कियों में से एक होने का दिखावा करते हुए एक नंबर का इस्तेमाल करके उससे संपर्क किया। यह मानते हुए कि वह एक युवती से बात कर रहा है, सावद कुडथामुगेरू में मिलने के लिए तैयार हो गया। जब वह पहुंचा, तो स्थानीय लोगों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। उसकी पिटाई की गई और बाद में पुलिस को सौंप दिया गया।

बेलगावी के मेयर ने ई-खातों पर भ्रम को खत्म करने का दिया आश्वासन

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी सिटी कॉरपोरेशन (बीसीसी) के मेयर मंगेश पवार ने शहर में आवासीय और अन्य संपत्तियों के लिए ई-खातों के मुद्दे पर भ्रम को खत्म करने का आश्वासन दिया है।

यहां पत्रकारों से बातचीत में पवार ने कहा कि उनके कार्यालय को ई-खाता मुद्दे के बारे में निवासियों से कई शिकायतें मिली हैं। बेंगलूरु में ई-खाता धारक संपत्ति के लेन-देन को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि एआरओ ईसी अपलोड करने में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैंने पहले ही अधिकारियों के साथ बैठक की है। हम ई-खाता के लिए आवश्यक दस्तावेजों की एक सूची जारी करेंगे। इस मुद्दे से संबंधित शिकायतों को दूर करने के लिए एक डेस्क स्थापित की जाएगी। मेयर ने मेयर और डिप्टी मेयर

द्वारा विभिन्न वार्डों का दौरा करने और जन शिकायत बैठकें आयोजित करने के सुझाव पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसी जलभराव को रोकने के लिए मानसून से पहले सड़क की मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था का काम करेगी। उन्होंने कहा कि बीसीसी यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाएगी कि शहर गर्मियों के महीनों में पानी की कमी से ग्रस्त न हो। उन्होंने कहा कुछ पेयजल आपूर्ति कार्य अधूरे हैं। मैं ऐसे सभी कार्यों को पूरा करने के लिए समय सीमा तय करूंगा। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति कार्यों के लिए अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाटर कैन वितरण व्यवसाय के लिए अनुमति प्राप्त करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अब शहर में पानी की कोई कमी नहीं है। बातचीत में मौजूद विधायक अभय पाटिल ने कहा कि अगले 25 वर्षों की अनुमानित आबादी के साथ जल आपूर्ति कार्यों की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 88 प्रतिशत बोरवेल पंप सेट से जुड़े हुए हैं। पाटिल ने कहा 90,000 से अधिक नए नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उप महापौर वाणी विलास जोशी ने पत्रकार स्वास्थ्य सेवा योजना की ऊपरी सीमा बढ़ाने की मांग पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। जोशी ने शहर भर में स्वच्छता बढ़ाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हम अधिक कुशल अपशिष्ट संग्रह प्रणाली पर काम कर रहे हैं और पृथक्करण के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। इस बातचीत में बुनियादी ढांचे के विकास, अपशिष्ट प्रबंधन और जल आपूर्ति तथा कुछ परियोजनाओं में देरी सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

महिला अफसर की हत्या के दोषी इंस्पेक्टर को राष्ट्रपति पदक

मुंबई, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। नवी मुंबई में एक पुलिस इंस्पेक्टर को अपनी सहकर्मी महिला की हत्या के मामले में 9 साल बाद दोषी करार दिया गया। पुलिस अधिकारी अश्विनी बिदरे-गोर के लापता होने के नौ साल बाद पनवेल सेशन कोर्ट ने शनिवार को उनके सहकर्मी इंस्पेक्टर अभय कुरुंदकर को हत्या का दोषी ठहराया। शव को ठिकाने लगाने में कुरुंदकर की मदद करने वाले दो अन्य लोगों को भी सबूतों को गायब करने का दोषी ठहराया गया।

कुरुंदकर, जो सहायक पुलिस निरीक्षक बिदरे के साथ रिश्ते में था। उसने अप्रैल 2016 में विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी, उसके शरीर को टुकड़ों में काट दिया, उसे एक ट्रंक और बोरी में भर दिया और वसई क्रीक में फेंक दिया। जिसके अवशेष कभी नहीं मिले।

जज केजी पालदेवर 11 अप्रैल को बिदरे के पिता और बेटी से मुआवजे पर सुनवाई के बाद सजा सुनाएंगे। जज ने इस बात पर हैरानी जताई कि कुरुंदकर को 2017 में वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक दिया गया था।

महिला पुलिसकर्मी अश्विनी बिदरे-गोर की हत्या के लिए तीन लोगों को दोषी ठहराते हुए जज केजी पालदेवर ने कहा कि यह हैरान करने वाला है कि अभय कुरुंदकर, जिसने अप्रैल 2016 में अश्विनी बिदरे-गोर का कथित रूप से अपहरण कर हत्या कर दी थी।

उसको गणतंत्र दिवस पर वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक दिया गया। इसलिए, यह सवाल उठता है कि पुलिस विभाग की समिति ने इस बात की जानकारी होने के बावजूद कि वह एक हत्या के मामले में आरोपी था, पुरस्कार के लिए उसके नाम की सिफारिश कैसे की। कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में दोषी अधिकारियों के खिलाफ जांच जरूरी है। बिदरे के अलग हुए पति राजू गोरे ने बताया कि जब जज ने फैसला सुनाया तो कुरुंदकर को कोई पछतावा नहीं था। अन्य दोषी कुंदन भंडारी, कुरुंदकर के ड्राइवर और पुणे के बैंक कर्मचारी और कुरुंदकर के करीबी दोस्त महेश फलनीकर हैं। दोषी ठहराए जाने के बाद फलनीकर कोर्ट में बेहोश हो गया।

विशेष सरकारी वकील प्रदीप घरात ने कहा कि मैंने आईपीसी की धारा 218 (किसी व्यक्ति को सजा से बचाने के इरादे से गलत रिकॉर्ड तैयार करना) के तहत अतिरिक्त आरोप तय करने की मांग की थी, यह तर्क देकर कि कुरुंदकर ने ठाणे ग्रामीण अपराध विभाग में पुलिस गश्ती वाहन के समय की गलत प्रविष्टि करके एक फर्जी लॉग बुक तैयार की थी, जहां वह वरिष्ठ निरीक्षक थे, यह दावा करने के लिए कि कथित हत्या के समय वह गश्त ड्यूटी पर थे।

उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी एसीपी संगीता शिंदे अल्फांसो द्वारा गूगल मैप ट्रैकिंग का उपयोग करके एकत्रित किए गए तकनीकी साक्ष्य ने कुरुंदकर के खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्य साबित करने में मदद की, क्योंकि जिस दिन उसने कथित तौर पर एपीआई बिदरे की हत्या की और दो आरोपियों की मदद से उसके शरीर के अंगों को खाड़ी में फेंक दिया, उस दिन उसकी मौजूदगी वसई खाड़ी में पाई गई। साथ ही, चूंकि अदालत ने कथित तौर पर राजनीतिक दबाव में हत्या के मामले की जांच में देरी के लिए दोषी पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई है, इसलिए हम सुनिश्चित करेंगे कि उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। जज पालदेवर ने कहा कि हत्या दुर्लभतम श्रेणी में आती है। कोर्ट ने कहा कि बिदरे के पिता और बेटी, जो कोर्ट में मौजूद नहीं थे, वास्तविक पीड़ित हैं, क्योंकि उन्होंने एक बेटी और मां को खो दिया है, और वे अपने मुआवजे पर फैसला करना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि लापता होने के एक साल बाद हत्या का मामला दर्ज करने में देरी के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के सुस्त रवैये के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। अभय कुरुंदकर, भंडारी और फलनीकर का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता विशाल भानुशाली ने कहा कि बचाव पक्ष के वकील के रूप में मेरे पास कानूनी अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की गंभीर जिम्मेदारी थी कि मुकदमा निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया के उच्चतम मानकों के अनुरूप हो। यह एक गहन रूप से जांचा-परखा और भावनात्मक रूप से प्रभावित मामला था, जिसमें तमाम सबूत शामिल थे।

नंदीग्राम में बनेगा अयोध्या जैसा राम मंदिर

शुभेंदु अधिकारी ने रामनवमी पर रखीं नींव

नंदीग्राम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल में राम मंदिर बनवाने के लिए भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने राम नवमी के मौके पर मंदिर की आधारशिला रखी। यह मंदिर नंदीग्राम के सोनाचूडा में बनाया जाएगा। इसका मॉडल अयोध्या के राम मंदिर पर ही आधारित होगा। शुभेंदु अधिकारी ने शिलान्यास समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है। वीडियो में सैकड़ों लोग भगवा धारण करके, सनातन की पताका लिए कार्यक्रम में शामिल होते दिख रहे हैं। वहीं शुभेंदु अधिकारी को सभी भक्तों का अभिवादन और मंदिर की आधारशिला रखने देखा जा सकता है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, भारतीय सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के अनुसार, अयोध्या में ऐतिहासिक पवित्र राम जन्मभूमि मंदिर की तर्ज पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र को समर्पित एक भव्य मंदिर का भूमिपूजन और शिलान्यास का शुभ समारोह आज रामनवमी के पावन अवसर पर आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि

शिलान्यास समारोह नंदीग्राम के पहले हिंदू शहीद स्वर्गीय देवव्रत मैती की पत्नी श्रीमती कल्पना मैती द्वारा किया गया। यह उन सभी के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का अवसर है, जो भगवान राम के धर्म, साहस और करुणा के मूल्यों को अपने दिल के करीब रखते हैं। इस मंदिर का निर्माण केवल ईंट और गारा रखना नहीं है, यह विश्वास, एकता और सांस्कृतिक गौरव की विरासत का निर्माण है।अयोध्या वाले राम मंदिर की तर्ज पर बंगाल में बनने जा रहा ये मंदिर करीबन 3.5 बीघा (लगभग 1.5 एकड़) भूमि पर बनाया जाएगा। इस मंदिर की विशेषता होगी कि यहां मुख्य पूजा स्थल के अलावा एक गौशाला, गौशाला, एक आयुष स्वास्थ्य केंद्र और आगंतुकों के लिए एक अतिथि गृह भी होगा। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस ने इस मंदिर के बनने की खबर पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने यह आरोप लगाया कि शुभेंदु अधिकारी ने उस भूमि का उपयोग किया है जिसे पहले शहीद परिवारों की याद में अस्पताल बनाने के लिए खरीदा गया था। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि यह धार्मिक राजनीति का उदाहरण है और अधिकारियों को इस मुद्दे पर जनता से जवाब देना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के लिए नंदीग्राम में भाजपा नेता द्वारा मंदिर की आधारशिला रखा जाना इसलिए भी परेशान करने वाला है नंदीग्राम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ रहा है। यहां 2007 में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ था, जिसने ममता को राजनीतिक रूप से प्रमुखता दिलाई थी। अब, शुभेंदु अधिकारी ने इस स्थान पर राम मंदिर बनाने की घोषणा की है। शुभेंदु अधिकारी इसी जगह से भाजपा के विधायक हैं।

फिल्म एम्पुरान के निर्माता पर ईडी का शिकंजा

फेमा उल्लंघन में ईडी का छापा, 1.50 करोड़ कैश जब्त

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के मामले में तमिलनाडु और केरल में श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस लिमिटेड (गोकुल चिट फंड) कंपनी के कई परिसरों में तलाशी के दौरान 1.50 करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं।

ईडी ने बताया कि कोचीन जोनल कार्यालय ने 04 और 05 अप्रैल को केरल के कोझिकोड में एक स्थान और तमिलनाडु के चेन्नई में दो स्थानों पर श्री गोकुलम चिट्स एंड फाइनेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में तलाशी लेने की कार्रवाई की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस कार्रवाई के दौरान 1.50 करोड़ रुपए नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि यह तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रावधानों के तहत 1000 करोड़ रुपए के विदेशी मुद्रा उल्लंघन की चल रही जांच का हिस्सा है। ईडी ने बताया कि शुक्रवार को शुरू की गई यह तलाशी अभियान शनिवार को समाप्त हो गई।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि तलाशी के दौरान 1.50 करोड़ रुपए नकद और फेमा का उल्लंघन करने वाले कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। हालांकि, ईडी के आरोपों पर गोपालन या उनकी कंपनी की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। ईडी की यह छापेमारी लूसिफर सीरीज की दूसरी किस्त एल2: एम्पुरान को लेकर हाल ही में उठे विवाद के बीच की गई है।

उल्लेखनीय है कि मलयालम फिल्म एल2: एम्पुरान के निर्माताओं में से एक गोकुलम गोपालन के स्वामित्व वाली ये कंपनी (गोकुलम गोपालन) आगामी मलयालम फिल्म एल2: एम्पुरान के निर्माताओं में से एक है।

केंद्रीय जांच एजेंसी की यह छापेमारी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत 1000 करोड़ रुपए के कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की पृष्ठभूमि में की गई है।

सीएम योगी ने इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन किया

इथेनॉल से चलने लगेंगी गाड़ियां और हवाई जहाज

गोरखपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम सहजनवां में केयान डिस्टिलरी प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं और गीडा के अंतर्गत नए उद्योग की शुरुआत के लिए भी बधाई दी। उन्होंने बताया कि 30 एकड़ में फैला यह प्लांट अनाज से इथेनॉल बनाएगा, जो देश और किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट शराब बनाने की फैक्ट्री नहीं, बल्कि एक इथेनॉल उत्पादन इकाई है। इससे पेट्रोल और डीजल की जगह इथेनॉल का इस्तेमाल को बल मिलेगा, जिससे गाड़ियां और हवाई जहाज भी चल सकेंगे। सीएम ने बताया कि भारत हर साल 7-8 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोल-डीजल खरीदता है। अगर किसानों के अनाज से इथेनॉल बनेगा तो विदेशी मुद्रा बचेगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इससे देश मजबूत होगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां रोजाना साढ़े तीन लाख लीटर इथेनॉल बनेगा, जो आगे बढ़कर पांच लाख लीटर तक पहुंचेगा। इस प्लांट में रेक्टिफाइड स्पिरिट भी तैयार होगी, जिसका इस्तेमाल आधुनिक दवाइयों में होगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले आठ साल में डबल इंजन की सरकार ने किसानों के हित में काम किया है। पहले सड़ा हुआ अनाज और गन्ना बेकार जाता था, लेकिन अब इससे इथेनॉल बन रहा है। उत्तर प्रदेश में 177 करोड़ लीटर इथेनॉल बन रहा है, जो पेट्रोल-डीजल के साथ मिलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि वे टूटा चावल, खराब गेहूं, पराली और गन्ना इस प्लांट में लाएं। यह डिस्टिलरी इन्हें खरीदेगी। इससे किसानों को अनाज का दाम तो मिलेगा ही, साथ में पराली और बेकार सामान से भी कमाई होगी।

1200 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्लांट से दो हजार लोगों को सीधे और इतने ही लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले गोरखपुर के गीडा में कोई निवेश नहीं करना चाहता था, लेकिन बीते आठ साल में यहां 15 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश आया है और 50 हजार युवाओं को नौकरी मिली है। गीडा में डिप्लोमा कोर्स और ट्रेनिंग की व्यवस्था भी शुरू की गई है। प्लास्टिक पार्क, गारमेंट पार्क और फ्लैटेड फैक्ट्री जैसे नए प्रोजेक्ट भी आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अब लोग मानते हैं कि यूपी और गोरखपुर में निवेश करना सुरक्षित है। उद्यमी गीडा में निवेश करने को इच्छुक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी इतनी बेहतर हो चुकी है कि अब हमें निवेश के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा भी करनी होगी। उन्होंने ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर देते हुए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज और सौर ऊर्जा को अपनाने की बात कही। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि धरती माता की सेहत का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे शरीर में धमनियां रक्त वाहिकाओं का काम करती हैं, वैसे ही धरती पर नदियां उसकी रक्त वाहिकाएं हैं। इसलिए हमें नदियों की स्वच्छता और उनके निर्बाध बहाव को बनाए रखना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन से पहले इथेनॉल से भरे टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों से मुलाकात की और डिस्टिलरी प्लांट की कार्यप्रणाली को करीब से देखा। इस दौरान उन्होंने कई युवाओं को कंपनी में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र भी सौंपे, जिनमें मनीषा पांडेय, निशिता श्रीवास्तव, रवि किरन प्रसाद, दिवाकर सिंह और पंकज शर्मा शामिल थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में केयान डिस्टिलरी के नाम से इथेनॉल प्लांट स्थापित करने वाले उद्यमी विनय कुमार सिंह, उनके परिवारजनों और कंपनी में कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह में गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ला, महापौर मंगलेश श्रीवास्तव, विधायकगण प्रदीप शुक्ला, विपिन सिंह, फतेह बहादुर सिंह, महेन्द्र पाल सिंह, सरवन निषाद, एमएलसी डॉ धर्मेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, केयान डिस्टलरी के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेपाल-चीन सीमा पर पकड़े गए नकली नोटों के तस्कर

शोएब, समीर और आसिफ चला रहे थे नकली नोट

देहरादून, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। पिथौरागढ़ जिले में धारचूला के पास बलुवाकोट थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कार में सवार चार युवकों के पास से नकली भारतीय नोट बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इनके पास से 29 हजार के नकली नोट बरामद हुए हैं।

आईजी रिद्धिम अग्रवाल के अनुसार दिल्ली के रहने वाले समीर उल रहमान, शोएब अहमद और आसिफ के पास से नकली नोट मिले हैं। नकली नोट 500 - 500 के हैं। इनका साथ देने वाले मुनस्यारी निवासी नितिन को भी हिरासत में लिया गया है। उसे इन लोगों का कार चालक बताया जा रहा है। आईजी ने बताया कि गिरफ्तार युवकों से पूछा गया कि वे भारत नेपाल सीमा पर नकली करेंसी चलाने कैसे और क्यों पहुंचे। पूछताछ में पता चला कि ये लोग दिल्ली से धारचूला आए और फिर नेपाल भी गए। वे बुलवाकोट में पकड़े गए। नेपाल में 500 रुपए के भारतीय नोट स्वीकार नहीं किए जाते हैं। जानकारी के मुताबिक आरोपियों द्वारा कमीशन बेस पर नकली नोट चलाने का काम किया जा रहा था। पुलिस की टीम इस मामले में और जानकारी जुटा रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रामनवमी की झांकी में हुए शामिल, लोगों को दी बधाई और शुभकामनायें

पटना, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रामनवमी पर्व के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा है कि रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व राष्ट्रीय एकता, अखण्डता तथा देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं। उन्होंने राज्यवासियों से अपील की है कि पावन पर्व रामनवमी को प्रेम, भाईचारे और हर्षोल्लास के साथ मनायें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के डाकबंगला चौराहा पर रामनवमी शोभा यात्रा अभिनन्दन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने शोभा यात्रा का स्वागत कर आरती की तथा उन्हें प्रतीक चिह्न भेंटकर

सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने भी उपस्थित जन-समुदाय का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया और रामनवमी की राज्यवासियों को शुभकामनायें दीं।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, सांसद रविशंकर प्रसाद, सांसद संजय कुमार झा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिलीप कुमार जायसवाल, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, मेयर पटना नगर निगम सीता साहू, जदयू के प्रदेश महासचिव कमल नोपानी, बिहार राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सहित आयोजन समिति के सदस्य, सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आयोजकों ने मुख्यमंत्री का स्वागत अंगवस्त्र भेंटकर किया।

अब वक्फ की प्रॉपर्टी नहीं रहेगी संभल की मस्जिद

नया वक्फ कानून संरक्षित स्मारकों को करेगा कब्जे से मुक्त

संभल, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ कानून बनते ही संभल की जामा मस्जिद वक्फ की सम्पत्ति नहीं रहेगी। वक्फ (संशोधन) एक्ट के सेक्शन 3डी के तहत, जो सम्पत्ति आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) के अधीन संरक्षित घोषित है, वो वक्फ की नहीं हो सकती। इसमें संभल की मस्जिद के अलावा देश भर की कई दूसरी इस्लामिक इमारतें भी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर फैसले का हवाला देते हुए पुरातत्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने जमीन पर इस्तेमाल के आधार पर दावा माना था। लेकिन नए एक्ट के मुताबिक इस्तेमाल का नियम तभी लागू होगा, जब जमीन पर कोई विवाद न हो या वो सरकारी सम्पत्ति न हो। इस एक्ट से एएसआई के तहत आने वाली सारी वक्फ सम्पत्तियां अपनी पहचान खो देंगी। नए वक्फ कानून मेंस एएसआई की कानून परिधि बढ़ा दी गई है, लिहाजा अब वो सारी सम्पत्तियां वक्फ के हाथ में नहीं रहेंगी, जो एएसआई के संरक्षण में रही हैं।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार 5 अप्रैल 2025 को वक्फ (संशोधन) बिल को मंजूरी दे दी, जिसके बाद यह कानून बन गया। मूल एक्ट के सेक्शन 3 में कई बदलाव किए गए हैं। इस सेक्शन में लिखा है, इस एक्ट या किसी पुराने कानून के तहत वक्फ सम्पत्तियों के लिए जारी कोई घोषणा या नोटिफिकेशन तब रद्द माना जाएगा, अगर वो सम्पत्ति उस घोषणा या नोटिफिकेशन के वक्त प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट, 1904 या प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष एक्ट, 1958 के तहत संरक्षित स्मारक या संरक्षित इलाका था। वक्फ (संशोधन) एक्ट का सेक्शन 3डी यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी ऐसी जगह पर वक्फ का दावा नहीं किया जा सकता, जो पहले से ही हेरिटेज कानूनों के तहत संरक्षित स्मारक या इलाका घोषित हो चुकी हो। अगर पहले इस एक्ट या किसी पुराने कानून के तहत ऐसी कोई घोषणा हुई थी, तो अब उसे कानूनी तौर पर रद्द मान लिया जाएगा। इस नियम का मकसद ऐतिहासिक स्मारकों, खासकर

एएसआई की सुरक्षा में आने वाले स्मारकों को धार्मिक दावों के तहत दोबारा वर्गीकृत होने या उन पर कब्जा होने से बचाना है, ताकि भारत की पुरातत्व और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके।

नवंबर 2024 में संभल कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद की सर्वे करने का आदेश दिया। ये आदेश हरि शंकर जैन, महंत ऋषिराज गिरी और कुछ अन्य लोगों की याचिका के जवाब में आया था। याचिका में दावा किया गया कि ये मस्जिद भगवान कल्कि को समर्पित सदियों पुराने श्री हरि हर मंदिर की जगह पर बनाई गई थी, जिसे बाबर ने तोड़ दिया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये जगह हिंदुओं के लिए बहुत धार्मिक महत्व रखती है और मुगल काल में इसे जबरदस्ती मस्जिद में बदल दिया गया। साथ ही ये 1904 के प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट के तहत एक संरक्षित स्मारक है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया है। उन्होंने ये भी कहा कि मौजूदा हालात उनके धर्म को मानने के संवैधानिक अधिकार को ठेस पहुंचा रहे हैं और इस जगह पर आम लोगों की पहुंच बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए।

याचिका में श्री हरि हर मंदिर के प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व को बताया गया। इसमें कहा गया कि हिंदू शास्त्रों में इस जगह को बहुत पवित्र माना जाता है और ये भगवान कल्कि के अवतार से जुड़ी है। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि भगवान कल्कि को भगवान विष्णु का दसवां और आखिरी अवतार माना जाता है। हिंदू मान्यता के मुताबिक, कल्कि संभल में प्रकट होंगे और कलियुग को खत्म करके सतयुग की शुरुआत करेंगे।

महिस्मत नदी के किनारे रोहिलखंड के बीच में बसे संभल शहर को अलग-अलग युगों में अलग-अलग नामों से जाना जाता था। सतयुग में सब्रित या संभलेश्वर। त्रेतायुग में महादगिरी। द्वापरयुग में पिंगला और कलियुग में संभल। भगवान कल्कि को समर्पित श्री हरि हर मंदिर के बारे में माना जाता है कि इसे सृष्टि की शुरुआत में भगवान विश्वकर्मा ने बनाया था। विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पकार कहा जाता है। ये मंदिर हिंदू धर्म में खास जगह रखता है, क्योंकि ये भगवान विष्णु और शिव की एकता को दिखाता है, जैसा कि शास्त्रों में लिखा है: यथा शिवस्तथा विष्णु, यथा विष्णुस्तथा शिवः यानी जैसा शिव है, वैसा विष्णु; जैसा विष्णु है, वैसा शिव। ये मंदिर प्राचीन वास्तुकला का शानदार नमूना था। याचिका में कहा गया कि ये आध्यात्मिक महत्व और खूबसूरत डिजाइन का मेल था। याचिका के मुताबिक, मुगल आक्रमण के दौरान इस मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा। बाबर के सेनापति हिंदू बेग ने 1527-28 में इसे आंशिक रूप से तोड़ा और मस्जिद में बदल दिया। ऐसा कहा जाता है कि ये काम बाबर के आदेश पर हुआ था, ताकि इस्लाम की ताकत दिखाई जा सके और स्थानीय हिंदू आबादी का मनोबल तोड़ा जा सके।

इस घटना का जिक्र बाबर की डायरी (बाबरनामा) में मिलता है। इसमें लिखा है कि हिंदू बेग ने मंदिर को मस्जिद में बदला। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि मस्जिद के अंदर बाबर का नाम लिखी एक शिला (पत्थर का नेमप्लेट) बाद में बनाई गई नकली चीज है, जिसका मकसद मंदिर को मस्जिद में बदलने को सही ठहराना था। याचिका में इस विवादित जगह के नियंत्रण और प्रबंधन के कानूनी और प्रशासनिक इतिहास की बात भी की गई। इसमें एएसआई की भूमिका का जिक्र है। 22 दिसंबर 1920 को यूनाइटेड प्रोविंस की सरकार के सचिव ने एक्ट के सेक्शन 3(3) के तहत एक नोटिफिकेशन जारी कर इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इससे ये जगह एएसआई के नियंत्रण में आ गई। इसलिए एएसआई को इसका कानूनी संरक्षक होना चाहिए, जो इसकी देखभाल, प्रबंधन और आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित करे।

1904 के प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट और फिर 1958 के प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष एक्ट के तहत, एएसआई को ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों को बचाने और उनकी देखभाल करने का कानूनी अधिकार है। 1958 के एक्ट के सेक्शन 18 के मुताबिक, एएसआई को ये सुनिश्चित करना है कि इन स्मारकों तक आम लोगों की पहुंच बनी रहे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एएसआई अपनी इस कानूनी जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम रही, खासकर तब जब इस जगह पर धार्मिक विवाद चल रहा है। एएसआई की निष्क्रियता की वजह से जामा मस्जिद की मैनेजमेंट कमेटी ने इस जगह पर लोगों की पहुंच रोक दी। उनका मानना है कि ये हिंदू भक्तों के उस अधिकार का उल्लंघन है, जो इस जगह को श्री हरि हर मंदिर का मूल स्थान मानते हैं, जिसे मुगलों ने तोड़ा था।

इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने कहा कि एएसआई ने इस जगह को सुरक्षित करने, इसके ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखने या उन निशानों और चीजों को बचाने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए, जो इसके हिंदू मूल को साबित कर सकते हैं। उनका कहना है कि ये एएसआई की कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा न करने की नाकामी है। बता दें कि 19 नवंबर 2024 को पहला सर्वे तनाव भरे माहौल में हुआ, लेकिन शांति से पूरा हो गया और कोई हिंसा नहीं हुई। मगर 24 नवंबर 2024 को दूसरा सर्वे शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। कोर्ट द्वारा नियुक्त टीम जब मस्जिद के अंदर सर्वे कर रही थी, तब बड़ी संख्या में मुस्लिम भीड़ ने मस्जिद और आसपास के इलाकों को घेर लिया।

गुस्साई भीड़ का विरोध जल्दी ही हिंसक हो गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस टीमों पर हमला हुआ। दंगाइयों ने पुलिस पर पत्थर और डंडों से हमला किया और गोलीबारी भी की। संभल हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार और पुलिस ने दोषियों को पकड़ने के लिए कई कदम उठाए। जांच में पता चला कि संभल के सांसद जिया उर रहमान बर्क समेत स्थानीय नेताओं ने भीड़ को भड़काया था और ये हिंसा पहले से प्लान की गई थी। घटनास्थल से पाकिस्तान में बनी गोलियां भी मिलीं, जिसने जांच को और गंभीर बना दिया। 45 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई एफआईआर के तहत मामले चल रहे हैं।

जनवरी 2025 में मस्जिद का सर्वे रिपोर्ट चंदौसी कोर्ट में सील बंद लिफाफे में जमा किया गया। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मस्जिद में दो बरगद के पेड़ हैं, जो आमतौर पर हिंदू मंदिरों से जुड़े होते हैं, जहां उनकी पूजा होती है। इसके अलावा मस्जिद के अंदर एक कुआं है, जिसका एक हिस्सा अंदर और दूसरा बाहर है। कुएं का बाहरी हिस्सा ढका हुआ था। सर्वे रिपोर्ट में करीब साढ़े चार घंटे की वीडियोग्राफी शामिल थी, जिसमें लगभग 1,200 तस्वीरें ली गईं। मस्जिद में ऐसे निशान हैं, जो उस दौर के मंदिरों और हिंदू स्थानों की पहचान हैं। मंदिर की मूल वास्तुकला को दरवाजों, खिड़कियों और सजी हुई दीवारों पर प्लास्टर और पेंट लगाकर छिपा दिया गया है। संभल की जामा मस्जिद का मामला सीधे तौर पर बताता है कि सेक्शन 3ऊ क्यों जरूरी था। 1920 से ये एक केंद्रीय संरक्षित स्मारक है, फिर भी इसे वक्फ सम्पत्ति के तौर पर दावा किया जाता रहा। इससे न सिर्फ हिंदू भक्तों की पहुंच रुकी, जो इसे श्री हरि हर मंदिर मानते हैं, बल्कि एएसआई को भी दिक्कत हुई। वक्फ (संशोधन) एक्ट कानूनी साफगोई लाता है और ऐसे संरक्षित स्मारकों को धार्मिक या प्रशासनिक झगड़ों में फंसने से बचाता है।

सिकंदरा में गाजी मियां की दरगाह पर लहराया भगवा झंडा

बहरिया (प्रयागराज), 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिकंदरा स्थित सालार मसूद गाजी मियां की दरगाह पर महाराजा सुहेलदेव सुरक्षा सम्मान मंच के कार्यकर्ताओं ने रविवार को भगवा झंडा फहरा दिया। परिसर में काफी देर तक विरोध प्रदर्शन कर दरगाह को हटाने की मांग की। इसका वीडियो वायरल होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन तब प्रदर्शनकारी जा चुके थे। एसीपी पंकज लवानिया ने कहा कि जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बहरिया ब्लॉक के सिकंदरा कस्बा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर प्रत्येक रविवार और बुधवार को रौजा मेला लगता है, जिसमें हिंदू और मुसलमान पहुंचते हैं। विवाद 23 मार्च को शुरू हुआ, जब दरगाह पर रौजा मेला कमेटी के अध्यक्ष सफदर जावेद की ओर से पुलिस ने ताला लगवा दिया था। हालांकि, शाम को जावेद ने बयान जारी किया कि मरम्मत कार्य की वजह से ताला लगाया गया है।

दूसरे दिन 24 मार्च को ताला खोल दिया गया लेकिन सन्नाटा रहा। इसके बाद कुछ लोग पहुंचते रहे। लेकिन 30 मार्च को मेले वाले दिन फिर बैरिकेडिंग कर दी गई। पुलिसकर्मी तैनात रहे और मेला नहीं लगा। रविवार को महाराजा सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता मानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में भगवा झंडा लेकर दरगाह पर पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ कार्यकर्ता दरगाह के मुख्य द्वार के गुंबद पर चढ़कर झंडा लहराने लगे। इससे अफरातफरी मच गई। प्रदर्शन के दौरान वहां कोई सुर-क्षाकर्मी नजर नहीं आया। न ही स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया।

प्रदर्शन का वीडियो वायरल होने पर एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया, थाना अध्यक्ष बहरिया महेश मिश्रा भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। कस्बे में फ्लैग मार्च किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। हालांकि, अमर उजाला वीडियो की पुष्टि नहीं करता लेकिन सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता मानेंद्र प्रताप से बात की गई तो उन्होंने बताया कि झंडा उनके संगठन की ओर से फहराया गया है। मेला कमेटी के अध्यक्ष सफदर जावेद ने कहा कि दरगाह पर चढ़कर झंडा फहराना गलत है। हमने अभी कोई तहरीर नहीं दी है, न ही मांगी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस-प्रशासन जो कार्रवाई करेगा, उसमें मेरा सहयोग रहेगा।

सपा सांसद ने जामा मस्जिद के मौलाना से कहा था

मस्जिद का सर्वे किसी भी हाल में नहीं होना है

संभल, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को सर्वे की कार्रवाई के विरोध में कट्टरपंथी मुस्लिमों की भीड़ ने सर्वे टीम पर हमला कर दिया था। साथ ही दंगे भी शुरू कर दिए थे। इस मामले में हो रही एसआईटी जांच में खुलासा हुआ है कि स्थानीय सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली को व्हाटसएप कॉल कर यह निर्देश दिया था कि पुरातत्व विभाग द्वारा जामा मस्जिद का सर्वे किसी भी कीमत पर न हो। इसके लिए भीड़ इकट्ठा करने और उसे उकसाने का सांसद ने निर्देश दिया था।

जामा मस्जिद के सदर जफर अली ने एसआईटी के सामने यह कुबूल किया कि सांसद जियाउर्रहमान ने उसे सुबह फोन किया और कहा कि वे बेंगलुरु में हैं। बर्क ने कहा था, सुबह किसी हाल में सर्वे नहीं होना चाहिए, वर्ना हमारी कौम हम पर थूकेगी। फायरिंग का आरोप भी पुलिस पर लगा दें।

जफर ने कहा कि हिंसा से पहले और बाद में बर्क पल-पल की जानकारी ले रहे थे। इस मामले में गिरफ्तार जफर अली की जमानत याचिका को एडीजे कोर्ट ने शुक्रवार 4 अप्रैल को खारिज कर दी। बचाव पक्ष ने जफर अली को बेकसूर बताते हुए जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। वहीं, शासकीय अधिवक्ता का कहना था कि जफर अली पर बेहद गंभीर आरोप हैं। इसलिए उन्हें रिहा न किया जाए।

रामनवमी पर रामलला का हुआ सूर्य तिलक

अयोध्या समेत देश-दुनिया के लाखों लोगों ने देखा

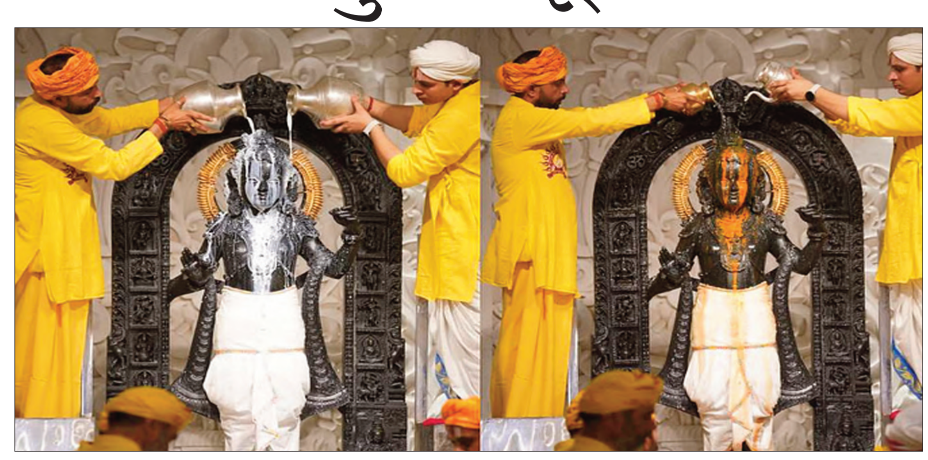

अयोध्या, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

अयोध्या में राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ठीक बारह बजे रामलला का सूर्य तिलक हुआ। भगवान सूर्य की किरणें रामलला के मस्तक का चार मिनट तक अभिषेक करती रहीं।

पूरे दुनिया इस दृश्य की साक्षी बनी। सूर्य तिलक को सही तरीके से कराने के लिए इसरो के साथ देश के विभिन्न आईआईटी के वैज्ञानिक इसका पूर्वाभ्यास करते रहे। शनिवार को अंतिम बार इसका सफल ट्रायल किया गया था।

रामजन्मोत्सव पर रामलला ने रत्न जड़ित पीले वस्त्र और सोने का मुकुट धारण कर भक्तों को दर्शन दिए। दोपहर ठीक 12 बजे रामजन्म के साथ ही सूर्य की किरणों ने चार मिनट तक रामलला का सूर्य तिलक किया। अध्यात्म व विज्ञान के इस अद्भुत संगम को हर कोई अपनी आंखों में बसाने को लालायित दिखा।

इसके पहले सुबह 3:30 बजे से मंदिर के कपाट खोल दिए गए। रामलला का श्रृंगार, राग-भोग, आरती व दर्शन का क्रम चलता रहा। बालक राम सहित उत्सव मूर्ति की मनमोहक छवि के दर्शन कर भक्त मंत्रमुग्ध होते रहे। भजन, स्तुति के बीच जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां 12 की ओर बढ़ीं। लोगों की आतुरता भी बढ़ती गई। पुजारी ने मंदिर के कपाट खोले तो घंटा घड़ियाल बजने के साथ ही भक्तों ने भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौशल्या हितकारी... छंद गायन शुरू कर दिया। पूजन के साथ ही भगवान भास्कर ने रामलला का राजतिलक किया।

मंदिर के ऊपरी हिस्से पर लगे दर्पण पर सूर्य की किरणें गिरीं। यहां से परावर्तित होकर पीतल के पाइप में पहुंचीं।

पाइप में लगे दर्पण से टकराकर किरणें 90 डिग्री कोण में बदल गई। लंबवत पीतल के पाइप में लगे तीन लेंसों से किरणें आगे बढ़ते हुए गर्भगृह में लगे दर्पण से टकराई। यहां से 90 डिग्री का कोण बनाकर 75 मिलीमीटर टीके के रूप में रामलला के ललाट को सुशोभित किया। रामनवमी पर्व की पूर्व संध्या पर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं।

आरपीएफ के जवानों ने शनिवार को इंस्पेक्टर यशवंत सिंह के नेतृत्व में स्टेशन परिसर में फ्लैग मार्च कर यात्रियों में सुरक्षा का अहसास कराया। स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 200 आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया था।

फर्जी दस्तावेज पर विनायक ग्रुप ने ली 113 करोड़ की छूट

सपा विधायक अबू आजमी है विनायक ग्रुप का पार्टनर

लखनऊ, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र देकर आयकर विभाग से 113 करोड़ रुपए की छूट लेने वाले वाराणसी के विनायक ग्रुप से अब वसूली होगी। आयकर विभाग के मुताबिक विनायक ग्रुप से जुर्माने और ब्याज के साथ करीब 200 करोड़ रुपए वसूले जाएंगे। इसकी जानकारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी साझा की जाएगी।

ईडी भी विनायक ग्रुप के खिलाफ जांच कर रहा है। ईडी ने हाल ही में आयकर विभाग से पूछा था कि ग्रुप के प्रोजेक्ट वरुणा गार्डन का फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र जमा करने से कितने राजस्व का नुकसान हुआ है ताकि उसी आधार पर कंपनी के संचालकों की संपत्तियों को जब्त किया जा सके। समूह के ठिकानों पर छापे में फर्जी पूर्णता प्रमाणपत्र मिलने के बाद आयकर विभाग के निर्देश पर वाराणसी विकास प्राधिकरण ने विनायक ग्रुप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसकी विवेचना अभी जारी है।

प्राधिकरण की ओर से पुलिस को जानकारी दी गई है कि प्रमाणपत्र में जिस अधिकारी का दस्तखत है, उस

नाम का कोई व्यक्ति कभी तैनात ही नहीं रहा है। इसी मुकदमे के आधार पर ईडी ने विनायक ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया था और बैंक में जमा विनायक ग्रुप के संचालकों के करीब 4 करोड़ रुपए जब्त कर लिए गए थे। अब ईडी आयकर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करते हुए सम्पत्तियों को जब्त कर सकता है।

ईडी की जांच में सामने आ चुका है कि महाराष्ट्र के सपा अध्यक्ष अबू आजमी विनायक ग्रुप के पार्टनर हैं। उन्होंने ग्रुप के साथ मिलकर वाराणसी की कई बेशकीमती सम्पत्तियां खरीदी थीं। इ

सके लिए मुंबई से हवाला के जरिए रकम भेजी गई थी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में हवाला के जरिये रकम मंगाकर सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त की आयकर विभाग और ईडी गहनता से जांच कर रहे हैं।

हालांकि, विनायक ग्रुप को बीते दिनों निर्णायक प्राधिकारी ने राहत भी दी थी और आयकर विभाग ने सम्पत्तियों को जब्त करने के आदेश को खारिज कर दिया था। अब आयकर विभाग निर्णायक प्राधिकारी के आदेश के खिलाफ भी अपील करने जा रहा है।

संपादकीय

न्यायाधीशों की संपत्ति

ऐसे वक्त में जब न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की मांग सार्वजनिक विमर्श में है, सुप्रीम कोर्ट के सभी वर्तमान न्यायाधीशों के द्वारा न्यायालय की वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करके अपनी संपत्ति का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने पर सहमति व्यक्त करना सुखद ही है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे। यहां ये उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी कि ये घोषणाएं स्वैच्छिक और गोपनीय रहेंगी। लेकिन साथ ही सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा भी रहा कि जनता भी इन जानकारियों को जानने की इच्छुक रहती है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा गया। लेकिन सूचना के अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान में व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करने में छूट दी गई थी। तर्क दिया गया था कि जब तक व्यापक सार्वजनिक हित में जरूरी न हो, प्रकटीकरण में छूट दी जाए। दरअसल, इन प्रावधानों से न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणाओं की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के लिए एक अवरोध पैदा हुआ। यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति देते हुए कहा था कि सूर्य का प्रकाश वास्तव में सबसे अच्छा कीटाणुनाशक है। इस वक्तव्य के आलोक में न्यायाधीशों को भी अपनी संपत्ति के बारे में वास्तविक जानकारी सार्वजनिक परिदृश्य में रखने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अन्यथा तथ्यों की परदादारी जनमानस के मन में कतिपय संशयों को भी जन्म दे सकती है। न्यायिक परिदृश्य में पारदर्शिता उजागर करने में विधायिका की सक्रिय भूमिका भी वक्त की मांग है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यह सुखद होगा कि यदि ऐसी कोई पहल स्वयं न्यायपालिका की तरफ से होती है। न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता व व्यावसायिक शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने पंच परमेश्वरों को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है।

> निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे।

13,056 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर चिंताजनक इसलिए भी है क्यों कि आज हम लगातार ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से जूझ रहे

चिंताजनक है वनों पर अतिक्रमण

सुनील कुमार महला

> देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,056 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, जो दिल्ली के कुल क्षेत्रफल से भी अधिक है, यह चिंताजनक है। जानकारी मिलती है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 5,460 .9 वर्ग किमी वन भूमि पर कब्जा है, जबकि 409 वर्ग किमी भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई रिपोर्ट कहीं न कहीं देश में वनों के अतिक्रमण की भयावह स्थिति को उजागर करती है

वन क्षेत्र संकट में हैं। इन पर अतिक्रमण हो रहा है, यह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,056 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, जो दिल्ली के कुल क्षेत्रफल से भी अधिक है, यह चिंताजनक है। जानकारी मिलती है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 5,460.9 वर्ग किमी वन भूमि पर कब्जा है, जबकि 409 वर्ग किमी भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई रिपोर्ट कहीं न कहीं देश में वनों के अतिक्रमण की भयावह स्थिति को उजागर करती है। ऐसे में, सरकारों का इस मुद्दे पर गंभीर होना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि हम भी पर्यावरण के प्रति जागरूक बनें। 13,056 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर चिंताजनक इसलिए भी है क्यों कि आज हम लगातार ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह इतना बड़ा क्षेत्र है कि इतने में नौ दिल्ली (कुल क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किमी.) बसाई जा सकती हैं। यह जमीन दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल भौगोलिक क्षेत्र से भी अधिक है। रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। पाठकों को बताता चलूं कि अभी 10 राज्यों ने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। एनजीटी ने पिछले साल एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए यह बताया गया था कि देश में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किमी.) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जो दिल्ली के आकार की तुलना में पांच गुना अधिक है। हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि वन हैं तो हम हैं। कहना ग़लत नहीं होगा वन जहां प्रदूषण को नियंत्रित करने में अहम् भूमिका का निर्वहन करते हैं, वहीं दूसरी ओर वन वैश्विक जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं, ये वर्षा तथा सूखे को नियंत्रित करते हैं। वनों से भोजन, दवाइयां, विभिन्न उत्पाद, लकड़ी, गोंद तो प्राप्त होते ही हैं, वहीं साथ ही साथ ये कई जीवों के लिए प्राकृतिक आवास हैं तथा वनों से हमें रोज़गार भी मिलता है।ये मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करते हैं। इतना ही नहीं, वन समुदायों को भूस्खलन और बाढ़ से भी बचाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वन हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र का मुख्य आधार हैं, जो जैव-

विविधता को तो संरक्षित रखते ही हैं, जलवायु में आ रहे बदलावों से निपटने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और अनगिनत प्रजातियों को आश्रय भी देते हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में आई रिपोर्ट में जिन राज्यों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई है, उनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मध्यप्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं तथा जिन राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों ने अभी भी वन अतिक्रमण का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है, उनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वन क्षेत्र या रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (आरएफए) में सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर वन के रूप में नामित भूमि शामिल होती है, भले ही उस पर पेड़ न हों। गौरतलब है कि आरएफए को क्रमशः तीन श्रेणियों आरक्षित वन(जिन्हें पूर्ण संरक्षण प्राप्त है और जहां शिकार और चराई जैसी गतिविधियों पर आमतौर पर प्रतिबंध है) संरक्षित वन(जहां कुछ गतिविधियों की अनुमति है, जब तक कि उन्हें विशेष रूप से प्रतिबंधित न किया गया हो) तथा अवर्गीकृत वन(जिन्हें आरक्षित या संरक्षित के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है) को शामिल किया गया है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 5,460.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। इसमें कहा गया है कि असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर, कर्नाटक में 863.08 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 575.54 वर्ग किलोमीटर, अरुणाचल प्रदेश में 534.9 वर्ग किलोमीटर, ओडिशा में 405.07 वर्ग किलोमीटर, उत्तर प्रदेश में 264.97 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 247.72 वर्ग किलोमीटर, झारखंड में 200.40 वर्ग किलोमीटर और छत्तीसगढ़ में 168.91 वर्ग किलोमीटर वन भूमि पर अतिक्रमण है। कहना चाहूंगा कि आज देश में वनों की अवैध और अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा है। पिछले कुछ सालों से देश के कृषि क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, इससे भी वन क्षेत्रों में कहीं न कहीं कमी आई है। शहरीकरण और औधोगिकीकरण से भी वन क्षेत्रों पर कहीं न कहीं प्रभाव पड़ा ही है। आज देश में खनन कार्य हो रहें हैं, बांध व सड़कें बनाई जा रही हैं। कहना चाहूंगा कि खनन और बुनियादी ढांचे के विकास के नाम पर जिस तेजी से वनों का दोहन बढ़ रहा है, वह वाकई चिंता का विषय है।सच तो यह है कि आज हम पर्यावरण संरक्षण पर उस अनुरूप ध्यान नहीं दे पा रहे हैं,जिस अनुरूप उस पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।सच तो यह है कि पर्यावरण पर ध्यान देने के लिए, हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाने होंगे। इसके लिए, हमें पर्यावरण के बारे में जागरूक होना होगा और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने यथेष्ठ व नायाब कदम उठाने होंगे और यह तभी संभव हो सकता है जब हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति कृतसंकल्पित हों। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम पर्यावरण संरक्षण को लेकर कहीं न कहीं लापरवाही बरत रहे हैं, जबकि हमें अपनी धरती के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति हमेशा सजग व जागरूक होना चाहिए। अन्यथा आने वाली पीढ़ियां हमें कोसेगी। संस्कृत में पेड़ों/वनों का महत्व बताते हुए खूबसूरत शब्दों में क्या खूब कहा गया है कि -'इह पुष्पिताः फलवन्तः च मानवान्तर्पयन्ति, वृक्षाः वृक्षदं पुत्रवत् परत्र च तारयन्ति।' इसका मतलब यह है कि फल और फूल देने वाले पेड़ मनुष्यों को तृप्त करते हैं, लेकिन आज हम वनों का अतिक्रमण कर रहे हैं,यह ठीक नहीं है। हाल फिलहाल,चिंता इस बात को लेकर भी है कि बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत करीब दस राज्यों ने तो अभी वन अतिक्रमण क्षेत्र की जानकारी तक नहीं उपलब्ध कराई है। जाहिर है कि इन राज्यों में वनों के अतिक्रमण के आंकड़े जुड़ने के बाद तो देश में वनों की स्थिति और भी अधिक भयावह हो सकती है।

दृष्टि कोण

अब भी संपूर्ण स्वास्थ्य की उम्मीद में दुनिया

स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य' के विभिन्न पहलुओं पर यदि ध्यान दें तो निश्चित ही नवजात शिशु एवं माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड एवं गांवों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचों को और मज़बूत करना होगा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय बनाना होगा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को और जवाबदेह बनाना होगा। सभी सरकारों को अपना स्वास्थ्य बजट सम्मानजनक तरीके से जीडीपी के अनुसार बढ़ाना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुचित पोषण और दवा के अभाव में कोई भी शिशु या गर्भवती मां अथवा व्यक्ति की असमय मृत्यु न हो। स्वास्थ्य और उपचार की सर्वसुलभता सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगीरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनायी थी जिसके अंतर्गत विभिन्न रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन लंबे समय से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' का संचालन भी किया जा रहा है, इन सबके बावजूद जनस्वास्थ्य को हम सही दिशा नहीं दे पा रहे हैं। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं तथा नवजात शिशुओं और बच्चों की रुग्णता व मृत्यु दर को कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। वर्ष 2025 के स्वास्थ्य लक्ष्य की घोषणा करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ही गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन चाहता है कि दुनिया भर में नवजात शिशुओं और माताओं का स्वास्थ्य बेहतर हो ताकि भविष्य की आबादी में स्वस्थ लोगों की अच्छी संख्या हो। हम जानते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज और सरकारें सदैव दोयम दर्जे की दृष्टि रखते हैं।

हालांकि, पश्चिमी देशों में महिलाओं की स्थिति काफ़ी बेहतर है लेकिन भारत एवं एशियाई देशों में महिलाओं को स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए पुरुषों की अपेक्षा ज़्यादा जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज़ादी के बाद से अब तक भारत में दो बार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण हुए। इसमें केंद्र सरकार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान ने भी हिस्सा लिया। सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित इन सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु के जन्म पर लगभग 540 माताओं की मृत्यु हो जाती है। भारत में औरतों की नाजुक सेहत की वजह जानने के लिए उनकी ज़िंदगी पर जन्म के बाद से ही नज़र दौड़ानी होगी। जानी मानी फ्रेंच लेखिका शिमोन द बौवार कहती हैं कि 'औरत की सेहत इसलिए ख़राब है क्योंकि वह स्त्री है।' हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आधुनिकीकरण एवं अन्य कई कारणों से भी कई पुराने रोग पुनः नए रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। अनेक प्रयासों के बावजूद हम वर्षों पुराने मच्छर जनित रोग मलेरिया, डेंगू आदि से उबर नहीं पाए हैं। तथाकथित आधुनिक जीवनशैली के कई रोग जैसे डायबिटीज़ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, एड्स आदि बढ़ते ही जा रहे हैं। खान-पान की गड़बड़ी की वजह से पेट के कई घातक रोग बढ़ गए हैं। मानसिक रोगों की भी यही स्थिति है। बहुत ही कम उम्र के युवा और नौजवान अवसाद और अनिद्रा, तनाव आदि के शिकार हैं। युवाओं में घातक नशे का बढ़ता प्रचलन भी स्वास्थ्य की चुनौती के रूप में खड़ा है। सरकार और समुदाय यदि इस पर ध्यान नहीं देते तो स्थिति भयावह होगी। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि मानव स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर हमारी सरकारें क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठ कर व्यापक जनहित में कार्य करेंगी।

कुछ अलग

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं।

देश दुनिया से

मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

हालांकि जेनेरेटिव एआई टूल– जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं – पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निर्देशावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा। 'लेंसा' जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मज़ेदार दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं। कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है। एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित 'उचित इस्तेमाल' प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं। दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है। पेंटिंग हो या कोई किताब, कार्टून चरित्र या फिर संगीत का मुखड़ा, यह सब किसी कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूप हैं। यह सभी सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और संदर्भ से उत्पन्न हुए होते हैं। उदाहरण के लिए, घिबली स्टूडियो का काम जापानी समाज और संस्कृति का एक नमूना है, यह ठीक वैसा है जैसा कि वॉल्ट डिज़्नी स्टूडियो की रचनाएं अमेरिकी संस्कृति को दर्शाती हैं। ऐसे रचनात्मक कार्यों को किसी मशीन या एआई सिस्टम को बनाने के लिए सौंप देना मानवीय रचनात्मकता और जुनून के मूल विचार के विरुद्ध है। एक कलाकार को एक पेंटिंग पूरी करने में महीनों लग सकते हैं या एक लेखक को एक उपन्यास अथवा गैर-काल्पनिक किताब लिखने में कई साल लग सकते हैं। कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और यह करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं। प्रत्येक नए जेनेरेटिव मॉडल बनने के साथ– जो सृजनकर्ताओं के अनगिनत काम और मेहनत पर आधारित होता है– एआई कंपनियों की दौलत में खरबों डॉलर का इजाफा हो जाता है। वे इन मॉडलों को प्रति संस्करण हज़ारों डॉलर मूल्य में दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को बेच रही हैं, जबकि मूल सृजनकर्ता के पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इमेज जेनेरेटर खुद कलाकार नहीं हैं, लेकिन कलाकारों के लिए एक चुनौती हैं। एआई टूल के मुफ़्त संस्करणों के उपयोग से निर्मित छवियों के साथ डिजिटल दुनिया में मची रेलमपेल, जैसा कि घिबली कला के मामले में हुआ पड़ा है, प्रौद्योगिकी कंपनियां ऐसी मशीन-जेनेरेटेड कला को सामान्य बनाना चाहती हैं। व्यावसायिक फिल्म स्टूडियो और नेटवर्क उन्हें सिर्फ श्रम लागत बचाने की गर्ज से अपना रहे हैं। वे एनिमेटरों की फौज को काम पर रखने की बजाय एआई तकनीक में पारंगत चंद लोगों से काम चलाने लगी हैं। इस प्रवृत्ति से भारत में भी खतरे की घंटी बज जानी चाहिए, क्योंकि हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ हॉलीवुड स्टूडियो के लिए आउटसोर्स ठेके पर एनिमेशन कार्य में लगे हुए हैं। हालांकि, वे भी कंप्यूटर ग्राफिक्स और अन्य टूल्स का उपयोग करते हैं। लेकिन जेनेरेटिव एआईटूल स्वचालित होने की वजह से सब कुछ बनाना किसी दूसरे ही स्तर पर पहुंच चुका है। इस समस्या का हल आसान नहीं है। कॉपीराइट को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ना विकल्पों में से एक हो सकता है। डाटा सुरक्षा कानून और एआई नियंत्रक धाराओं को हर नए विकास के साथ सामंजस्य बिठाने में खपना पड़ रहा है। किताबों और संगीत जैसे रचनात्मक कार्यों के कुछ प्रकाशक एवं कॉपीराइट धारक एआई कंपनियों के साथ औपचारिक समझौते करने में लगे हैं ताकि एआई सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने में उनकी किताबों और अन्य काम का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के एवज में राजस्व-साझाकरण सुनिश्चित हो सके। उन्हें लगता है कि जब तकनीक बनाने वाली कंपनियां डाटा प्रशिक्षण के लिए उनके काम का उपयोग पहले ही बिना पूछे कर रही हैं, तो क्यों न इसे औपचारिक रूप दे दिया जाए और उनकी कमाई में हिस्सा बांट लिया जाए। डाटा प्रशिक्षण के लिए किसी के काम का इस्तेमाल करने की अनुमति आपसी सहमति से देना भी एक अन्य विकल्प है, खासकर जब मामला व्यक्तिगत कलाकारों के काम का हो। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों को भी उपयोगकर्ताओं को एआई-जनरेटेड छवियों, वीडियो और एनिमेशन बनाने की खुली छूट देने के प्रति अधिक संवेदनशील होना पड़ेगा। घिबली ट्रेंड हानिरहित और प्यारा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है।

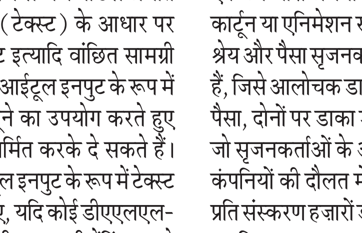

आप का नजरिया

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

कुत्ते को बचाने के लिए 6 फीट लंबे मगरमच्छ के ऊपर कूदी महिला

फ्लोरिडा ,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

एक महिला ने अपने पालतू जानवर को मगरमच्छ के हमले से बचाने के लिए जान जोखिम में डाल दी। यह घटना उस वक्त हुई जब वह शाम की सैर पर निकली थी। टाम्पा की रहने वाली किम्बर्ली स्पेंसर स्कूल में टीचर हैं। वह अपने कुत्ते कोना के साथ वेस्टवुड लेक्स इलाके में स्थित तालाब के पास टहल रही थीं। इसी दौरान एक मगरमच्छ अचानक पानी से बाहर निकला और उन पर हमला कर दिया। वह 6.5 फीट लंबा रहा होगा। किम्बर्ली के मुताबिक मुझे हमेशा मगरमच्छों, सांपों और ऐसी चीजों से डर लगता रहा है। मैं प्रकृति प्रेमी नहीं हूं। लेकिन जब अपने कुत्ते की जान खतरे में देखी, तो मेरा डर गायब हो गया। मैं अपने कुत्ते के साथ टहल रही थी। मुझे कुछ भी चिंताजनक नहीं लगा। अचानक आवाज आई और 10 फीट की दूरी से मैंने उसकी आंखें देखीं। मैंने देखा कि मगरमच्छ तेजी से मेरी ओर बढ़ रहा है। मैंने कोना को खींचने की कोशिश की, मगर मगरमच्छ ने उसके सिर और ऊपरी शरीर को अपने जबड़ों में जकड़ लिया। किम्बर्ली ने बताया कि मगरमच्छ का मुंह खुला हुआ था। उसने मेरे कुत्ते कोना को जकड़ लिया था। मैं उसकी पीठ पर कूद गई और उसके जबड़े खोल दिए। इसके बाद मैंने मगरमच्छ का मुंह बंद कर दिया और उसे पकड़े रही। आखिरकार मगरमच्छ पानी में वापस चला गया। किम्बर्ली के दोनों हाथों में काटने के निशान पड़ गए हैं, लेकिन इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। कोना को पशु डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां उसके कंधे की चोटों में टांके लगाए गए। किम्बर्ली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह ठीक हो जाएगा। मैं कभी उसे नुकसान नहीं होने दूंगी।

फ्लोरिडा का मामला : शाम के समय कुत्ते के साथ टहलने निकली थी महिला

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में भारतीय युवक की रोकलैंड टाउन में हत्या, आरोपी गिरफ्तार, भारतीय उच्चायोग ने घटना पर दुःख व्यक्त किया

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा के पास स्थित रॉकलैंड टाउन में एक भारतीय युवक की क्रूरता से हत्या कर दी गई। गुजरात के भावनगर से आये धर्मेश कथिरेया की अपने घर से निकलते वक्त हमलावर ने उन्हें चाकू से गोदकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने पहले भी धर्मेश और उनकी पत्नी पर दिया था नस्लभेदी टिप्पणियां। धर्मेश का मृतक शरीर मिलने के बाद रेस्तरां ने शोक जताते हुए अस्थायी रूप से संचालन बंद कर दिया। भारतीय उच्चायोग ने घटना पर दु:ख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को मदद का आश्वासन दिया। पुलिस ने हमलावर को हिरासत में लिया है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। धर्मेश ने एक साल पहले शादी की थी और वे नए जीवन की शुरुआत करने के लिए कनाडा आए थे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में धर्मेश की पत्नी की चीखें सुनाई दे रही हैं। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस ने घटना को संभावित नस्लीय अपराध के तौर पर दर्ज किया है और वे इस मामले में गहराई से जाँच कर रहे हैं। आरोपी का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बच्चे के पेट में मिला एक और अधूरे रूप से विकसित भ्रूण

काबुल। दो महीने के एक बच्चे के पेट में सूजन देख उसके माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर द्वारा बच्चे की जब जांच की गई तो जो सच्चाई सामने आई, तो सभी हैरान रह गए। दरअसल बच्चे के पेट में एक और अधूरे रूप से विकसित भ्रूण मौजूद था। शुरुआत में डॉक्टरों ने इसे विलम्स ट्यूमर समझकर इलाज शुरू किया, जो किडनी की बीमारी से जुड़ी एक समस्या होती है। लेकिन सीटी स्कैन करने के बाद असलियत पता चली। डॉक्टरों को बच्चे के पेट में सॉफ्ट टिशू, फैट और हड्डियां दिखीं। यहां तक कि रीढ़ की हड्डी और चेहरे की संरचना भी बनी हुई थी। गहन जांच के बाद डॉक्टरों ने पाया कि यह भ्रूण उसी बच्चे का जुड़वा भाई था, जो गर्भ के दौरान सही तरीके से विकसित नहीं हो पाया था। मेडिकल भाषा में इसे 'फीटस इन फिटु' कहा जाता है। यह एक दुर्लभ स्थिति होती है, जिसमें एक भ्रूण दूसरे भ्रूण के अंदर ही विकसित होने लगता है। दुनियाभर में अब तक ऐसे 200 से भी कम मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी करने का फैसला लिया और बच्चे को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन किया गया। इस दौरान डॉक्टरों को भ्रूण की रीढ़ की हड्डी, चेहरे की हड्डियां, हाथ-पैर और यहां तक कि सिर पर बाल भी विकसित अवस्था में मिले। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब गर्भ में दो भ्रूण विकसित हो रहे होते हैं, लेकिन किसी कारणवश एक भ्रूण पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता और दूसरे भ्रूण के अंदर समा जाता है। जब बच्चा जन्म लेता है, तो यह अधूरे रूप से विकसित भ्रूण उसके शरीर के अंदर ही रह जाता है।

टैरिफ को लेकर सोमवार को अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू

तेल अवीव। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर अंतर्राष्ट्रीय जगत में खलबली का आलम है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के व्हाइट हाउस आ सकते हैं। इसके लिए इजराइल सरकार ने तैयारी शुरू कर दी हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दो अप्रैल को अपने नए टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कई देश खासा दवाब महसूस कर रहे हैं। उनमें इजराइल भी है। सूत्रों का दावा है कि दो इजराइली अधिकारियों व एक व्हाइट हाउस के अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को टैरिफ के मुद्दे पर बात करने व्हाइट हाउस आ सकते हैं। उधर इजराइल के समाचार सेवा अरुत्ज का कहना हैं कि टैरिफ के ऐलान के बाद यह पहली बार होगा कि किसी देश के प्रमुख ट्रम्प से मिलने जाएंगे। साथ ही बातचीत से मुद्दे का हल तलाश करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने 60 देशों पर नए टैरिफ की घोषणा की है।

ट्रंप ने यूक्रेनियों से कहा– एक हफ्ते में निकल जाओ, वरना..

वॉशिंगटन,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका में रह रहे यूक्रेनियों को तब झटका लगा, जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से उन्हें तत्काल प्रभाव में देश छोड़ देने का आदेश आया। अमेरिका में अस्थायी मानवीय वीज़ा के तहत रह रहे कई यूक्रेनी नागरिकों को इस सप्ताह एक ईमेल मिला, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया था। ईमेल में चेतावनी दी गई कि यदि वे देश नहीं छोड़ते, तो संघीय सरकार आपको ढूंढ निकालेगी। इस सख्त भाषा वाले संदेश से यूक्रेनी समुदाय में दहशत फैल गई।

इस संदेश से यूक्रेनी नागरिकों में खौफ फैल गया। एक महिला ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, मैं सांस नहीं ले पा रही थी और लगातार रो रही थी। मैं सोच रही थी कि मैंने क्या गलती की है, जबकि मेरा रिकॉर्ड साफ है – सोशल मीडिया पर भी कुछ नहीं पोस्ट करती। हालांकि अगले ही दिन अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने सफाई देते हुए कहा कि यह मेल गलती से भेजा गया था और यूक्रेनी पैरोल कार्यक्रम अभी भी जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया कि उनके पैरोल की शर्तों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिकों को मानवीय आधार पर शरण दी है। लेकिन हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली प्रशासन की योजना सामने आई थी, जिसमें लगभग 2.4 लाख यूक्रेनी शरणार्थियों की अस्थायी वैध स्थिति समाप्त करने की बात कही गई थी। गलती से भेजे गए ईमेल में कहा गया था, यदि आप तुरंत अमेरिका नहीं छोड़ते हैं, तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आपको देश से निकाल दिया जाएगा

गाजा में यूएन कर्मियों को गोलियों से भूना, शवों संग दरिंदगी भी, हमले में 15 मेडिकल व आपातकालीन कर्मियों की मौत हुई थी

गाजा। गाजा के राफा क्षेत्र में 23 मार्च को हुआ एक दिल दहला देने वाला हमला अब अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस हमले में 15 मेडिकल व आपातकालीन कर्मियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद उनके शवों को रेत में दफनाया गया। आईडीएफ ने पहले आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई का दावा किया था, लेकिन बाद में गलती स्वीकार की है। इसके बाद, वीडियो के आमने-सामने आने से हालात और भी उभरे हैं, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर गंभीर चिंता जता रहा है। इस घटना ने सुरक्षित घाटी की सामाजिक चुप्पी को तोड़ दिया है और डोडा गेहराई में लोगों की आवाज उठने लगी है। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट, संयुक्त राष्ट्र, और अन्य संगठनों के द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है, जो संभावना है कि इजरायली सेना की दावों पर पर्दा उठाएगी। आईडीएफ ने वादा किया है कि घटना की समग्र जांच की जाएगी ताकि सच्चाई सामने आ सके। यह घटना उस सच्चाई का पर्दाफाश किया है जो कई वर्षों से गाजा के क्षेत्र में चल रही है। जरूरत है कि सुरक्षित घाटी की जनता को न्याय और सुरक्षा की व्यवस्था मिले, और उनकी मानवीयता का सम्मान किया जाए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सहयोग करते हुए, इस घटना की पूरी और साक्षात्कारिक जांच की आवश्यकता है जो सच्चाई का पर्दाफाश करे।

मलेशिया में मिला खतरनाक बैक्टीरिया, लोगों के खून और लंग्स में इंफेक्शन कर रहा

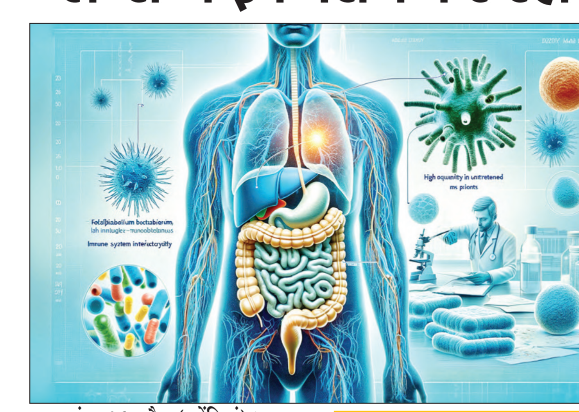

लंदन,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मलेशिया में एक अस्पताल में मिले सुपरबग ने पूरी दुनिया में दशहत मचा दी है। यह एक खतरनाक बैक्टीरिया है, जिसकी वजह से लोगों के खून और लंग्स में इंफेक्शन हो रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह बैक्टीरिया एंटीबायोटिक रजिस्टेंट हो गया है और इसका इंफेक्शन होने पर एंटीबायोटिक दवाएं भी असर नहीं करती है। नई रिसर्च में पता चला है कि यह खतरनाक बैक्टीरिया दुनियाभर में लोगों के लिए खतरा बन सकता है। चिंता की बात यह है कि यह सुपरबग दुनिया के अधिकतर हिस्सों में मौजूद है और इसका खतरा कम पैसे वाले देशों में ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक टेरेंग्गानू स्थित अस्पताल में ए बाउमानी बैक्टीरिया का नया स्ट्रेन मिला है। यह दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पाया जाता है और यह गंभीर इंफेक्शन का कारण होता है। वैज्ञानिकों ने 2011 से 2020 तक बैक्टीरिया के 126 सैंपल इकट्ठा किए थे, जिसके एनालिसिस में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। रिसर्च करने वाले जानकारों का कहना है कि ए बाउमानी स्ट्रेन कई एंटीबायोटिक्स के प्रति रजिस्टेंट है। इस इंफेक्शन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मुख्य दवाएं कार्बापेनेम्स भी इस पर काम नहीं कर रही हैं।

दहशत में वैज्ञानिक, एंटीबायोटिक दवाएं भी असर नहीं करती

वैज्ञानिकों के अनुसार इस खतरनाक बैक्टीरिया के इंफेक्शन को रोकना और असरदार ट्रीटमेंट डेवलप करना बेहद जरूरी है। ए बाउमानी लगातार नए प्रतिरोध तंत्र विकसित कर रहा है, जिससे कई देशों को इस वायरस को ट्रैक करना भी मुश्किल हो रहा है। शोधकर्ताओं के अनुसार स्टडी से स्पष्ट होता है कि ए बाउमानी बैक्टीरिया का खतरनाक स्ट्रेन अस्पतालों में फैलता जा रहा है। इसके बावजूद कम और मध्यम आय वाले देशों से ए बाउमानी पर बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। इस बैक्टीरिया को लगातार ट्रैक करना बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिकों के अनुसार ए बाउमानी बैक्टीरिया खून, फेफड़ों, यूरिनरी ट्रैक्ट और घावों में संक्रमण पैदा कर सकता है। यह संक्रमण आमतौर पर अस्पतालों जैसी स्वास्थ्य देखभाल वाली जगहों में पाया जाता है।

भारतीय मूल के जज अमेरिका में गिरफ्तार

भारतूय मूल के जज केपी जार्ज को अमेरिका में गिरफ्तार करने की खबर है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। उधर जार्ज ने इसे राजनीतिक साजिश करार बताते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। मामला अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी का है। डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के मुताबिक भारतीय मूल के जार्ज पर कथित तौर पर 30 हजार से 1.5 लाख डालर की मनी लांड्रिंग का आरोप है। इसके अलावा उन पर वायर फ्राड और चुनावी फंडिंग में गड़बड़ी के भी कथित आरोप लगे हैं। उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल 20 हजार डालर की जमानत पर रिहा कर दिया गया है। अमेरिकी कानूनों के मुताबिक यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें दस साल की कैद हो सकती है। केपी जार्ज 2018 से काउंटी जज के पद पर कार्यरत हैं।

5 माह से था सिर में दर्द फिर दिखना हो गया बंद, घबराकर पहुंचा अस्पताल

डॉक्टरों ने सिटी स्कैन किया तो रह गए हैरान, अब वीडियो हो रहा वायरल

वियतनाम,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

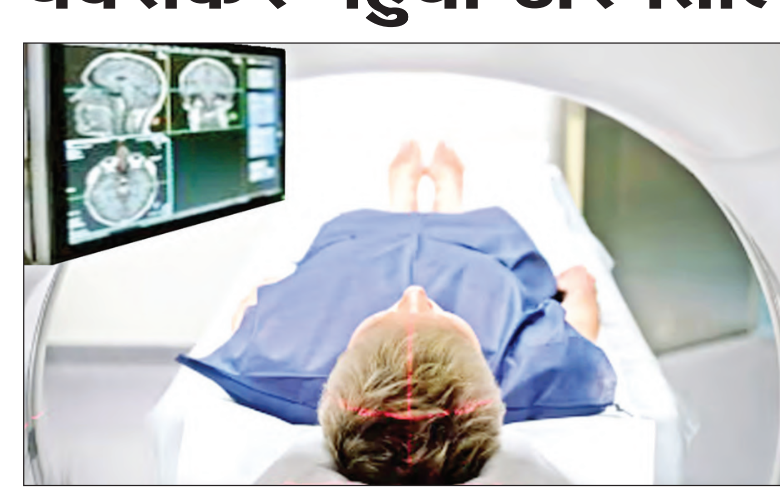

सोशल मीडिया पर एक अजीब खबर सुनकर लोग हैरान है। मामला कुछ ऐसा है कि वियतनाम में एक 35 साल के व्यक्ति को 5 महीने से सिर में तेज दर्द था। इससे बचने के लिए वह दर्द की दवाई खाता रहा, लेकिन धीरे-धीरे उसके आंखों की रौशनी कम होने लगी और उसे दिखना बंद हो गया।

इस दौरान उसकी नाक से पानी जैसा पदार्थ बहने लगा। उसे समझ नहीं आ रहा था कि ये सब क्यों हो रहा है। वह डर गया और अस्पताल पहुंचा, लेकिन जब वह अस्पताल पहुंचा तो जो सच सामने आया, उसे सुनकर सब हैरान रह गए।

सिटी स्कैन रिपोर्ट देखकर उसे पांच महीने पुरानी वह घटना याद आ गई, जिसकी वजह से ये सबकुछ हो रहा था। दरअसल, सिटी स्कैन में दिखा कि उसके दिमाग में एक जोड़ी चॉपस्टिक्स फंसी हुई थी, जो उसकी नाक से होते हुए दिमाग तक चली गई थी। अस्पताल ने व्यक्ति के नाम का खुलासा नहीं किया है, डॉक्टरों को बताया कि उसे 5 महीने से सिर में दर्द हो रहा था। आंखों से दिखना बंद हो गया था और नाक से कुछ तरल पदार्थ बह रहा था। डॉक्टरों को सीटी स्कैन से पता चला कि उसके दिमाग में हवा भर रही थी, जिसे टेंशन न्यूमोसेफालस कहते हैं। ये एक खतरनाक बीमारी है। साथ ही, स्कैन में दो अजीब चीजें दिखीं, जो उसकी नाक से दिमाग तक जा रही थी।

डॉक्टरों ने गौर से देखा तो पता चला कि ये टूटी हुई चॉपस्टिक्स थी।

सोशल मीडिया पर व्यक्ति के साथ घटित इस विचित्र घटना तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि, जब इस मामले की जांच हुई तो पाया कि ये घटना साल 2023 की है। उस दौरान अस्पताल में डॉक्टरों ने उससे पूछा कि ये चॉपस्टिक्स उसके दिमाग में कैसे पहुंची उसे 5 महीने पहले की घटना याद आ गई।

शहबाज की सांसें अटकीं आर्मी की ब्रेन फैक्ट्री में दस्तक देंगे बलूच बिद्रोही

कराची,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

क्वेटा में पाकिस्तानी सेना का प्रमुख कमांड सेंटर और मिलिट्री बेस है। यहीं पर क्वेटा स्टाफ कॉलेज भी है, जिसे पाकिस्तान आर्मी की 'ब्रेन फैक्ट्री' कहा जाता है। यहीं पर सेना बलूच विद्रोहियों पर हमले की रणनीति बनाती है। अगर यहां बलूच विद्रोही पहुंच गए तो तबाही के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। बलूच विद्रोहियों की प्रमुख पार्टी बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल के अध्यक्ष सरदार अख्तर मेंगल ने 6 अप्रैल को क्वेटा की ओर कूच करने का ऐलान किया है। उनका मकसद महरंग बलोच समेत बंद कार्यकर्ताओं को छुड़ाना है।

इस ऐलान ने शहबाज सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी है। बीएनपी-मेंगल के चीफ सरदार अख्तर मेंगल ने कहा, हम अब विद्रोहियों को और रौंदने नहीं देंगे। पाकिस्तानी सेना और सरकार हमारे नेताओं को निशाना बना रही है। हम ये बर्दाश्त नहीं कर सकते और अब आरपार की जंग होगी। हाल ही में महरंग बलूच समेत कई बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और जबरन गायब करने की घटनाओं ने बलूच समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है। मेंगल ने कहा, क्वेटा तक मार्च हमारा हक है। अब हमारी आवाज सेना के गढ़ में गूंजेगी। अगर वे हमें रोकेंगे, तो यह उनकी क्रूरता का सबूत होगा। यह कूच वाध से शुरू होकर क्वेटा तक जाएगा, जिसमें हजारों बलूच प्रदर्शनकारी शामिल हो सकते हैं। क्वेटा न केवल बलूचिस्तान की राजधानी है, बल्कि पाकिस्तानी सेना का रणनीतिक केंद्र भी है। यहां स्थित मिलिट्री बेस और कमांड सेंटर से बलूच विद्रोह को दबाने की योजनाएं बनती हैं। अगर बीएनपी-मेंगल और बलूच विद्रोही क्वेटा तक पहुंचते हैं, तो यह सेना की साख और कंट्रोल पर बड़ा सवाल खड़ा करेगा। जाफर एक्सप्रेस हाईजैकिंग के बाद सेना पहले ही दबाव में है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्वेटा में प्रदर्शन सेना के लिए 'घर में घुसकर चुनौती' जैसा होगा। एक सैन्य विश्लेषक ने कहा, अगर बलूच विद्रोही क्वेटा में भीड़ जुटाने में कामयाब रहे, तो यह सेना की विफलता का प्रतीक बनेगा। अगर 6 अप्रैल को क्वेटा कूच होता है, तो इसके दो नतीजे हो सकते हैं। पहला, सेना बल प्रयोग करके प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश करेगी, जिससे हिंसा भड़क सकती है और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे सशस्त्र समूह सक्रिय हो सकते हैं। दूसरा, अगर प्रदर्शनकारी क्वेटा पहुंच गए, तो यह बलूच आंदोलन की बड़ी जीत होगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर आकर्षित होगा। बलूचिस्तान में पहले से ही तनाव चरम पर है।

गुजरात ने हैदराबाद को उसके घर में किया शर्मसार, 18वें सीजन में लगाई जीत की हैट्रिक

हैदराबाद,06 अप्रैल (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज (4/17) की घातक गेंदबाजी के बाद वॉशिंगटन सुंदर की तूफानी बैटिंग से गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 18वें मैच में गुजरात की टीम ने टॉस जीतने के बाद सनराइजर्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स की टीम निर्धारित 20 ओवर के खेल में जैसे-तैसे 152 रन का स्कोर बना पाई। इसके जवाब में गुजरात ने शानदार खेल दिखाते हुए 3.2 ओवर शेष रहते ही मैच को अपने नाम कर लिया। 18वें सीजन में गुजरात की टीम की ये 4 मैचों में से तीसरी जीत है। वहीं सनराइजर्स को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।मुकाबले में सनराइजर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। शानदार फॉर्म में चल रहे साई सुदर्शन इस मैच में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। सुदर्शन 9 गेंद में 5 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि जोस बटलर का खाता भी नहीं खुल पाया। दो शुरुआती विकेट के बाद ऐसा लगा कि सनराइजर्स ने अपना दबदबा बना लिया है, लेकिन सुंदर और कप्तान शुभमन गिल ने क्रीज पर अपने पैर जमा लिए।आईपीएल 2025 में वॉशिंगटन सुंदर को गुजरात के लिए पहले मैच में खेलने का मौका मिला था। इस मौके को सुदंर ने दोनों हाथों से लपका। टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने उतरे सुंदर ने गुजरात के लिए चौके-छक्के की बारिश करते हुए 29 गेंद में 49 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के भी लगाए। उनकी इस बैटिंग के कारण सनराइजर्स के हाथ से मैच फिसलता हुए चला गया।इस दौरान गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने भी अपना दम दिखाया। गिल ने बल्लेबाजी में सुंदर का बेहतरीन साथ निभाया। कप्तान गिल इससे पहले अपनी टीम के लिए रन बनाने को लेकर काफी संघर्ष करते हुए दिखे थे, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में उन्होंने 42 गेंद में 61 रनों की नाबाद पारी खेली। शुभमन गिल ने 38 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया था। इसके अलावा गुजरात की तरफ से शेफरन रदरफोर्ड ने भी 16 गेंद में 35 रनों का योगदान दिया।गुजरात के खिलाफ इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही साधारण रही। पहले बल्लेबाजी में टीम के खिलाड़ियों ने निराश किया। विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा सस्ते में पवेलियन लौट गए। सनराइजर्स के लिए अपने पहले मैच में शतक लगाने वाले ईशान किशन का बल्ला एक बार फिर से खामोश रहा।

न्यूज ब्रीफ

मुम्बई इंडियंस ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले बुमराह को शामिल किया

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। बुमराह को मुंबई इंडियंस ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शामिल किया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। अब आईपीएल के जरिये बुमराह की वापसी हो रही है। बुमराह पिछले पांच सप्ताह से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे। इस तेज गेंदबाज ने मुम्बई के साथ आने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट में साझा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अभ्यास मैच खेलने और उसके बाद मेडिकल टीम से अनुमति मिलने के बाद ही अपनी टीम के शिविर में शामिल हुए है पर अभी भी वह आरसीबी के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। माना जा रहा है कि आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलने का फैसला वह मुख् कोच महेला जयवर्धने से बातचीत के बाद करेंगे। साल 2013 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बुमराह मुम्बई के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने टीम की ओर से 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है दिल्ली शीर्ष , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 6 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम लगातार तीन मैच हारी है और वह अंकतालिका में 9वें नंबर पर खिसक गई है। वहीं पंजाब किंग्स की लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली है। इस हार से पंजाब की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर फिसल गई है। वहीं राजस्थान रॉयल्स सातवें नंबर पर बनी हुई है। आईपीएल अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स पहले और सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम 10वें नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है। मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट में 3 मैच हारी है। मुंबई के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें भी 3-3 मैच हारी हैं। आईपीएल 2025 की ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे अधिक 201 रन बनाकर पहले नंबर हैं। वहीं भारत के साई सुदर्शन 186 रन व ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श 184 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा पर्पल कैप की बात करें तो अफगानिस्तान के नूर अहमद 10 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट रेस में सबसे आगे हैं।

सीएसके का ये युवा गेंदबाज धोनी को मानता है क्रिकेटिंग फादर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम के ही

एक खिलाड़ी ने अपना क्रिकेटिंग फादर बताया है। ये खिलाड़ी कोई और नहीं, पेसर मथीशा पथिराना हैं। पथिराना ने आईपीएल 2022 में डेब्यू किया था। वे एडम मिल्ने के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े थे और इसके बाद से लगातार सीएसके के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं। मथीशा उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया था। सीएसके द्वारा जारी डॉक्यूमेंट्री में, पथिराना की मां ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से सीएसके के दिग्गज धोनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, धोनी के बारे में कोई शब्द नहीं है। वास्तव में वे भगवान की तरह। मथीशा, जिस तरह से पिता का सम्मान करता है, उसी तरह से वह धोनी का भी सम्मान करता है। पथिराना परिवार के लिए धोनी पिता की तरह हैं। 2022 में जब वे सीएसके का हिस्सा बने तब उन्हें अपने देश में भी ज्यादा लोग नहीं जानते थे। अब वे बड़ा नाम और पैसा कमा चुके हैं। पथिराना कहते हैं, धोनी मेरे पिता की तरह हैं, क्योंकि जब मैं सीएसकू में होता हूं तब वे मुझे बहुत समर्थन, मार्गदर्शन और सलाह देते हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मेरे पिता ने मेरे घर में किया था।

धर्मशाला में होंगे आईपीएल के तीन मैच क्रिकेट प्रेमी चौके-छक्के देखने को बेताब

4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा पंजाब का मुकाबला

कांगड़ा,06 अप्रैल (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में स्थित सुंदर स्टेडियम में आईपीएल सीजन 2025 के तीन मुकाबले खेले जाना हैं। ये मैच 4, 8 और 11 मई को खेले जाएंगे। इन मैचों को लेकर यहां के युवाओं में खासा उत्साह है। पंजाब किंग्स की टीम अपने दूसरे होम ग्राउंड यानी धर्मशाला के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलेगी। टीम 11 दिन यहीं रहेगी और तीन मैच खेलेगी। इस दौरान सात दिन अभ्यास कर मैदान और पिच को समझेगी।

एचपीसीए के सचिव ने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 4 मई को होने वाले मुकाबले से दो दिन पहले यानी 2 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। इससे पहले 27 अप्रैल को टीम मुंबई के खिलाफ मैच खेलेगी। 3 मई को लखनऊ की टीम अभ्यास करेगी और 4 मई को पंजाब के मुकाबला होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। 7 मई को अभ्यास करेगी और 8 मई को मैच खेलेगी। वहीं, मुंबई इंडियंस की टीम 8 या 9 मई को धर्मशाला पहुंचेगी और अभ्यास के बाद 11 मई को अपना मैच खेलेगी।

एचपीसीए के सचिव ने बताया कि पंजाब की टीम सबसे पहले धर्मशाला पहुंचेगी और 11 दिन वहीं रुकेगी! उन्होंने कहा कि अभी टीमों के अभ्यास का शेड्यूल तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इन तीन मैचों को लेकर हिमाचल और पंजाब के क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

भारत से टेस्ट सीरीज खेलने से पहले इंग्लैंड को झटका, स्टोन की होना है सर्जरी, तेज गेंदबाज नहीं होने से इंग्लैंड के पेस अटैक पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के बाद भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। यह सीरीज जून से शुरु होगी और अगस्त तक चलेगी। इस सीरीज से पहले इंग्लैंड टीम को झटका लगा है, क्योंकि भारत के खिलाफ इस सीरीज से पहले तेज गेंदबाज ओली स्टोन चोटिल हैं और उनका सीरीज में खेलना मुश्किल है। यह निराशाजनक है कि वह बार-बार फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच टेस्ट मैच खेले हैं। पिछला टेस्ट अगस्त-सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। अब तक वह टेस्ट में 17 विकेट ले चुके हैं। स्कैन से पता चला है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत पड़ेगी, जो कि इस हफ्ते होना है। उन्हें 14 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई हैं। ऐसे में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और नॉटिंघमशायर की मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रखे हैं। माना जा रहा है कि भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पेस अटैक पर इसका असर पड़ेगा। खासकर जब मार्क वुड और ब्रायडन कार्से जैसी और भी खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। भारतीय टीम और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 से 24 जून तक लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से 6 जुलाई बर्मिंघम में, तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से 14 जुलाई तक लंदन में, चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई मैनचेस्टर में और पांचवा और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लंदन में खेला जाएगा।

इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का साथ होना सौभाग्य की बात

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने की तारीफ

मुंबई,06 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मेंटर (मार्गदर्शक) राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेल रहे बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख खिलाड़ी हैं।

उन्होंने अपने करियर पर द्रविड़ के प्रभाव के बारे में पूर्व भारतीय दिग्गज को बेहतरीन इंसान और खिलाड़ी करार दिया। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का होना सौभाग्य की बात है। जायसवाल ने बताया कि द्रविड़ एक इंसान के तौर पर किस तरह दूसरों से अलग हैं। 'मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर है। वे एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है। वह खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरते हैं, उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे सही जगह पर हैं। वह सही मार्गदर्शन देते हैं, जो व्यक्तिगत करियर और पूरी टीम दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। द्रविड़ के साथ कोई भी बातचीत सीखने का मौका है। जायसवाल ने कहा, उनके करीब रहना सीखने का मौका है। यह सीख न केवल क्रिकेट के बारे में, बल्कि मैदान के बाहर उनके व्यवहार के बारे में भी है। उन्होंने वर्षों से इतनी शालीनता और संयम दिखाया है। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है। जायसवाल ने पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मुंबई से गोवा जाने का फैसला किया है और अगले सत्र में रणजी ट्रॉफी में उनकी कप्तानी करने के लिए तैयार हैं (जब भी उन्हें खेलने का समय मिलेगा)। जायसवाल के फैसले का कारण हालांकि पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसी अफवाहें हैं कि मुंबई की टीम के सीनियर सदस्यों के साथ उनके कुछ मतभेद हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर बहुत भरोसा है। अपने खेल, अपने विचारों और अपनी क्षमताओं पर पूरा यकीन है। क्रिकेट में बहुत त्याग की जरूरत होती है, लेकिन लोग तभी इस पर ध्यान देते हैं जब आप कुछ हासिल करते हैं या अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि सफल होने के लिए मुझे हर पहलू पर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है अब वह चाहे अभ्यास हो, प्रशिक्षण हो, आहार हो या मानसिकता हो।

जापान में फार्मुला वन रेस

जापान में फार्मुला वन रेस में जीत के बाद उत्साहित रेड बुल के मैक्स वर्सटेपन।

मोदी से मुलाकात को 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने सुखद बताया

कोलंबो,06 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने श्रीलंका दौरे में 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। इन खिलाड़ियों ने इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में साझा की है। इसमें नजर आ रहा है कि प्रधानमंत्री से मिलकर श्रीलंकाई खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। इन खिलाड़ियों ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया। मोदी से मुलाकात के बाद पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर मार्वन अटापट्टू ने कहा, यह एक असाधारण मुलाकात थी। हम भाग्यशाली हैं। हमने अपने करियर में दुनिया भर की यात्रा की है और कई क्रिकेटरों से मुलाकात की है पर भारत को आगे ले जाने वाले एक राष्ट्राध्यक्ष से मिलना अलग ही बाता है। ये किसी सपने केसच होने जैसा था।

वहीं एक अन्य पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर रोमेश कालूविथाराना भी मोदी से मुलाकात के बाद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, जब से मोदी शासन में आए हैं,बहुत सी चीजें बेहतर हुई हैं। इससे श्रीलंका को भी बहुत लाभ हुआ है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर चमिंडा वास ने कहा, 1996 विश्व कप विजेता टीम के रूप में उनसे मुलाकात होना और व्यक्तिगत रूप से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। हमने 1996 विश्व कप जीतने के समय ही उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को कैसे हराया, इस बारे में भी उन्हें बताया। हमने श्रीलंकाई क्रिकेट के भविष्य पर भी चर्चा की कुल मिलाकर ये बातचीत वाकई अच्छी रही।

टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सनथ जयसूर्या ने कहा, 1996 की क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना एक सुखद अनुभवी था। हमने कुछ चीजों पर बात की और हमने अपने क्रिकेट के बारे में बात की। यह हमारे लिए एक शानदार बैठक थी और हमारे लिए एक बेहतरीन अनुभव भी था, क्योंकि कुछ चीजें जो हमने सुनी थीं, उनके बारे में पीएम मोदी ने सब कुछ विस्तार से बताया कि उन्होंने भारत के लिए क्या किया। मोदी चौथी बार श्रीलंका यात्रा पर गये है। राष्ट्रपति दिसानायके के पद संभालने के बाद ये उनका पहला दौरा है। पिछले साल दिसंबर में अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने उन्हें इस यात्रा का निमंत्रण दिया था।

भारतीय हॉकी सितारों ने खेल के माध्यम से शांति का किया समर्थन

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां)।

हर साल 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारतीय हॉकी सितारे वैश्विक प्तव्हाइटकार्ड अभियान में शामिल हुए और खेल के माध्यम से शांति आंदोलन के लिए एकजुटता दिखाई। खेल में अन्य कार्डों की तरह व्हाइट कार्ड भी शक्तिशाली प्रतीकवाद रखता है लेकिन दंडात्मक कार्डों के विपरीत, व्हाइट कार्ड शांति, समावेश और आशा का प्रतीक है।

हॉकी इंडिया के अनुसार इस वर्ष का अभियान एक गंभीर वैश्विक मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करता है-460 मिलियन बच्चे संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं, जो खेल के मैदान जैसे सुरक्षित स्थानों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच से वंचित हैं। इन चुनौतीपूर्ण वातावरणों में, खेल सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक हो बन जाता है, यह एक जीवन रेखा बन जाता है, जो सहयोग, आपसी सम्मान और लचीलेपन जैसे कौशल का पोषण करता है।भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विशेष संदेश साझा किए। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने हॉकी इंडिया की ओर से बयान में कहा कि खेल में बाधाओं को तोड़ने और लोगों को एकजुट करने की शक्ति है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या भाषा कुछ भी हो। प्तव्हाइटकार्ड अभियान उन मूल्यों को दर्शाता है जिनके अनुसार हम मैदान पर और मैदान के बाहर जीते हैं- सम्मान, टीमवर्क और शांति। मुझे अपना व्हाइटकार्ड उठाने और हर जगह बच्चों के लिए एक अधिक समावेशी और सुरक्षित दुनिया का आह्वान करने में गर्व है। भारतीय टीम की गोलकीपर सविता ने कहा, मैंने खुद देखा है कि खेल किस तरह से जीवन को बदल देता है। इसने मुझे आत्मविश्वास और उद्देश्य दिया और यह संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए भी ऐसा ही कर सकता है।

व्हाइटकार्ड अभियान में शामिल होकर, हम इस संदेश को और अधिक फैलाने की उम्मीद करते हैं कि हर बच्चे को खेलने, सीखने और शांति से बढ़ने के लिए एक सुरक्षित स्थान मिलना चाहिए। टीम की उभरती हुई स्टार और ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने कहा, हॉकी के मैदान ने मुझे अनुशासन, साहस और सम्मान सिखाया। खेल सिर्फ़ पदक जीतने के बारे में नहीं है, यह चरित्र और समुदायों के निर्माण के बारे में है। यह प्तव्हाइटकार्ड अभियान शांति और अगली पीढ़ी के लिए एक उवल भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आरबीआई की समीक्षा बैठक के फैसले पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई,06 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ में ज्यादा बढ़ोतरी किये जाने से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध गहराने एवं आर्थिक मंदी की आशंका में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय पर नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत धीमी रही है, जिसका प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा अपेक्षा से अधिक टैरिफ लगाया जाना है। इससे आईटी और धातु जैसे क्षेत्रों ने व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं और संभावित जवाबी व्यापार कदमों की आशंका को दर्शाता है। निवेशक अब वैश्विक व्यापार साझेदारों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, जिससे भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना है।

भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना

इस सतर्क रुख का असर सोने और बॉन्ड जैसी निवेश के लिए सुरक्षित गंतव्य मानी जाने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़ते झुकाव में भी देखा जा रहा है, जहां कीमतों में निरंतर तेजी बनी हुई है। वहीं भारत पर लगाए गए टैरिफ की दर अन्य एशियाई देशों की तुलना में कम रही है, जो बाजार के लिए कुछ राहत की बात है। साथ ही निवेशकों की निगाहें आरबीआई की चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक पर भी टिकी हैं। यदि फैसला अनुकूल रहता है, तो ब्याज दर के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

संसदीय समिति की आलोचनाः जिला खनिज फाउंडेशन कोष के स्थानांतरण पर चिंता

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया है कि देश के कई राज्यों में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) कोष को खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित करने पर चिंता जताई है। समिति ने बताया कि कुछ राज्यों में डीएमएफ कोष का अन्यत्र इस्तेमाल हो रहा है, जो उसके मूल उद्देश्य से भिन्न है। डीएमएफ कोष का मूल उद्देश्य है खनन से प्रभावित प्रत्येक भारतीय जिले के लिए एक गैर-लाभकारी सांविधिक कोष होना। संसद की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई राज्यों में डीएमएफ कोष को निर्धारित उद्देश्यों के अलावा अन्यत्र इस्तेमाल होने के साथ-साथ इसका हस्तांतरण राज्य के खजाने या राज्यस्तरीय कोष में किया जा रहा है, जो खनन अधिनियम की मूल भावना का उल्लंघन करता है। कमेटी ने इसे विफलता और कानूनी अनियमितियों के रूप में देखा है ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद, कंपनी बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडल पेश करने की बना रही योजना

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने चालू वित्त वर्ष में भी अपनी बिक्री में वृद्धि की रफ्तार कायम रखने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की योजना है चालू वित्त वर्ष में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडलों की पेशकश करने की। वाधवा ने बताया कि कंपनी अपने एसयूवी और एमपीवी वाहनों की मांग मजबूत रखने की उम्मीद रख रही है। उन्होंने इस बारे में कहा कि कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कार्बन निरपेक्षता के मामले में अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्युतीकरण की संभावना देख रही है। उन्होंने यह भी जताया कि कंपनी स्थिति मजबूत करने और वाहन बाजार में अधिक भूमिका निभाने के लिए बढ़े हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी देश के ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार भी करना चाहती है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्यात में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है और उनकी योजना है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात को और भी बढ़ावा दें। टीकेएम ने जारी किया यह बड़ा लक्ष्य और उनकी योजनाओं में तेजी और भरोसा देखा जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ का असर, जेएलआर ने रोका अमेरिका को कारों का निर्यात

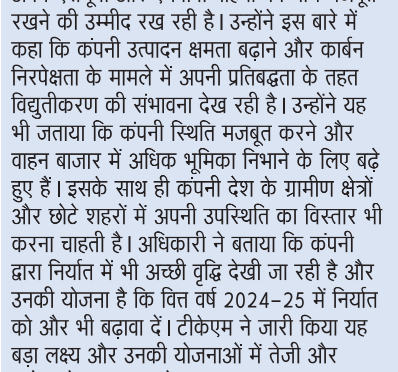

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया है और इसके साथ ही अप्रैल में कारों पर 25 फीसदी टैरिफ भी लागू हो गया है। इस फैसले के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अमेरिका को कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के प्रवक्ता ने बताया कि वे अमेरिकी बाजार में नई ट्रेडिंग टर्म की दिशा में काम कर रहे हैं और ब्रिटेन में बदलाव को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के लिए कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के ग्राहकों के लिए यह फैसला एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह कंपनी ब्रिटिश प्लांट से अमेरिका में अपनी गाड़ियां निर्यात करती थी। ब्रिटिश वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने साल 2008 में फोर्ड मोटर्स से जेएलआर का खरीदा था और इसके बाद से जगुआर लैंड रोवर की व्यापक मौजूदगी अमेरिकी बाजार में बढ़ती रही थी। उसके प्रवक्ता ने कहा, जगुआर लैंड रोवर के लक्जरी ब्रांडों के लिए अमेरिका एक उत्कृष्ट मार्केट है, और हम अपनी नई ट्रेडिंग टर्म को एड्रेस करने के लिए काम कर रहे हैं। हम अपने बिजनेस पार्टनर्स के साथ काम कर रहे हैं ताकि हम अपनी उद्यमिता को बनाए रख सकें। इस बदलाव के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अप्रैल में निर्यात खेप रोकने का फैसला लिया है, जो कि कंपनी के लिए एक व्यापक और महत्वपूर्ण फैसला है। इससे पहले कंपनी ने बताया था कि उसके लक्जरी ब्रांडों की ग्लोबल अपील है और वह बदलती बाजार स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हैदराबाद का...

का प्रपंच करना है। यदि ये मूक पशु और पक्षी किसी भाजपा शासित राज्य में मारे जा रहे होते और जंगलों का बेतहाशा ध्वंस हो रहा होता, तो तमाम दुर्गतिशील, दुर्बुद्धिजीवी और फंडजीवी समाजसेवी सड़क पर आ गए होते। लेकिन कांग्रेस शासित राज्य में ऐसे कुकर्म होते रहें, ऐसी छद्मी जमातें चुप्पी साधे बैठी रहेंगी। मीडिया के कुछ हिस्से में इसके खिलाफ आवाज उठी तो तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मीडिया को गालियां दीं, महिलाओं तक को नहीं छोड़ा। यह तेलंगाना के मुख्यमंत्री का अपना और उनकी पार्टी का संस्कार है। मुख्यमंत्री के इस माफियानुमा धमकी के कारण नागरिक समाज और मीडिया चुप्पी साधे रहा और हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास करीब 400 एकड़ में फैले जंगल को आईटी पार्क बनाने के नाम पर बुलडोजरों से रौंदा जाता रहा।

बुलडोजर ने विध्वंस शुरू किया तो छात्रों ने विरोध किया। लड़के और लड़कियां सभी पुलिस से भिड़ गए, लड़कियों के कपड़े तक फट गए और छात्रों को डंडों से बर्बरतापूर्वक पीटा। छात्रों को जेल ले जाया गया। छात्राओं तक को जेल भेजा गया। ये सारे समाचार मीडिया में उस तेजी से नहीं दिखाए गए, जिस तेजी से दूसरी बेकार खबरें दिखाई जाती हैं। कोई भी पर्यावरण एक्टिविस्ट छात्रों की इस पिटाई पर या छात्राओं के कपड़े फाड़े जाने की सत्ताई गुंडागर्दी के खिलाफ सामने नहीं आया। जंगल के मोर, हिरणों और अन्य जीवों की लाशों की तस्वीरें सामने आने पर भी विरोध के स्वर नहीं उठे और न सत्ता सियासतदानों के चेहरों पर शर्म की एक रेखा भी दिखी।

विडंबना यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस जघन्य घटना का संज्ञान लेते हुए हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास भूमि पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई पर रोक लगा दी, लेकिन तब तक जंगल का बड़ा हिस्सा ध्वस्त किया जा चुका था। और अदालत का आदेश ताक पर रख कर गुपचुप तरीके से रात के अंधेरे में वन-विनाश का पाप जारी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर बताया। पीठ ने कहा, तेलंगाना हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की रिपोर्ट इसकी खतरनाक तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। उन्होंने तेलंगाना सरकार से यूनिवर्सिटी की जमीन पर इतनी तेजी से काम करने की वजह को लेकर भी जवाब मांगा है। उन्होंने पूछा कि इस प्रकार की गतिविधि करने से पहले क्या सरकार ने पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का आंकलन प्रमाणपत्र हासिल किया था?

देश की सर्वोच्च अदालत ने जंगल विनाश की करतूत पर रोक तो लगा दी है, लेकिन प्रकृति विरोधी निकृष्ट चरित्र पर अदालतें कैसे रोक लगा सकती हैं? हैदराबाद के लोग यह सवाल जंगल और जंगली जीव का विनाश करने पर तुले तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री से पूछ रहे हैं। लेकिन उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज साबित हो रही है। देश के पर्यावरणविदों का कहना है कि इस मुद्दे को केवल हैदराबाद यूनिवर्सिटी से जोड़ कर नहीं बल्कि इसे हजारों वन्यजीवों और हजारों वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता से मानवीय भाव से जोड़ कर देखा जाना चाहिए। हजारों जीवों और हजारों वृक्षों के जीवन पर आए संकट के खिलाफ नागरिक समाज मुखर होकर सड़कों पर क्यों नहीं निकल रहा? नागरिकों को भी तो अपना चारित्रिक आत्मावलोकन करना चाहिए! मोर चीख रहे थे। हिरण गिर रहे थे। हिरणों के भागने की तस्वीरें सोशल मीडिया वायरल हो रही थीं, फिर भी हैदराबाद का आम नागरिक चुप बैठा रहा, यह कैसी विडंबना है?सबसे बड़ा सवाल सत्ता का चरम चाटने वाले नौकरशाहों के ऊपर है जिन्होंने हरित प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त किए बगैर महज मुख्यमंत्री की इच्छा के आगे नतमस्तक होकर जंगल का विनाश शुरू कर दिया? इन नौकरशाहों और प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ वन विभाग ने क्या कार्रवाई की? यह सवाल भी सामने है। 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना सरकार को इन सारे प्रश्नों का जवाब देना होगा। केंद्र सरकार ने भी राज्य सरकार से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि वे कांचा गाचीबाउली जंगल में, जहां पेड़ काटे जा रहे हैं, उस जगह का दौरा करें और अपनी रिपोर्ट पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ही रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। हैदराबाद में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास 400 एकड़ जमीन को राज्य सरकार कथित तौर पर विकसित कर रही है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के छात्र इसे लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। तेलंगाना सरकार हैदराबाद विश्वविद्यालय से लगे वन क्षेत्र को तबाह कर वहां आईडी सिटी आबाद करने की धन-लोलुप योजना पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री के आदेश पर तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड ने हाल ही में कांचा गाचीबोवली के 400 एकड़ वनभूमि की नीलामी की घोषणा भी कर दी थी। तेलंगाना सरकार इस मसले को गुत्थियों में उलझाने की कोशिश कर रही है। सरकार कहती है कि यह जमीन वन भूमि के रूप में अधिसूचित नहीं है, बल्कि वास्तव में राजस्व भूमि है। लेकिन राज्य सरकार यह कैसे इन्कार कर सकती है कि वहां घने जंगल नहीं थे और वहां वन्य जीवों का स्वतंत्र विचरण नहीं होता था? हैदराबाद विश्वविद्यालय का कहना है कि 1975 में संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार ने विश्वविद्यालय को 2,324 एकड़ जमीन आवंटित की थी। लेकिन सरकार की दादागीरी के आगे विश्वविद्यालय प्रशासन की सुनता कौन है! राज्यसभा सांसद रवि चंद्र वड्डीराजी ने राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि रात में जेसीबी का इस्तेमाल करके जमीन साफ कराई गई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय को तथ्यात्मक रिपोर्ट दी गई है और राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया गया है। भाजपा के सांसद ताजिंदर बग्गा ने भी लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा, कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस के पर्यावरण अपराध बांदीपुरा और कांचा गाचीबोवली में पारिस्थितिकी और जैव विविधता को स्थायी नुकसान की कीमत पर सामने आए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, छात्र ऐसे भविष्य के लिए अपनी आवाज उठा रहे हैं जहां प्रकृति पनपती हो। आईटी पार्क नहीं, बल्कि जंगल युवाओं को एक स्थायी कल का मौका देते हैं। जैव विविधता की कीमत पर विकास विनाश है। हैदराबाद के गाचीबोवली में कांचा वन को बचाएं।

तमिलनाडु को...

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं तमिलनाडु सरकार से तमिल भाषा में मेडिकल पाठ्यक्रम शुरू करने का आग्रह करूंगा ताकि गरीब परिवारों के बच्चे भी डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकें। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि हमारे देश के युवाओं को डॉक्टर बनने के लिए विदेश न जाना पड़े। पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु को 11 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं।

रामनवमी पर...

इसे सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड ने 535 करोड़ रुपए की लागत से बनाया है।अंग्रेज जमाने के बने जिस पंबन ब्रिज से यात्रियों से भरी ट्रेन बह गई थी, उस जगह पर मोदी सरकार ने शक्तिशाली नया पुल स्थापित कर दिया और उसे रामनवमी के दिन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। पीएम मोदी ने साल 2019 में इसका शिलान्यास किया था। इसे डबल ट्रैक और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसे 2022 में बनना था, लेकिन कोविड के कारण इसमें देर हो गई। रामायण में कहा गया है कि लंका में रावण का वध करने जाने के लिए भगवान राम ने रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से ही सेतु का निर्माण किया था। आज उसी के पास पंबन सेतु बन कर खड़ा हो गया है।पंबन ब्रिज में समुद्र के पार 100 स्पैन (यानी अलग-अलग हिस्से) हैं। इनमें से 99 स्पैन 18.30 मीटर का और एक प्रमुख लिफ्ट स्पैन 72.5 मीटर का है। समुद्री जहाज गुजरते समय यह स्पैन ऊपर उठ जाएगा। ऊपर उठने वाले लिफ्ट स्पैन 16 मीटर चौड़ा है और इसका कुल वजन 550 टन है। पंबन ब्रिज एक रेलवे ब्रिज है, जो बांद्रा-वर्ली सी लिंक के बाद देश का दूसरा सबसे लंबा रेलवे ब्रिज है। दक्षिण रेलवे ने कहा कि पुराने पुल की तुलना में इसकी ऊंचाई को भी काफी बढ़ाया गया है। इससे ज्यादा ऊंचाई वाले जहाज पुल के नीचे से गुजर पाएंगे। पुराना पुल 19 मीटर ऊंचाई तक खुलता था, लेकिन नए पुल में 22 मीटर खुलता है। इसके अलावा, इस पुल पर रेलवे का दोहरा ट्रैक बिछाया गया है। इसके साथ ही ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन भी किया गया है।नए पंबन ब्रिज पर ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। इससे पहले यह गति सीमा सिर्फ 10 किलोमीटर प्रति घंटा थी। लिफ्ट स्पैन वाले हिस्से पर ट्रेन की अधिकतम गति की सीमा 50 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है। यह वर्टिकल लिफ्ट स्पैन देश का पहला और दुनिया में दूसरा है। इस स्टील ब्रिज का डिजाइन अंतर्राष्ट्रीय कंसल्टेंट टिपसा ने किया है। इसे यूरोपीय और भारतीय कोड के साथ डिजाइन किया गया है। टिकाऊ एवं मजबूती के लिए इसमें स्टेनलेस स्टील का प्रयोग किया गया है। इस पर जंग या समुद्र की नमकीन पानी से बचाने के लिए ब्रिज पर पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है। इससे पहले वाले पुल में जंग लगने के कारण उसे साल 2022 में बंद कर दिया गया था। इससे रामेश्वरम और मंडपम के बीच रेल सम्पर्क खत्म हो गया था।रेलवे ब्रिज के समानांतर ही एक सड़क पुल भी है। इस सड़क पुल से मंडपम और रामेश्वरम का सम्पर्क बना रहा। पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन करने से पहले दक्षिण रेलवे ने नए पंबन ब्रिज का कई चरणों में ट्रायल किया। सबसे पहले 12 जुलाई 2024 पर हल्के इंजन का ट्रायल रन किया गया। सुरक्षा की पुष्टि होने के बाद 4 अगस्त 2024 को इस पर टावर कार ट्रायल रन किया गया। इस ट्रायल में रामेश्वरम स्टेशन तक ओवरहेड इक्विपमेंट टावर कार चलाई गई थी। इस ब्रिज का अंतिम ट्रायल 31 जनवरी 2025 को हुआ। इस ट्रायल में रामेश्वरम एक्सप्रेस ट्रेन को ब्रिज पर दौड़ाया गया। यह ट्रायल पूरी तरह सफल रहा था। ट्रेन को मुख्य भूमि मंडपम से रामेश्वरम स्टेशन तक ले जाया गया था। इस दौरान इंडियन कोस्ट गार्ड की पेट्रोलिंग बोट के लिए लिफ्ट स्पैन को पहली बार ऊपर उठाया गया था।

नए पंबन ब्रिज की खास बात यह है कि यह समुद्री हलचल या चक्रवात का भी ध्यान रखता है। अगर समुद्री हवा की गति 58 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे ज्यादा हो जाती है तो यह वर्टिकल सिस्टम काम नहीं करेगा। यहां पर ऑटोमैटिक रेड सिग्नल हो जाएगा। यानी हवा की गति सामान्य होने तक पुल पर ट्रेन की आवाजाही बंद रहेगी। तूफान, चक्रवात जैसी आपदा में सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह सिस्टम तैयार किया गया है।नए पंबन ब्रिज का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने किया है। यह रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न कंपनी है। ब्रिज निर्माण के दौरान पर्यावरणीय प्रतिबंध, समुद्र की तेज लहरें, तेज हवाएं और खराब मौसम जैसी कई चुनौतियां आईं। यह इलाका चक्रवात और भूकंप के लिए संवेदनशील है, इसलिए इंजीनियरों ने बहुत सोच-समझकर मजबूत डिजाइन तैयार किया। अब यह नया ब्रिज अमेरिका के गोल्डन गेट ब्रिज, लंदन का टावर ब्रिज और डेनमार्क-स्वीडन को जोड़ने वाला ओरेसुंड ब्रिज जैसे दुनिया के अन्य मशहूर ब्रिज की श्रेणी में गिना जा रहा है। ये सब ब्रिज अपने तकनीकी डिजाइन और इंजीनियरिंग के लिए जाने जाते हैं। अब नया पंबन ब्रिज भी इन प्रतिष्ठित ब्रिज की कतार में शामिल हो गया है। इसमें आधुनिक तकनीक के साथ भारत के समुद्री और भूकंपीय हालात से कामयाबी के साथ निपटने की सामर्थ्य है।

ऐतिहासिक जनादेश ...

चाहे वह लोकसभा चुनाव हों, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव हों या देश भर में विभिन्न स्थानीय निकाय चुनाव हों। हमारी सरकारें समाज की सेवा करती रहेंगी और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगी। हमारी पार्टी की रीढ़, हमारे सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को मेरी शुभकामनाएं, क्योंकि वे सक्रिय रूप से जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और हमारे सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि भाजपा के कार्यकर्ता देश के हर हिस्से में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और गरीबों, वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा कर रहे हैं। उनकी ऊर्जा और उनका उत्साह वास्तव में प्रेरक है। उल्लेखनीय है कि भाजपा की स्थापना साल 1980 में तत्कालीन भारतीय जनसंघ के नेताओं द्वारा की गई थी। भाजपा ने 1984 में लड़े गए पहले आम चुनाव में केवल दो लोकसभा सीटें जीती थीं। हालांकि, बाद में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में यह तेजी से आगे बढ़ी और 90 के दशक में गठबंधन सरकार बनाई। साल 2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला, तब से ही यह पार्टी सत्ता के केंद्र में है।भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना दिवस मनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी की 98 वर्षीय वरिष्ठ कार्यकर्ता शकुंतला आर्या से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उनके निवास पर पार्टी का ध्वज फहराया। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय से लेकर प्रदेश कार्यालयों और जिला-ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया गया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी का झंडा फहराकर कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि पार्टी राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करती है और यही कारण है कि आज वह राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ देश के दर्जनों राज्यों में सत्ता में है।

देश में समान...

इसलिए, हाईकोर्ट ने कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करने के लिए समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दिया।कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायाधीश हंचते संजीव कुमार ने समान नागरिक संहिता कानून को लेकर संविधान सभा का तर्क दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में भी समान नागरिक संहिता विवाद का एक विषय था। जस्टिस संजीवकुमार ने कहा कि संविधान सभा के कुछ सदस्यों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया और कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया था। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का भी हवाला दिया। इनमें मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम और अन्य (1985), सरला मुद्गल (श्रीमती) और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य (1995) और जॉन वल्लमट्टम और अन्य बनाम भारत संघ (2003) प्रमुख हैं। इन फैसलों में सुप्रीम कोर्ट ने संसद को समान नागरिक संहिता पर कानून बनाने का सुझाव दिया था।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक मामले की सुनवाई के दौरान की। अब्दुल बशीर खान नामक व्यक्ति की मृत्यु के बाद उनके कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच सम्पत्ति बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। अब्दुल बशीर ने अपनी मृत्यु से पहले कोई वसीयत नहीं लिखी थी। वे अपने पीछे कई अचल सम्पत्तियां छोड़ गए, जिनमें से कुछ पैतृक थीं तथा कुछ उन्होंने स्वयं अर्जित की थीं। अब्दुल बशीर की मौत के बाद उनकी सम्पत्ति के बंटवारे को लेकर उनके बच्चों के बीच मतभेद उत्पन्न हो गए। बेटी शहनाज बेगम की मौत के बाद उनका प्रतिनिधित्व उनके शौहर सिराजुद्दीन मक्की (प्रतिवादी) ने किया। मक्की ने आरोप लगाया कि उन्हें सम्पत्ति के बंटवारे से बाहर रखा गया और उसमें से उन्हें उचित हिस्सा नहीं दिया गया। इसको लेकर मक्की ने बेंगलुरु सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया। नवंबर 2019 में ट्रायल कोर्ट ने माना कि विचाराधीन तीन सम्पत्तियां संयुक्त परिवार की सम्पत्ति का हिस्सा हैं और शहनाज बेगम उन में पांचवें हिस्से की हकदार हैं। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने अन्य सम्पत्तियों को बंटवारा योग्य नहीं बताया। ट्रायल कोर्ट के फैसले से असंतुष्ट अब्दुल बशीर के दो बेटों समीउल्ला खान और नूरुल्ला खान तथा बेटी राहत जान (अपीलकर्ता) ने कर्नाटक हाईकोर्ट में अपील दायर की। इधर, सिराजुद्दीन मक्की ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ आपत्ति दायर की, जिसमें अपने हिस्से को बढ़ाने या पहले के आदेश में संशोधन की मांग की गई। हाईकोर्ट ने दोनों पक्ष की याचिकाओं को स्वीकार किया और अपील एवं आपत्ति याचिका, दोनों पर एक साथ सुनवाई की। तमाम दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

भारत-म्यांमार ...

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उनका खुद का घर भी भारत और म्यांमार के बीच बंटा हुआ है। उन्होंने बताया, मेरा पारंपरिक घर जो सैकड़ों साल पहले बना था, 2016 में दोबारा पक्का बनाया गया, लेकिन वो घर अब आधा भारत में है और आधा म्यांमार में। मतलब, घर के एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने पर देश बदल जाता है।अंग फावांग ने सवाल उठाया कि अगर सीमा पर बाड़ लगा दी गई और एफएमआर को कम कर दिया गया, तो क्या उनके परिवार को अपने ही घर में आने-जाने के लिए पास बनवाना पड़ेगा? उन्होंने कहा, ये बहुत ही अन्यायपूर्ण होगा। कोन्याक नगा जनजाति के लोग सीमा पार एक-दूसरे के यहां आना-जाना करते हैं। म्यांमार की ओर के गांवों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारत की ओर आते हैं। उनके बच्चों की पढ़ाई भी भारत के मोन जिले के स्कूलों में होती है, क्योंकि म्यांमार की तरफ ज़्यादा सुविधाएं नहीं हैं।

केंद्र सरकार ने हाल ही में फ्री मूवमेंट रीजीम (एफएमआर) क्षेत्र को 16 किलोमीटर से घटाकर 10 किलोमीटर करने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन अंग फावांग का कहना है कि यह निर्णय ज़मीनी सच्चाई को नजरअंदाज करता है। उन्होंने सुझाव दिया कि एफएमआर को कम करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए ताकि कोन्याक नगा लोग सीमा के दोनों ओर आसानी से आ-जा सकें। अंग फावांग ने सीमा पर तैनात असम राइफल्स के जवानों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वे न सिर्फ सुरक्षा का काम करते हैं, बल्कि गांव वालों की मदद भी करते हैं - जैसे मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और दवाइयां देना। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक सीमा पर दोनों तरफ के लोगों के बीच कोई विवाद या हिंसा नहीं हुई है। सभी शांतिपूर्वक रहते हैं और सदियों पुराने रिश्तों को कायम रखे हुए हैं।

नगालैंड सरकार भी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को सीमित करने के फैसले के खिलाफ है। राज्य सरकार का भी मानना है कि यह फैसला स्थानीय लोगों की भावनाओं और जीवनशैली को ठेस पहुंचाएगा। अंग टोन्येई फावांग ने दो टूक कहा, हम किसी भी हालत में सीमा पर बाड़ नहीं चाहते। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि वो जमीनी हकीकत को समझे और ऐसा कोई भी निर्णय न ले जो लोगों को उनके अपनों से अलग कर दे।

डॉल्फिनों का...

कई गलती से मछली पकड़ने के जाल में फंस गईं या जानबूझकर मार दी गईं। यह इस प्रजाति के लिए चल रहे खतरे को उजागर करती हैं। संरक्षणवादी रवींद्र कुमार सिन्हा कहते हैं कि 2000 के दशक की शुरुआत तक नदी डॉल्फिन के बारे में बहुत कम जागरूकता थी। 2009 में, गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इसे भारत का राष्ट्रीय जलीय पशु घोषित किया गया था। 2020 की कार्य योजना और 2024 में एक समर्पित शोध केंद्र जैसे कदमों ने तब से इसकी संख्या को पुनर्जीवित करने में मदद की है। हालांकि, संरक्षणवादियों का कहना है कि अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

गंगा नदी की डॉल्फिनें महासागरों में पाई जाने वाली डॉल्फिनों की तरह नहीं हैं। वे पानी से बाहर शानदार चाप में छलांग नहीं लगाती। लंबे अंतराल के लिए सतह पर नहीं आतीं या सीधे खड़े होकर तैरती नहीं हैं। इसके बजाय, वे नदी में किनारे किनारे तैरती हैं। अपना अधिकांश समय पानी के नीचे बिताती हैं। उनके थूथन लंबे होते हैं और वे लगभग पूरी तरह से अंधे होते हैं। ये गंगा डॉल्फिन प्रजाति देश के उत्तरी भाग में गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली में बड़े पैमाने पर पाई जाती हैं। एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि भारत की नदियों में लगभग 6,327 नदी डॉल्फिन हैं। इनमें 6,324 गंगा डॉल्फिन और सिर्फ तीन सिंधु डॉल्फिन हैं। अधिकांश सिंधु डॉल्फिन पाकिस्तान में पाई जाती हैं क्योंकि नदी दोनों दक्षिण एशियाई देशों से होकर बहती है।

इन दोनों डॉल्फिन प्रजातियों को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ द्वारा लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के शोधकर्ताओं ने भारत की नदी डॉल्फिन की पहली व्यापक गणना करने के लिए 2021 और 2023 के बीच 10 राज्यों की 58 नदियों का सर्वेक्षण किया। नदी डॉल्फिन की उत्पत्ति और उसके विकास की कथा अत्यंत रोचक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अक्सर जीवित जीवाश्म कहे जाने वाले ये जीव लाखों साल पहले समुद्री पूर्वजों से विकसित हुए थे। जब कभी दक्षिण एशिया के निचले इलाकों में समुद्र भर जाता था, तो ये डॉल्फिन अंतर्देशीय इलाकों में चली जाती थीं। जब पानी कम हो जाता था, तो वे वहीं रहती थीं। समय के साथ वे गंदी, उथली नदियों के अनुकूल हो गईं, और उनमें ऐसे गुण विकसित हुए जो उन्हें समुद्र में रहने वाले अपने भाइयों से अलग करते थे। विशेषज्ञों का कहना है कि नदी डॉल्फिनों की आबादी पर नजर रखने के लिए नया सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है।

हिंदू नव वर्ष की पहली एकादशी कल

कामदा एकादशी पर फलाहार व्रत से मिलता है मनचाहा वरदान

सनातन धर्म में कामदा एकादशी का खास महत्व है। यह पर्व हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन जग के नाथ भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी पर फलाहार व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनचाहा वरदान मिलता है। साथ ही जन्म-जन्मांतर में किए गए समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार ये एकादशी व्रत 8 अप्रैल को पड़ रही है। कामदा एकादशी का व्रत जिस कामना से किया जाता है। वो पूरी होती है। पारिवारिक जीवन की समस्याएं भी खत्म हो जाती हैं। कामदा एकादशी का जिक्र विष्णु पुराण में किया गया है। राम नवमी के बाद ये पहली एकादशी होती है। कामदा एकादशी को सांसारिक कामनाएं पूरी करने वाला व्रत माना गया है। इसलिए इस व्रत को बेहद खास माना गया है। कामदा एकादशी को फलदा एकादशी भी कहते हैं।

कामदा एकादशी

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 7 अप्रैल को रात 8 बजे होगी। वहीं इस शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का समापन 8 अप्रैल को रात 9:12 मिनट पर हो जाएगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, 8 अप्रैल को कामदा एकादशी मनाई जाएगी। इसी दिन इसका व्रत और भगवान विष्णु का पूजन भी किया जाएगा।

शुभ योग

वैदिक पंचांग के मुताबिक कामदा एकादशी तिथि 7 अप्रैल को रात 8:01 बजे शुरू होकर 8 अप्रैल को रात 9:12 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 8 अप्रैल को कामदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं, जिनमें रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और लक्ष्मी नारायण योग शामिल हैं।. इन योगों में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

पूजा विधि

शास्त्रों के अनुसार इस एकादशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। व्रत के एक दिन पहले एक बार भोजन करके भगवान का स्मरण किया जाता है। कामदा एकादशी व्रत के दिन स्नान के बाद साफ कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। व्रत का संकल्प लेने के बाद भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा में फल, फूल, दूध, तिल और पंचामृत आदि सामग्री का प्रयोग करना चाहिए। एकादशी व्रत की कथा सुनने का भी विशेष महत्व है। द्वादशी के दिन ब्राह्मण को भोजन कराने के बाद दक्षिणा देकर विदा करना चाहिए।

कामदा एकादशी का महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार, कामदा एकादशी व्रत के पुण्य से जीवात्मा को पाप से मुक्ति मिलती है। यह एकादशी कष्टों का निवारण करने वाली और मनोवांछित फल देने वाली होने के कारण फलदा और कामना पूर्ण करने वाली होने से कामदा कही जाती है। इस एकादशी की कथा व महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने पाण्डु पुत्र धर्मराज युधिष्ठिर को बताया था। इससे पूर्व राजा दिलीप को यह महत्व वशिष्ठ मुनि ने बताया था। चैत्र मास में भारतीय नव संवत्सर की शुरुआत होने के कारण यह एकादशी अन्य महीनों की अपेक्षा और अधिक खास महत्व रखती है। शास्त्रों के अनुसार जो मनुष्य कामदा एकादशी का व्रत करता है वह प्रेत योनि से मुक्ति पाता है।

दशमी से ही शुरू हो जाती है तैयारी

कामदा एकादशी व्रत के एक दिन पहले से ही यानी दशमी की दोपहर में जौ, गेहूं और मूंग आदि का एक बार भोजन करके भगवान की पूजा की जाती है। दूसरे दिन यानी एकादशी को सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद व्रत और दान का संकल्प लिया जाता है। पूजा करने के बाद कथा सुनकर श्रद्धा अनुसार दान किया जाता है। इस व्रत में नमक नहीं खाया जाता है। सात्विक दिनचर्या के साथ नियमों का पालन कर के व्रत पूरा किया जाता है। इसके बाद रात में भजन कीर्तन के साथ जागरण किया जाता है।

क्या करें

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। तुलसी, फल-फूल, धूप, दीप और प्रसाद चढ़ाकर भगवान विष्णु की आराधना करें। इस दिन निराहार (बिना खाए) या फलाहार व्रत रखने की परंपरा है। भगवद्गीता और विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें , क्योंकि इस दिन श्रीहरि की भक्ति में लीन रहना शुभ माना जाता है। जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और धन दान करना बहुत पुण्यदायी होता है। इस दिन भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन के साथ जागरण करने से विशेष लाभ मिलता है. द्वादशी के दिन ब्राह्मण भोजन कराने के बाद खुद सात्त्विक भोजन करें।

क्या नहीं करें

इस दिन चावल, गेहूं, मसूर दाल, प्याज-लहसुन और मांसाहार से परहेज करें। व्रत के दौरान मन और वाणी की शुद्धता बनाए रखें। इस दिन सत्य बोलना और अच्छे आचरण का पालन करना जरूरी होता है। वाणी पर संयम रखना एकादशी व्रत का मुख्य नियम है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन शरीर के किसी भी अंग को काटना वर्जित है। खाने की बर्बादी न करें और भोजन को आदरपूर्वक ग्रहण करें।

राशि अनुसार कामदा एकादशी पर करें इन चीजों का दान

मेष राशि– कामदा एकादशी के दिन लाल रंग की मिठाई और लाल रंग के मौसमी फलों मसूर दाल का दान करें।

वृषभ राशि– चावल, गेहूं, चीनी, दूध आदि चीजों का दान करें।

मिथुन राशि– गाय को चारा खिलाएं और सेवा करें. साथ ही जरूरतमंद लोगों को हरी सब्जियों का दान करें।

कर्क राशि– माखन, मिश्री, लस्सी, छाछ आदि चीजों का दान करें।

सिंह राशि– कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने के बाद राह चलते लोगों में लाल रंग के फल और शरबत बाटें।

कन्या राशि– विवाहित महिलाओं को हरे रंग की चूड़ियां दान में दें।

तुला राशि– भगवान विष्णु की पूजा करने के बाद जरूरतमंदों के मध्य सफेद वस्त्रों का दान करें।

वृश्चिक राशि– मसूर दाल, लाल मिर्च, लाल रंग के फल आदि चीजों का दान करें।

धनु राशि– केसर मिश्रित दूध राहगीरों में बाटें। साथ ही पीले रंग के फल और खाने पीने की अन्य चीजों का भी दान कर सकते हैं।

मकर राशि– भगवान विष्णु की पूजा करने के साथ गरीबों के मध्य धन का दान करें।

कुंभ राशि– कामदा एकादशी पर चमड़े के जूते-चप्पल, छतरी और काले वस्त्र का दान करें।

मीन राशि– केला, चने की दाल, बेसन, पीले रंग के वस्त्र का दान करें।

एकादशी पर श्री हरि को अर्पित करें ये खास चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा जीवन

कामदा एकादशी का दिन बहुत फलदायी माना जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन पर लोग भगवान विष्णु के लिए व्रत रखते हैं और उनकी पूजा करते हैं। महीने में दो बार शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में एकादशी आती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल कामदा एकादशी चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि यानी 8 अप्रैल को मनाई जाएगी। माना जाता है कि जो साधक इस उपवास का पालन करते हैं और भगवान विष्णु को उनकी प्रिय चीजें चढ़ाते हैं, श्री हरि उनके दुखों को सदैव के लिए हर लेते हैं, तो

श्री हरि को चढ़ाएं ये खास चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को कामदा एकादशी पर विष्णु भगवान को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर श्री हरि को पंचामृत चढ़ाना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर विष्णु जी को तुलसी पत्र अर्पित करने चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को कामदा एकादशी पर नारायण को धनिया की पंजीरी का भोग लगाना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर श्री हरि को लाल रंग के वस्त्र चढ़ाने चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर भगवान विष्णु को मोर का पंख चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को कामदा एकादशी पर श्री हरि को दही-चीनी अर्पित करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर नारायण को लाल चंदन चढ़ाना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करने चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर नारायण को शमी के फूल चढ़ाने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को कामदा एकादशी पर भगवान विष्णु को शमी के पत्ते चढ़ाने चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस तिथि पर भगवान विष्णु को गोपी चंदन का तिलक लगाना चाहिए।

एकादशी पर जरूर करें इन 5 चीजों का दान मन की हर कामना जल्द हो सकती है पूरी

कामदा एकादशी प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन मनाई जाती है। इस साल कामदा एकादशी का व्रत 8 अप्रैल को रखा जाएगा। हिंदू धर्म में इस एकादशी का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कामदा का अर्थ हर कामना को पूर्ण करने वाली, इसलिए इस दिन व्रत रखने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

इसके अलावा इस दिन भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने पर जातक को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। वहीं अगर कुछ विशेष वस्तुओं का दान किया जाए तो भी भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति होती है। तो कामदा एकादशी के दिन किन-किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है इस बारे में पंडित रमाकांत मिश्रा के अनुसार जानते हैं।

कामदा एकादशी पर करें ये दान

वस्त्र –कामदा एकादशी पर वस्त्र दान करना भी शुभ माना जाता है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार इस दिन नए व पुराने लेकिन साफ-सुथरे वस्त्रों का किसी जरूरतमंद को दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक को आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है व जीवन में खुशहाली आती है।

अन्न और जल – कामदा एकादशी के दिन अन्न और जल का दान अत्यधिक पुण्यकारी माना जाता है। खासकर उन लोगों को जो लोग इस दिन उपवास या फिर निर्जला व्रत रहते हैं, उन्हें जल दान करने से विशेष लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त गरीब और जरूरतमंदों को भोजन देने से घर में हमेशा अन्न की भरपूरता बनी रहती है और समृद्धि का वास होता है।

धार्मिक पुस्तकें – धार्मिक पुस्तकों का दान ज्ञान और सकारात्मकता का प्रतीक होता है। इस दिन आप श्रीमद्भागवत गीता या विष्णु सहस्रनाम जैसी धार्मिक पुस्तकें दान कर सकते हैं। इससे आध्यात्मिक उन्नति होती है और जीवन में शांति बनी रहती है।

फल और मिठाई – भगवान विष्णु को फल और मिठाई बहुत प्रिय हैं। कामदा एकादशी के दिन इनका दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। एकादशी के दिन आप अपने पसंद के फल या मिठाई दान कर सकते हैं और अगर संभव होता केले या पीले रंग की मिठाई भी दान कर सकते हैं।

कामदा एकादशी व्रत में भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये भोग

सनातन धर्म में एकादशी का व्रत पुण्यदायी माना गया है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस कामदा एकादशी का व्रत 8 अप्रैल को रखा जाएगा। इस एकादशी का व्रत रखने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और सभी पापों से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-पाठ और व्रत का विधान है, तो चलिए यहां विष्णु जी को खुश करने के लिए एकादशी प्रसाद यानी विष्णु जी के प्रिय भोग के बारे में जानते हैं।

भगवान विष्णु के प्रिय भोग

कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु को सात्विक चीजों का भोग लगाना चाहिए। इस व्रत में अनाज का सेवन करने की मनाही है, इसलिए भोग में ऐसी चीजें शामिल करें, जो व्रत के नियमों के अनुकूल हों। भगवान विष्णु को तुलसी बेहद प्रिय है, इसलिए भोग में तुलसी दल जरूर शामिल करें।

फल – भगवान विष्णु को ताजे व ऋतु फल जैसे – केला, आम, अंगूर, खरबूजा और तरबूज आदि चीजें अर्पित करें।

मेवे – सूखे मेवे जैसे – बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता आदि भी भोग में शामिल कर सकते हैं।

पंजीरी और मिठाइयां – घर पर बनी धनिया की पंजीरी और मिठाइयां जैसे – पेड़ा, बर्फी या नारियल के लड्डू भी भोग में शामिल किए जा सकते हैं।

पंचामृत – पंचामृत भगवान विष्णु को अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसे में इसे जरूर चढ़ाएं।

कामदा एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

कामदा एकादशी का व्रत रखने का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही इस व्रत को रखने से जाने-अनजाने में किए गए सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ऐसा भी माना जाता है कि इस व्रत को करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए इस पावन व्रत को जरूर रखें।

काला जादू और खौफ से भरा छोरी 2 का भूतिया ट्रेलर रिलीज

चीख-चिल्लाहट खड़े कर देगी रोंगटे

नुसरत भरूचा और सोहा अली खान स्टारर हॉरर सुपरनैचुरल ड्रामा फिल्म छोरी 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है. छोरी 2 का भूतिया ट्रेलर रोंगटे खड़े कर देने वाला है. छोरी 2 का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है. नुसरत के किरदार का नाम साक्षी है और सोहा अली खान डरावने किरदार में दर्शकों का पसीना छुड़ाएंगी. एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट बैनर तले फिल्म 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर देखने को मिलेगी.छोरी 2 का ट्रेलर दर्शकों को डरावनी दुनिया की सैर करा रहा है. ट्रेलर का एक पंच डायलॉग राजा ने छोरा चाहिए था ने समाज के कड़वे सच को सामने लाकर रख दिया है. छोरी 2 एक अंधविश्वास और काला जादू-टोना पर बेस्ड है. इसकी कहानी में एक मां अपने बच्चे को बचाने के लिए जद्दोजहद करती नजर आएंगी. ट्रेलर के कुछ सीन दर्शकों के रोंगटे खड़े करने वाले हैं. ट्रेलर में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल और पल्लवी अजय जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैंजो कहानी को और भी थ्रिलर बनाने वाले हैं. हॉरर और थ्रिलर फिल्मों के शौकीनों के लिए छोरी 2 एक शानदार पैकेज हो सकती है जो डर के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करेगी.साल 2021 में छोरी ने अपनी अनोखी कहानी से दर्शकों के इंप्रेस किया था. छोरी मराठी फिल्म लपाछपी का हिंदी रीमेक है. छोरी के कामयाब होने पर मेकर्स चार साल बाद इसका सीक्वल लेकर पहुंचे हैं. फिल्म में खौफ, प्यार, इमोशन और रहस्यमयी चीजों का मिश्रण देखने को मिलेगा. छोरी 2 के ट्रेलर में यह सब नजर आता है और इससे दर्शकों की इसे देखने के लिए बेताबी और बढ़ सकती है.

जैकलीन फर्नांडीज की मां का निधन

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की मां किम फर्नांडीज का रविवार को निधन हो गया। इससे पहले कुछ मीडिया आउटलेट्स ने खबर छापी थी कि जैकलीन की मां का निधन हो गया। हालांकि, ये खबरें आगे झूठी निकलीं। अब, आईएएनएस ने विशेष रूप से इस बात की पुष्टि की है कि किम फर्नांडीज वास्तव में नहीं रहीं।

बता दें कि किम फर्नांडीज को 24 मार्च को स्ट्रोक आया था। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अपनी मां के स्वास्थ्य के बारे में जानने के बाद, जैकलीन अपनी मां से मिलने पहुंची थीं। बहरीन के मनामा में रहने वाली किम फर्नांडीज को 2022 में भी ऐसी ही स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्हें बहरीन के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैकलीन अपने पिता एलरॉय फर्नांडीज के साथ मुंबई के लीलावती अस्पताल में अपनी मां से मिलने के लिए पहुंची थीं। जहां स्ट्रोक के बाद उन्हें भर्ती कराया गया था। अस्पताल में जैकलीन का एक

वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस क्लिप में वह अपनी मां को देखने के लिए अस्पताल जाती हुई दिखाई दे रही हैं। वह सफेद सलवार कमीज पहने हुए दिखाई दे रही हैं और उनका चेहरा मास्क से ढका हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में उनके पिता भी दिखाई दे रहे हैं।इसके अलावा, जैकलीन के 'किक' को-स्टार सलमान खान को भी अस्पताल में उनकी मां से मिलने के लिए देखा गया।अगर रिपोर्ट्स की मानें तो जैकलीन को आईपीएल 2025 में परफॉर्म करने के लिए चुना गया था, हालांकि, उन्होंने अपनी मां की खातिर इस इवेंट से हटने का फैसला किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकलीन को 26 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच में परफॉर्म करना था।

तारा सुतारिया ने सी-फूड सैटरडे का लुत्फ उठाया

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने घर पर 'सीफूड सैटरडे' का लुत्फ उठाया। सप्ताहांत के लिए मेन्यू में जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव के बिस्तर पर परोसा गया मेमना, बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल, स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद के साथ हनी बाल्समिक ड्रेसिंग और चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ प्रॉन स्पेगेटी शामिल थे।

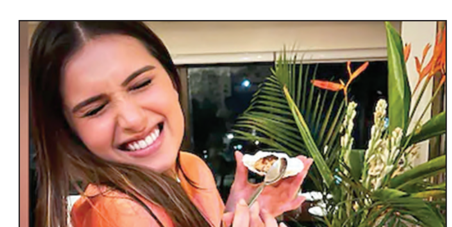

तारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, घर पर शनिवार को मैंने बहुत सारा बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल पकाया (तस्वीर में नहीं है क्योंकि हमने इसे किसी के फोटो खींचने से पहले ही खा लिया!) स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद शहद बाल्समिक ड्रेसिंग के साथ और पिया ने चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ एक प्यारा प्रॉन स्पेगेटी बनाया! सीफूड और हमारे सबसे पुराने दोस्तों के साथ शानदार व्हाइट ग्लास... इससे ज्यादा और क्या चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, आखिरी तस्वीर में मैंने पहली बार पकाए गए लैम का एक बेहतरीन लेग पीस दिखाया है। जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव की परत पर परोसा गया, यह लाजवाब था।इससे पहले, तारा ने खुशी के बारे में अपने विचार बताए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह काले और सफेद धारीदार नाइट सूट में मस्ती करती नजर आ रही थीं। इस स्टनर ने 80 के दशक के सिंथ-पॉप ट्रैक पर शानदार लिप-सिंक किया। उनकी पोस्ट का शीर्षक था, अपने पुराने दोस्तों के साथ अपने पीजे में बैठकर 80 के दशक के अपने पसंदीदा गाने बजाने जैसा कुछ नहीं... बहुत ही आनंददायक!!!! (यदि आप इंट्रो पर लिप सिंक नहीं करते हैं तो हम दोस्त नहीं बन सकते!!!)अपने काम के बारे में बात करते हुए, तारा हाल ही में ईशान खट्टर के साथ रोमांटिक ट्रैक 'प्यार आता है' में नजर आईं।स्नेहा शेट्टी कोहली द्वारा निर्देशित, इस मधुर गीत को श्रेया घोषाल ने रीतो रीबा के साथ मिलकर आवाज दी है।

जन्नत फेम सोनल चौहान मिनी ड्रेस में दिए किलर पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनल चौहान एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज़ को लेकर चर्चा में हैं। जन्नत ़फेम इस खूबसूरत अदाकारा ने हाल ही में मुंबई में एक ब्रांड लॉन्च इवेंट के दौरान शिरकत की, जहां उन्होंने पिंक शॉर्ट आउटफिट में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इवेंट की तस्वीरें जैसे ही इंस्टाग्राम पर सामने आईं, सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। सोनल ने ऑफ-शोल्डर, रोज़ फ्लावर स्टाइल की पिंक मिनी ड्रेस में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज़ दिए। उनकी कर्व्स और कॉन्फिडेंस ने हर किसी को इंप्रेस कर दिया।

यह लुक उन्होंने केटल स्टूडियो चिप्स के लॉन्च पर कैरी किया था, जिसे उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए ब्रांड को बधाई दी। सोनल का यह बोल्ड और बिंदास अंदाज़ फैशन लवर्स के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। यूज़र्स ने कमेंट बॉक्स में लिखा - बेहद आकर्षक, स्ले क्वीन, और हमेशा की तरह भव्य, वहीं कई सेलेब्स ने भी उनके लुक की तारीफ की।गौरतलब है कि सोनल चौहान ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और जन्नत ़फिल्म से बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री की थी। आज भी उनकी खूबसूरती और स्टाइल का कोई जवाब नहीं। फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

पंचायत के चौथे सीजन का ऐलान लौट रही फुलेरा गांव की मंडली

ओटीटी का सबसे फेमस वेब सीरीज पंचायत आज 5 साल की हो गई है। इस शो का प्रीमियर 3 अप्रैल, 2020 को प्राइम वीडियो पर हुआ था। इस सीरीज के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं। मेकर्स ने चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस को गुड न्यूज दिया है। मेकर्स ने शो की 5वीं एनिवर्सरी पर आधिकारिक तौर पर रिलीज की तारीख का एलान कर दिया है। पंचायत सीजन 4 का प्रीमियर इसी साल होगा। पंचायच के मेकर्स ने चौथे सीजन की रिलीज की तारीख का एलान किया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साथ निभाना साथिया फेम एक्ट्रेस जिया मानेक, जितेंद्र कुमार और

प्रोमो साझा किया, जिसमें सीजन 4 की रिलीज डेट के बारे में जानकारी दी गई है।वीडियो में, साथ निभाना साथिया में गोपी बहू का किरदार निभाने के लिए मशहूर एक्ट्रेस जिया मानेक किताबें धोती नजर आईं, और फिर मजाक में कहा कि पंचायत ने सोशल मीडिया पर सभी मीम्स का श्रेय ले लिया है। वह मीम, एक-एक चाय हो जाए पर चर्चा करते हुए कहती है, यह सिर्फ एक वाक्य इसके बाद जितेंद्र कुमार ने कहा, इंटरनेट को एक दूरदर्शी मीम ाहिए जो हिंदी, इंग्लिश सबमें वायरल हो सके। सबको समझ आ सके। वायरल होने के पीछे मत भागो, मोमेंट बनाओ। न्होंने आगे कहा, अब पंचायत को 5 साल होने आ रहा है। ाप खुद को पांच साल बाद कहां देखते हैं?इसके बाद उन्होंने ुलासा किया कि पंचायत का नया सीजन इसी साल आ रहा । इसके बाद जिया ने पूछा, अगर यह इस साल आ रहा है, ो क्या हम टैंक पर बैठकर ग्रीन टी पी सकते हैं? हालांकि, ितेंद्र बिना कोई जवाब दिए वहां से चले जाते हैं। मेकर्स ने ीडियो के अंत में खुलासा किया कि शो 2 जुलाई को अमेजन ाइम वीडियो पर प्रीमियर होने वाला है।पंचायत एक कॉमेडी-मा है जो अभिषेक नाम के शख्श के जीवन यात्रा पर आधारित जो सीमित नौकरी के अवसरों के कारण उत्तर प्रदेश के एक ्राज के गांव में पंचायत कार्यालय में सचिव की भूमिका निभाता आगामी सीजन में, अभिषेक, प्रधान जी और फुलेरा के प्यारे ीणों को नई चुनौतियों का सामना करते और अनोखे कारनामे ने को मिलेंगे।पंचायत सीजन 4 में बहुचर्चित रिटर्निंग कलाकार मिल होंगे, जिनमें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, फैसल मलिक, ीर यादव, चंदन रॉय, दुर्गेश कुमार, संविका, सुनीता राजवार ्र पंकज झा शामिल हैं।

ऋतिक रोशन की फिल्म कृष 4 से जुड़ीं नोरा फतेही!

जब से ऋतिक रोशन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी कृष की चौथी किस्त की घोषणा की है, प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। खास बात यह है कि कृष 4 के निर्देशन की कमान ऋतिक को सौंपी गई है। इस फिल्म के जरिए वह मनोरंजन जगत में बतौर निर्देशक कदम रखने जा रहे हैं।ताजा खबर यह है कि कृष 4 की स्टार कास्ट में जानी-मानी अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही शामिल हो गई हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, कृष 4 में अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने नोरा से संपर्क किया है।दिलचस्प बात यह है कि उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और कृष 4 का हिस्सा बनने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रीति जिंटा भी कृष 4 में नजर आएंगी। उन्होंने कोई मिल गया में निशा की भूमिका निभाई थी। अब वह अपने इस किरदार को दोबारा दोहराती दिखेंगी।कृष फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म थी कोई मिल गया जो 2003 में आई थी। इसने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया था।इसके बाद साल 2006 में कृष और 2013 में कृष 3 रिलीज हुईं। कृष में प्रियंका चोपड़ा, रेखा और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आए थे, वहीं कृष 3 में कंगना रनौत, विवेक ओबेरॉय और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे।इस सीरीज की पिछली तीनों फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें । यात्रा का योग नही हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्य–क्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा । सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं । आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा। परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा । क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा । सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है । कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं । नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा। शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी । आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा । व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा । सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी । धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी । आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा । जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 अप्रैल 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 08:03 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 06:25 तक
योग : धृति रात्रि 06:18 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:39 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– श्री धर्मराज दशमी , गण्डमूल प्रातः 06:26 से , खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बाड़मेर जिले में टूटा 27 साल पुराना प्रचंड गर्मी का रिकॉर्ड

बाड़मेर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल की शुरुआत में ही राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में प्रचंड गर्मी का तांडव शुरू हो गया है। बाड़मेर में रविवार को प्रचंड गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाया। इस दौरान अप्रेल माह में 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए बाड़मेर में 45.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इस दौरान बाड़मेर में झुलसा देने वाली इस गर्मी के कारण लोग बुरी तरह बेहाल दिखे। प्रचंड गर्मी के इस तेवर को देखकर लोगों में अभी से ही सिरहन पैदा हो गई हैं। इधर, भीषण गर्मी के कारण रविवार को बाड़मेर में सड़के सूनी नजर आई। वहीं, लोग घरों में ही दुबके रहें।

राजस्थान में अप्रैल की शुरुआत में ही भीषण गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखा दिया है। बाड़मेर में रविवार को भीषण गर्मी ने लोगों का बेहाल कर दिया। रेगिस्तानी इलाके बाड़मेर में 27 साल पहले 1998 में अप्रैल के महीने में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था, लेकिन आज रविवार को फिर से प्रचंड गर्मी का वहीं हालत देखने को मिले। इस दौरान गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 45.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान से 6.8 डिग्री अधिक था। इस भीषण गर्मी के कारण लोगों के जमकर पसीने छूट गए। इस दौरान झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में ही रहे।

अप्रैल के पहले सप्ताह में ही पश्चिमी राजस्थान में गर्मी ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। रविवार को बाड़मेर में जो तापमान देखने को मिला, उससे लग रहा है कि आने वाले दिनों में और प्रचंड गर्मी देखने को मिलेगी। इसको लेकर मौसम विभाग ने भी हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के अनुसार 11 अप्रैल तक पश्चिमी राजस्थान में प्रचंड गर्मी का रौद्र रूप देखने को मिलेगा। इसके चलते मौसम विभाग ने लोगों को गर्मी से बचने और सावधानी बरतने को कहा है। साथ ही लोगों को आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकालने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस संगठन में होगा बदलाव, लापरवाह पदाधिकारियों पर होगा एक्शन

सचिन पायलट ने बताया एक्शन प्लान

जयपुर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कांग्रेस अपने संगठन को लेकर काफी अलर्ट नजर आ रही है। दिल्ली में हुई जिला अध्यक्षों की बैठक के बाद कांग्रेस अपने संगठन में काफी बदलाव करने जा रही है। इस बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बड़ा बयान देकर हलचल मचा दी हैं। उन्होंने कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय होगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अब तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारी को हटाया जाएगा। इसके अलावा उनके कामकाज की भी समीक्षा होगी। पायलट के बयान बाद कांग्रेस के संगठन में सियासी हलचल मच गई है।

कांग्रेस ने साल 2025 संगठन सशक्तिकरण का साल घोषित किया है। इसको लेकर कांग्रेस हर स्तर पर पार्टी को मजबूत करने जा रही है। इस बीच पायलट के इस बयान ने कांग्रेस में हलचल मचा दी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अब निष्क्रिय पदाधिकारी को पार्टी हटाने का काम करेगी। राजस्थान में तीन बैठकों में जो भी पदाधिकारी अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें हटाया जाएगा। इसके अलावा पदाधिकारी के कामकाज की भी समीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी में अध्यक्षों की भूमिका भी बढ़ेगी। पायलट ने कहा कि अब संगठन में चुनाव, वित्त प्रबंधन और उम्मीदवार चयन को लेकर जिला अध्यक्ष की भूमिका और मजबूत होगी।

पायलट के संगठन को लेकर दिए गए बयान के बाद कांग्रेस में हलचल मच गई है। सचिन पायलट ने अपना यह बयान गुजरात के अहमदाबाद में होने वाली एआईसीसी की बैठक से पहले दिया है। उन्होंने इस बयान के माध्यम से कांग्रेस की अगली नीति को लेकर संकेत दिया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पार्टी पीढ़ीगत बदलाव चल रहा है। इसी को देखते भी संगठन को मजबूत करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी में पिछड़े युवा, महिलाएं, एससी एसटी और अल्पसंख्यकों को आगे लाना जरूरी है।

भजनलाल शर्मा ने चैत्र नवरात्र की नवमी पर की मां दुर्गा की आराधना

कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन ग्रहण करवाया

जयपुर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को चैत्र नवरात्र की नवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर सपरिवार मां दुर्गा का पूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास परिसर स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में पूर्ण विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और हवन में पूर्णाहुति देकर देवी मां की आराधना की।

शर्मा ने देवी स्वरूपा कन्याओं का विधिवत पूजन किया और उन्हें भोजन ग्रहण करवाया। इस अवसर पर उन्होंने मां जगदम्बा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन सुख, समृद्धि से परिपूर्ण होने तथा राजस्थान के उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की प्रार्थना की।

राइजिंग राजस्थान: निवेशकों को 533 औद्योगिक भूखंड और नीलामी से अलॉट करेगा रीको, आज से शुरू होगी प्रक्रिया

जयपुर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान के तहत राजस्थान में पूंजी निवेश करने वाले उद्योगपतियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों को रीको इसी माह 79 औद्योगिक क्षेत्रों में 533 औद्योगिक भूखंड और नीलामी से अलॉट करेगा। इनके लिए 7 अप्रैल से ईएमडी जमा कराने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2025 तक रखी गई है। जबकि इनके लिए ऑनलाइन बिड 22 अप्रैल से 24 अप्रैल, 2025 तक की जा सकेगी। इससे राजस्थान के औद्योगिक विकास को पंख लगेंगे और जल्दी ही प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।

बता दें कि इससे पहले रीको ने ई लॉटरी के माध्यम से 103 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया था, इससे रीको को 353 करोड़ रुपए की आय हुई थी। अब जिन औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया जा रहा है, वे काफी प्रीमियम प्रॉपर्टीज हैं। इनकी बिक्री से भी रीको को करोड़ों रूपए की राजस्व आय होने की संभावना है। रीको चेयरमैन अजिताभ शर्मा के मुताबिक 7 अप्रैल से जिन 533 भूखंडों का आवंटन किया जाना है, उनमें आबूरोड़ में 54, अजमेर में 30, अलवर में 7, भिवाड़ी प्रथम में 8, भिवाड़ी द्वितीय में 33, बोरानाड़ा में 26, दौसा में 1, घिलौठ में 8, जयपुर उत्तर में 2, जयपुर दक्षिण में 8, जयपुर ग्रामीण में 1, ईपीआईपी सीतापुरा जयपुर में 28, जोधपुर में 1, किशनगढ़ में 36, मंडोर में 1 और नीमराना में 2 औद्योगिक भूखंड उपलब्ध हैं।

रीको की एमडी शिवांगी स्वर्णकार के मुताबिक बालोतरा, झालावाड़, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, नागौर, पाली, जालोर, राजसमंद, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर, उदयपुर और सवाई माधोपुर औद्योगिक क्षेत्रों में ई नीलामी के तहत निवेशकों के लिए इंडस्ट्रियल प्लॉट्स उपलब्ध हैं।

रीको प्रवक्ता के मुताबिक इंडस्ट्रियल प्लॉट के लिए 25 प्रतिशत राशि जमा कराने के बाद शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान 11 किस्तों में 8.5 प्रतिशत ब्याज दर के साथ किया जा सकेगा। अगर निवेशक ब्याज नहीं देना चाहता है तो उसे शेष 75 प्रतिशत राशि 120 दिन में ही जमा करानी होगी। निवेशकों की सुविधा के लिए रीको की टर्म लोन स्कीम के तहत निवेशक भूमि की लागत का 75 प्रतिशत राशि का ऋण भी ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें 8.5 प्रतिशत ब्याज के साथ ऋण राशि का पुनर्भुगतान करना होगा।

कांग्रेस ने गहलोत राज में बने 6 नए जिलों को नहीं माना जिला

जयपुर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने अपने संगठन के ढांचे में बदलाव किया है। अब तक संगठन में 40 जिले थे। अब 10 नए जिलों को मंजूरी देकर संगठन में जिलों की संख्या 50 कर दी गई है। पार्टी के संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने पीसीसी चीफ के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संगठन में बदलाव की अनुमति दी। हैरानी की बात यह है कि नए बनाए गए 10 जिलों में वे 6 जिले शामिल ही नहीं किए गए जो अशोक गहलोत राज में जिले बनाए गए थे। यानी पूर्ववर्ती सरकार ने जिसे जिला बनाया, उन्हें पार्टी ने जिला ही नहीं माना।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय गहलोत ने 17 नए जिले बनाए थे। भाजपा सरकार ने कांग्रेस के इस फैसले पर कैंची चला दी थी। नए बनाए गए 17 जिलों में से 9 जिलों को निरस्त कर दिया और केवल 8 जिलों को ही यथावत रखा। निरस्त किए गए 9 जिलों में से 6 जिले ऐसे हैं जिन्हें कांग्रेस पार्टी ने भी जिला नहीं माना। यानी संगठन में बदलाव करके जिलों की संख्या 50 करने के बावजूद भी उन जिलों को मंजूरी नहीं दी जिन्हें भाजपा सरकार ने निरस्त किया था। यूं भी कहा जा सकता है कि भाजपा ने जिन जिलों को निरस्त किया। उस पर कांग्रेस पार्टी ने भी अपनी मुहर लगा दी है।

विनेश फोगाट के चचेरे भाई की सड़क हादसे में मौत

चरखी दादरी,06 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला पहलवान विनेश फोगाट के चचेरे भाई एवं राज्य पदक विजेता की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। शुक्रवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नेशनल हाईवे–148 बी पर गांव घसौला के पास शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से ओलंपियन व कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के स्टेट पदक विजेता भाई पहलवान की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव बलाली निवासी नवदीप (35) के रूप में हुई है। नवदीप कुश्ती खिलाड़ी था और बच्चों को प्रशिक्षण भी देता था। सदर पुलिस ने दादरी के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, पुलिस को शुक्रवार रात सूचना मिली कि एनएच––148 बी पर गांव घसोला बस अड्डे के नजदीक एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।

पीएम मोदी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर हरियाणा को देंगे दो बड़ी सौगातें: सैनी

यमुनानगर,06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि पीएम मोदी 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव डा. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हरियाणा को दो बड़ी सौगातें देंगे, जो प्रदेश के विकास को गति प्रदान करेंगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यमुनानगर में पत्रकारों को बताया कि पीएम मोदी इस दिन राज्यस्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। वह यमुनानगर के दीनबंधु

चौधरी छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की नई इकाई का शिलान्यास करेंगे, जिसकी लागत 7272 करोड़ रुपये होगी। साथ ही, हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं की शुरुआत भी करेंगे।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि यमुनानगर की यह परियोजना दीनबंधु चौधरी छोटूराम थर्मल पावर प्लांट के मौजूदा 300–300 मेगावाट की दो इकाइयों के संयंत्र (प्लांट) का विस्तार है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने का समय निर्धारित किया गया है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों में शुरू हो जाएगा। इससे हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3382 मेगावाट तक बढ़ जाएगी। वहीं, हिसार में एकीकृत विमानन हब विकसित किया जा रहा है, जिसमें 4200 एकड़ में हवाई अड्डा और 3000 एकड़ में समेकित विनिर्माण क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है।

हरियाणा में अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में मिलेगा 20 फीसदी रिजर्वेशन

अमित शाह ने लिखा सीएम नायब सैनी को पत्र

चंडीगढ़,06 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने हरियाणा सरकार को अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में 20% आरक्षण देने के निर्देश दिए हैं। शाह ने शनिवार को सीएम नायब सैनी को पत्र भेजा है। उन्होंने हरियाणा सरकार की पॉलिसी की कॉपी भी मंगाई है। अभी प्रदेश में अग्निवीरों को 10% आरक्षण दिया जा रहा है। सरकार जल्द कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर इस पर मुहर लगा सकती है। प्रदेश में अक्टूबर महीने में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अमित शाह ने चुनावी सभाओं में वादा किया था कि सरकार हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अग्निवीरों के बारे भेजे पत्र में लिखा, 'अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में लौट रहा है। अग्निवीरों में से 25 फीसदी को केंद्रीय सशस्त्र बलों में लिया जाएगा। शेष 75 फीसदी समाज में लौट जाएंगे। आपकी सरकार ने अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की घोषणा कर रखी है, मगर अभी तक इसकी नीति जारी नहीं हुई है। पुलिस में अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण देने का कष्ट करें। यह पॉलिसी भी भेजी जाए। शाह के पत्र के बाद विभागीय अधिकारियों ने ड्राफ्ट बनाने पर काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि सरकार बहुत जल्द मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव लेकर आ सकती है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 5 अगस्त 2024 को कैबिनेट की मीटिंग के बाद घोषणा की थी कि कैबिनेट ने अग्निवीरों को पुलिस के साथ–साथ अन्य विभागों में 10 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। ग्रुप सी के पदों की नौकरी में पांच फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी थी। मगर, यह पॉलिसी अभी तक जारी नहीं हुई है। इसी पर गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र लिखा है। हरियाणा से वित्त वर्ष 2022–23 में कुल 1,830 अग्निवीरों का चयन हुआ था, जबकि वर्ष 2023–24 में लगभग 2,215 की भर्ती की गई थी। चार साल की सेवा के बाद अग्निवीरों को भारतीय सेना के नियमित कैडर में भर्ती होने के लिए आवेदन करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक बैच के 25 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि के दौरान किये गए प्रदर्शन और निर्धारित शर्तों के आधार पर यह अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 जून, 2022 को 'अग्निपथ' योजना लागू की थी। इस योजना के तहत भारतीय सेना में चार वर्ष के लिए अग्निवीर की तैनाती की जाती है। हरियाणा सरकार ने फैसला किया था कि अग्निवीरों को प्रदेश सरकार द्वारा भर्ती किए जाने वाले पुलिस कॉन्स्टेबल, माइनिंग गार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डन और एसपीओ के पदों पर सीधी भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। हरियाणा में अग्निवीरों को ग्रुप–बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। अग्निवीर के पहले बैंच वालों को उम्र में पांच साल की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, ग्रुप सी के सिविल पदों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण और अग्निवीरों की कौशल विशेषज्ञता से संबंधित ग्रुप बी के पदों के लिए एक प्रतिशत होरिजोंटल आरक्षण दिया जाएगा। अग्निवीरों को ग्रुप सी पदों के लिए संयुक्त पात्रता परीक्षा की आवश्यकता से छूट दी जाएगी। नौकरी देने वाले इंडस्ट्रीज पर मिलेगी सब्सिडीमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि अग्निवीर नीति–2024 के तहत स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए अग्निवीरों को रोजगार देने वाले उद्योगों को प्रति वर्ष 60,000 रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। बशर्ते कि उद्योगों द्वारा सब्सिडी राशि सहित अग्निवीर को प्रति माह 30,000 रुपए से अधिक वेतन दिया जाए। अग्निवीरों को बंदूक लाइसेंस के लिए प्राथमिकता मिलेगी। शर्त ये है कि वे शस्त्र अधिनियम में निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों। अग्निवीरों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाएगी।

आरसीपी सिंह ने रामनवमी पर बताई रामराज्य की परिकल्पना

वक्फ कानून और सीएम नीतीश के स्वास्थ्य पर जताई चिंता

नालंदा (एजेंसियां)।

रामनवमी के पावन अवसर पर आप सब की आवाज (आसा) पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने अपने पैतृक गांव मुस्तफापुर, नालंदा में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ रामराज्य की अवधारणा को रेखांकित किया, बल्कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, वक्फ कानून और महाराष्ट्र की भाषाई हिंसा पर भी खुलकर अपनी बात रखी।

आरसीपी सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत रामनवमी की शुभकामनाओं से की। उन्होंने भगवान राम के आदर्शों को आज के लोकतंत्र से जोड़ते हुए कहा कि रामराज्य में भेदभाव नहीं था, सबके लिए समान अधिकार थे- चाहे वह किसी भी वर्ग, धर्म, भाषा या खान-पान का व्यक्ति हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भी ऐसी ही समता, समानता, भाईचारा और सांप्रदायिक सौहार्द की भावना पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने अपने समर्थकों से रामनवमी को 'संकल्प दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया और समाज, प्रदेश और देश में रामराज्य की भावना को स्थापित करने की बात कही।

उन्होंने नए वक्फ कानून को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भले ही यह कानून लागू हो गया हो, लेकिन अभी यह देखना बाकी है कि इसका क्रियान्वयन पूरे देश में समान रूप से होता है या नहीं। आरसीपी सिंह ने जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन अल्पसंख्यकों की आवाज को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का जो नारा है, उसे जमीन पर भी उतारा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक विविधताओं से भरा देश है। इसमें हर धर्म, भाषा और जाति के लोगों को समान अवसर मिलना चाहिए ताकि किसी को भेदभाव का एहसास न हो।

अपने पुराने साथी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर आरसीपी सिंह भावनात्मक लेकिन स्पष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि वह नीतीश कुमार के शुभचिंतक हैं, लेकिन उनके स्वास्थ्य और बॉडी लैंग्वेज को देखकर चिंता होती है। आरसीपी सिंह ने कहा कि हम भगवान से कामना करते हैं कि नीतीश बाबू स्वस्थ रहें, क्योंकि उन्होंने बिहार की और समाज की सेवा की है। लेकिन आज वह पहले जैसे नहीं रहे। सवाल यह है कि क्या अब भी वह बिहार की सेवा करने में सक्षम हैं? उन्होंने नीतीश कुमार की राजनीतिक यात्रा की चर्चा करते हुए यह भी जोड़ा कि पहले वह कई मुद्दों पर स्पष्ट थे- राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे विषयों पर, लेकिन अब उनकी स्थिति में बदलाव आ गया है।

आरसीपी सिंह ने महाराष्ट्र में बिहारी और उत्तर भारतीयों के खिलाफ हो रही भाषाई हिंसा पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत बहुभाषी देश है, हर चार किलोमीटर पर भाषा बदलती है। संविधान में महाराष्ट्र और बिहार के लिए अलग-अलग प्रावधान नहीं हैं। उन्होंने चेताया कि अगर भाषाई भेदभाव बढ़ा तो उसके आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणाम होंगे। महाराष्ट्र में बने कपड़े और औद्योगिक उत्पादों को अगर उत्तर भारत में खरीदना बंद कर दिया जाए तो क्या होगा? उन्होंने कहा कि ऐसी हिंसक घटनाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और ऐसी सोच रखने वालों को देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने से रोका जाना चाहिए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुन्ना सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव प्रियदर्शी अशोक, महासचिव संजय सिन्हा और लता सिंह जैसे पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। उन्होंने आरसीपी सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि आसा पार्टी सामाजिक समरसता और न्यायसंगत व्यवस्था की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है।

महावीर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान हुए आरती में शामिल

पटना (एजेंसियां)।

आज रामनवमी है। पूरे बिहार में गलियों, चौक-चौराहों से श्रीराम के जयकारें की गूंज है। आज का दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है और विशेष रूप से भगवान श्रीराम की पूजा की जाती है। पटना में बीती मध्य रात्रि दो बजे महावीर मंदिर के पट खोल दिया गया। श्रद्धालु करीब लंबी-लंबी कतारों में लगकर भगवान के दर्शन के लिए तैयार थे। ढोल-नगाड़े के साथ भगवान राम और हनुमान जी की आरती हुई। इधर, दोपहर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भगवान के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। यहां सांसद शांभवी चौधरी और उनके पति सायन कुणाल ने उनका स्वागत किया। राज्यपाल भगवान की आरती में भी शामिल हुए। राज्यवासियों के उन्होंने दुआ मांगी और सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं दी। इसी दौरान उन्हें भगवान राम और हनुमान जी की तस्वीर भेंट की गई।

महावीर मंदिर का पट आज श्रद्धालुओं के लिए रात 12 बजे तक खुला रहेगा। इस बार इस बार मंदिर परिसर के अंदर भीड़ न हो, इसलिए मंदिर के बाहर नैवेद्यम लड्डू के 13 काउंटर बनाए गए हैं। भगवान के प्रसाद के लिए 25 हजार किलो नैवेद्यम तैयार किए गए हैं। मंदिर के अंदर स्थित स्थायी नैवेद्यम काउंटर रामनवमी के दिन बंद कर दिया गया है।

महावीर मंदिर प्रशासन ने बतया कि आज करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। खास बात यह है कि केवल दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं (जिनके पास प्रसाद और माला नहीं होगी) को सुबह नौ बजे से 11 बजे तक दर्शन की अलग सुविधा दी जा रही है। यह व्यवस्था पूर्वी प्रवेश द्वार से होगी, जिससे भीड़ नियंत्रण में रहेगी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आस-पास के इलाके में 800 से अधिक स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। पूरे इलाके में सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो। बैरिकेडिंग इस बार विशेष तौर पर स्टील पाइप से की गई है ताकि सुरक्षा पुख्ता और टिकाऊ रहे। बीर कुंवर सिंह पार्क और जीपीओ के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

रामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे से भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आरती में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। रामनवमी पर राजधानी में 2200 पुलिस बलों की तैनाती की गई। इस दौरान फूलों की वर्षा, विशिष्ट रोट प्रसाद का वितरण और ध्वज परिवर्तन की विशेष पूजा संपन्न होगी। शाम को आने वाले जुलूसों का मंदिर में स्वागत किया जाएगा। मंदिर की ओर से इस बार दो लाख भक्तों को निःशुल्क हनुमान चालीसा वितरित किया जाने का लक्ष्य है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि इससे हर श्रद्धालु इस पुण्य अवसर पर प्रभु श्रीराम और हनुमानजी का स्मरण कर सकें।

अस्पताल से दुष्कर्म का आरोपी फरार

इमरजेंसी वार्ड में चल रहा था इलाज

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) से एक बंदी के फरार हो गया है। घटना शनिवार देर रात की है। बताया जा रहा है कि बंदी को आरा जेल से पीएमसीएच में इलाज के लाया गया था। बंदी धनंजय सिंह इमरजेंसी वार्ड से हथकड़ी सरकाकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस टीम फरार बंदी की तलाश में छापे कर रही है। मामले में पटना एसएसपी ने कहा कि यह बड़ी लापरवाही का मामला है। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

दरअसल, छपरा जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के गोहपुर गांव का निवासी धनंजय सिंह दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी था। कोर्ट की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार ने उसे दो अप्रैल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और उसे उल्टियां होने लगीं। पहले उसे स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उसे छपरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया गया, जहाँ से डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया।

मामले में पीरबहोर थानाध्यक्ष मोहम्मद हलीम ने बताया कि आरोपी की तलाश में छापेमारी चल रही है।

वहीं छपरा के एसएसपी डॉ. कुमार आशीष ने आरोपी की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों से जवाब-तलब किया है। सब इंस्पेक्टर नवीन कुमार, जमादार अजय प्रजापति, चौकीदार मितेंद्र राय, रमेश कुमार राय और रामबराई राय से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सामाजिक तत्वों ने रामनवमी पर तनाव फैलाने की रची साजिश, मुसलमानों ने कर दिया विफल

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

असामाजिक तत्वों ने रामनवमी पर तनाव फैलाने की साजिश रची, जिसे मुसलमानों ने बेहद संवेदनशीलता के साथ लिया। साथ ही सुझबुझ, शांति और सौहार्द का परिचय देते हुए पूरी साजिश को विफल कर दिया। मामला औरंगाबाद शहर के नावाडीह मुहल्ला स्थित कब्रिस्तान से जुड़ा है। असामाजिक तत्वों के चाहने के बावजूद मामले ने कोई सांप्रदायिक रंग नहीं लिया और मुसलमानों की सुझबुझ से किसी तरह की समावेशी अनहोनी घटना टल गई। दरअसल, असामाजिक तत्वों ने शनिवार की रात कब्रिस्तान के अंदर एक इमारत के गेट की दीवार में तोड़फोड़ की, जिससे आंशिक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही कब्रिस्तान में कई कब्रों में भी आग लगा दी, जिससे कब्रों पर पड़ी चादरें जलकर राख हो गई। रविवार की सुबह घटना की जानकारी मिलते ही मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोगों की भीड़ कब्रिस्तान में जमा हो गई। सभी ने असामाजिक तत्वों की इस करतूत की निंदा की।

घटना की जानकारी मिलते ही औरंगाबाद सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-1 संजय कुमार पांडेय और औरंगाबाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। इस तरह की करतूत को अंजाम देने की वजह जानने की कोशिश की। इसके बाद एसडीपीओ ने कब्रिस्तान परिसर स्थित एक शेड में मुसलमानों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनसे सख्ती से निपटेगी। शीघ्र ही उन्हें जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया जाएगा। बैठक में मुसलमानों ने भी धैर्य, सुझबूझ, शांति और सौहार्द का परिचय दिया। सभी ने यह माना कि यह करतूत असामाजिक तत्वों की है, जिसे किसी खास उद्देश्य से अंजाम दिया गया है। हम असामाजिक तत्वों को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगे। शहर में हम लोग मिलजुल कर रह रहे हैं। आगे भी रहेंगे और मिल्लत की तहजीब पर आंच नहीं आने देंगे।

इधर, घटना की स्थानीय लोगों ने कड़ी निंदा की है। साथ ही असामाजिक तत्वों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की निंदा करते हुए कब्रिस्तान कमिटी के सदर सैयद गुलाम मखानी उर्फ हक्कू ने कहा कि यह घटना बेहद निंदनीय है। पुलिस जितनी जल्दी हो सके घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार करे और उनके नापाक मंसूबों को सभ्य समाज के सामने लाए। उनकी सभी से अपील है कि शांति-सौहार्द बनाए रखें। किसी तरह की अफवाहबाजी से दूर रहें। अफवाहों पर ध्यान न दें। सामाजिक कार्यकर्ता मुमताज अहमद जुगनू ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर असामाजिक तत्वों की सोच पर गुस्सा भी आता है और हंसी भी आती है। कहा कि जिंदों से किसी बात को लेकर दुश्मनी हो सकती है लेकिन मुर्दों से किस बात की दुश्मनी। वे तो दुनिया से कब के जा चुके हैं। क्या मुर्दों ने उनका कुछ बिगाड़ा है, जो वे उनसे दुश्मनी निकाल रहे हैं और उनकी कब्रों को जला रहे हैं। कहा कि ऐसी घटना बेहद निंदा करने योग्य है। पुलिस इस कृत्य को अंजाम देने वालों को शीघ्र गिरफ्तार करे।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसी पोस्ट नहीं डालें जिससे असामाजिक तत्वों के मंसूबे को बढ़ावा मिले और सामाजिक सौहार्द बिगड़े। सोशल मीडिया पर पुलिस की भी नजर रहती है और गलत पोस्ट डालने पर खुद भी फंस सकते हैं।

गौरतलब है कि औरंगाबाद शहर में मार्च 2018 में रामनवमी के अवसर पर सांप्रदायिक दंगा हुआ था। इस दंगे में दोनों समुदाय के लोगों के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हानि पहुंची थी। लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। पुलिस को शहर में इंटरनेट शटडाउन तक कराना पड़ा। मामले को शांत कराने के लिए डीजीपी रैंक के पुलिस के आला अधिकारियों तक को औरंगाबाद आना पड़ा था। इस दंगें को लेकर दोनों समुदाय के दर्जनों लोग आज भी मुकदमा झेल रहे है। माना जा रहा है कि कब्रिस्तान में तोड़फफोड़ और कब्रों को फूंकने के बहाने असामाजिक तत्वों ने रामनवमी पर फिर से ऐसा ही दंगा कराने की साजिश रची थी, जो विफल हो गई।

बिहार में भाजपा नेता की बेटी पर तेजाब फेंका

सोयी अवस्था में खिड़की से चेहरे पर एसिड अटैक

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में अपराधियों का एक बार फिर तांडव देखने को मिला जहां बेख़ौफ़ अपराधियों ने सोया अवस्था में भारतीय जनता पार्टी के नेता के पुत्री के चेहरे पर एसिड फेंक कर पूरी तरह से चेहरा को जला दिया। इससे लड़की पूरी तरह से झुलस गई है। गंभीर अवस्था में लड़की को इलाज के लिए बखरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां लड़की का इलाज चल रहा है। घटना बखरी थाना क्षेत्र के बखरी नगर परिषद वार्ड 23 की है।

बताया जा रहा है कि लड़की बीती रात अपने घर में सोई हुई थी। सोया अवस्था में अज्ञात अपराधी घर में घुसा और हाथ में एसिड लेकर चेहरे पर फेंक दिया। जैसे ही लड़की का नींद खुल तो पूरी तरह से चेहरा और हाथ झुलस गई। इस घटना के बाद लड़की चिल्लाना शुरू कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर लकड़ी के पास पहुंचे तब तक में अपराधी वहां से घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। घायल अवस्था में लड़की को उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के बखरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज चल रहा है।

इस घटना के संबंध में पूर्व भारतीय जनता पार्टी के नेता ने बताया है कि मेरी पुत्री अपने रूम में सोई हुई थी। तभी किसी अज्ञात अपराधी ने चेहरे पर एसिड डाल दिया।

जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। उन्होंने बताया है कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है लेकिन इसके बावजूद भी अपराधियों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया है कि मेरी लड़की बड़ी शरीफ है। फिलहाल किस वजह से अपराधी इस घटना को अंजाम दिया यह समझ से बाहर है। भाजपा के जिला अध्यक्ष राजीव वर्मा बताया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जो कि घर घुसकर लड़की के चेहरे पर एसिड अटैक किया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग किया कि जो भी अपराधि द्वारा इस घटना को अंजाम दिया है उसे अपराधी को चिन्हित कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करें। हालांकि इस घटना के बाद गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल इस घटना की सूचना परिजनों के द्वारा बखरी थाना पुलिस को दी है। मौके पर बखरी थाने के पुलिस एवं बकरीद डीएसपी कुंदन कुमार पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बंधक बनाकर कारोबारी के घर से 1.26 करोड़ की लूट

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। मामला पटना के अगमकुंआ थाना क्षेत्र स्थित नालंदा कॉलोनी की है। घर मालिक संतोष प्रकाश का कहना है कि लगभग 1.26 करोड़ की लूट हुई है। पुलिस का कहना है कि घर के सदस्यों को हथियार के बल पर बंधक बनाकर लूटपाट की गई है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि दिन में लगभग 10:30 बजे अगमकुओं थाना क्षेत्र के धनुकी मोड़ स्थित नालंदा कॉलनी में रहने वाले स्व0 रामाकांत प्रसाद के पुत्र संतोष प्रकाश के घर में घुसकर 05 अज्ञात अपराधी घुस गए। घर में घुसते ही परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर घर में रखा लगभग 1.25 करोड़ का जेवर और नगद-1.25 लाख रूपया लूटकर घर से फरार हो गये। अपराधियों के जाते ही संतोष प्रकाश ने घटना की सूचना थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। जांच के लिए तत्काल डॉग स्कावाईड और एफएसएल टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। इस संबंध में संतोष प्रकाश ने अगमकुआँ, थाना में लिखित आवेदन दिया है, जिसके आधार पर थाना कांड सं0-290/25, के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि लूट की घटना मोटर पार्ट्स कारोबारी संतोष प्रकाश के घर में हुई है।अपराधियों के जाने के बाद पीड़ित ने अगमकुंआ थाना की पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद घटना स्थल पर पूर्वी एसपी डॉ के रामदास सहित अगमकुंआ थाना पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम पहुंच अपराधियों को चिन्हित करने में जुटी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com